मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.9	27.2
जमशेदपुर	33.6	25.6
डालटनगंज	36.0	24.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 09 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 91 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हेमंत सोरेन सरकार ने जीता विश्वास मत, किया मंत्रिमंडल विस्तार, मंत्रियों का विभाग भी बंटा

14 साल बाद मिला 12वां मंत्री

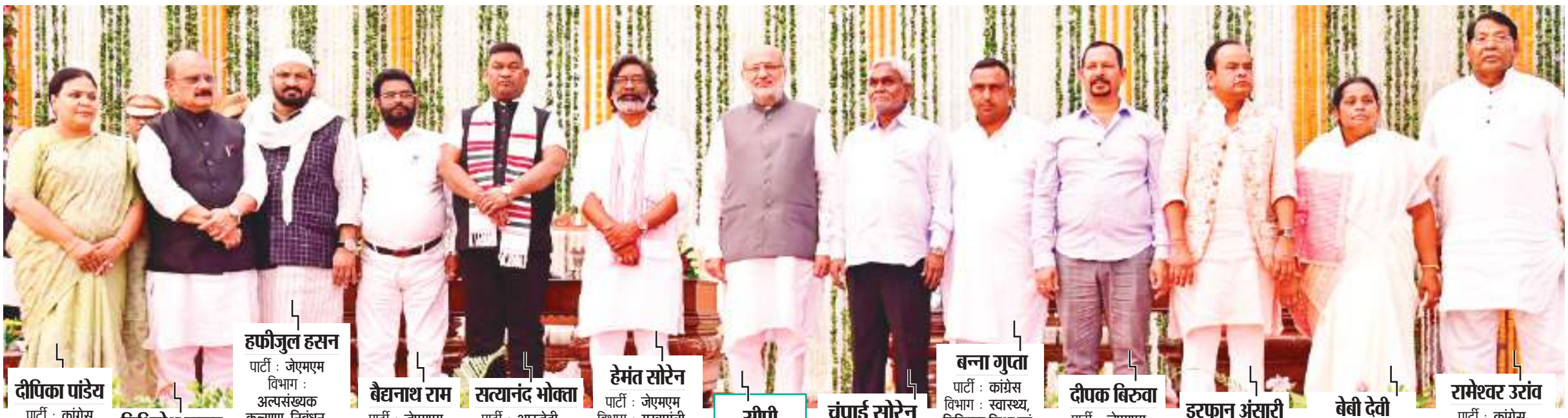

दीपिका पांडेय
पार्टी : कांग्रेस
विभाग : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता, आपदा प्रबंधन

मिथिलेश ठाकुर
पार्टी : जेएमएम
विभाग : पेयजल एवं स्वच्छता

हफीजुल हसन
पार्टी : जेएमएम
विभाग : अल्पसंख्यक कल्याण, निबंधन, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य, नगर विकास एवं आवास

बैद्यनाथ राम
पार्टी : जेएमएम
विभाग : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता, उत्पाद एवं मद्य निषेध

सत्यानंद भोक्ता
पार्टी : आरजेडी
विभाग : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, उद्योग

हेमंत सोरेन
पार्टी : जेएमएम
विभाग : मुख्यमंत्री, कार्मिक, पथ, भवन निर्माण, वैसे सभी विभाग जो मंत्रियों को आवंटित नहीं

सीपी राधाकृष्णन
राज्यपाल
झारखंड

चंपाई सोरेन
पार्टी : जेएमएम
विभाग : जल संसाधन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा

बन्ना गुप्ता
पार्टी : कांग्रेस
विभाग : स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले

दीपक बिरुवा
पार्टी : जेएमएम
विभाग : एससी/एसटी एवं ओबीसी कल्याण, परिवहन

इरफान अंसारी
पार्टी : कांग्रेस
विभाग : ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज

बेबी देवी
पार्टी : जेएमएम
विभाग : महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा

रामेश्वर उरांव
पार्टी : कांग्रेस
विभाग : वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य कर, संसदीय कार्य

6-4-1 फॉर्मूला फिट, चंपाई नंबर दो

कौशल/रवि। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को दिन में सदन में बहुमत साबित करके अपराह्न चार बजे उन्होंने कैबिनेट का विस्तार भी कर लिया है. देर शाम सभी मंत्रियों के विभागों का बंटवारा भी कर दिया. इससे पहले राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में सभी मंत्रियों को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. नई कैबिनेट की खास बात यह है कि पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को नंबर दो पर रखा गया है. कैबिनेट में झामुमो से सात मंत्री हैं, तो कांग्रेस से चार और राजद से एक मंत्री. कांग्रेस से डॉ. इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह नए चेहरे हैं, जबकि झामुमो से बैद्यनाथ राम को नए चेहरे के तौर पर रखा गया है. हालांकि, वे पूर्व में भी मंत्री रह चुके हैं. सोमवार को राजभवन में आयोजित समारोह में मंत्रियों, विभागीय सचिवों और गणमान्य लोगों की मौजूदगी में सभी 11 मंत्रियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. सबसे पहले झामुमो के चंपाई सोरेन को शपथ के लिए बुलाया गया और इसके बाद एक-एक कर अन्य मंत्रियों को शपथ दिलाई गई. इस प्रकार कैबिनेट में चंपाई नंबर दो की हैसियत से शामिल हुए हैं. इस बीच, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ के बाद शाम को कैबिनेट की बैठक की. इसके बाद सभी मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया.

- 11 मंत्रियों को राज्यपाल ने पद और गोपनीयता की दिलाई शपथ
- कांग्रेस से इरफान, दीपिका और झामुमो से बैद्यनाथ राम नए चेहरे
- बादल और बसंत सोरेन ड्राप, छह मंत्रियों ने तीसरी बार ली शपथ

बता दें कि पूरे 14 साल बाद झारखंड सरकार में फुल कोटा यानी 12 वें मंत्री का पद भी भरा गया है. अब से पहले भी 12 वें मंत्री का पद रिक्त रहा है. 2009 में जब राज्य में अर्जुन मुंडा की सरकार बनी थी, उस समय भी 12 वां मंत्री पद रिक्त था. इसके बाद जब 26 महीने के लिए अर्जुन मुंडा सरकार को बेदखल करके 2013 में हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने, तब भी 12वें मंत्री का पद रिक्त रहा. - शेष पेज 07 पर

ईडी ने हेमंत की बेल को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

रांची/दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से मिली बेल के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. ईडी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में झारखंड हाईकोर्ट 28 जून के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें न हेमंत सोरेन को कुछ शर्तों के साथ जमानत की सुविधा प्रदान की गई है. हालांकि फ़िलहाल ईडी की याचिका सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए अभी सूचीबद्ध नहीं हुई है.

मंत्रियों का बंटा विभाग, हफीजुल का बढ़ा कद

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने मंत्रियों के विभाग का बंटवारा कर दिया है. इस बंटवारे में मंत्री हफीजुल हसन का कद बढ़ा है. इन्हें चार-चार विभाग का दायित्व दिया गया है. वहीं स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को स्वास्थ्य के अतिरिक्त खाद्य आपूर्ति का भी जिम्मा दिया गया है. आलमगीर आलम के सारे विभाग डॉ. इरफान अंसारी को दे दिए गए है. इरफान को ग्रामीण, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज का जिम्मा दिया गया है. वहीं दीपिका सिंह पांडेय को बादल पत्रलेख के विभाग कृषि के अतिरिक्त आपदा प्रबंधन विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गयी है.

बनेगा विस्थापन आयोग : सीएम

विशेष संवाददाता । रांची

मंत्रियों के शपथ ग्रहण और मंत्रियों का विभाग बंटवारे के बाद प्रोजेक्ट भवन सचिवालय में सीएम हेमंत सोरेन मीडिया से रूबरू हुए. उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने जो जिम्मेवारी दी है, उसे निभाने का काम फिर से शुरू करना है. समय कम है और काम बहुत. मंत्रिमंडल का गठन कर लिया गया है. हमने मंत्रिमंडल की बैठक की. अब अपने काम में जुटेंगे. आज का दिन मील का पत्थर साबित हो. हमारे राज्य में मानिंग गतिविधियां चलती हैं. मगर इससे प्रभावित होने वाले के लिए कोई स्पष्ट नीति सरकार के पास नहीं थी. जो विस्थापित हुए या होने वाले हैं, उनके लिए जल्द विस्थापन आयोग बनेगा. इस पर कैबिनेट में निर्णय लिया. इसका जल्द एक मसौदा तैयार करेंगे. सभी विस्थापितों का सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण भी करेंगे. एक डाटा बेस तैयार किया जाएगा, जिससे सभी माइनिंग क्षेत्रों में उतार-चढ़ाव को समझ सकें. एक दस्तावेज तैयार होगा. इस राज्य में माइनिंग गतिविधियों और प्रभाव, क्या खोते हैं या पाते हैं, क्या मिला, क्या नहीं मिले. इसको लेकर बहुत जल्द मसौदा तैयार करेंगे. विस्थापन के कारण कैसे हमारे ग्रामीण भाइयों को खेत-खलिहान, घर-बार छोड़ना पड़ता है, इसको लेकर बहुत जल्द सरकार एक नीति बनाएगी. उस नीति के साथ हम प्रभावितों के लिए काम करेंगे. जो बातें कही जा रही हैं उसे जमीन पर उतारा जाएगा. यह पहले हो जाना चाहिए था मगर आज मैंने यह निर्णय लिया है. जितना जल्दी हो सके इस पर काम शुरू होगा.

- कैबिनेट की बैठक में हुआ निर्णय, विस्थापितों का आर्थिक एवं समाजिक सर्वे
- मंत्रियों को सीएम की दो टूक सभी योजनाओं को समीक्षा कर उसके जड़ तक जाएं
- सहायक पुलिस कर्मी के प्रति सरकार संवेदनशील, धरना-प्रदर्शन छोड़ बातचीत करें

सोरेन ने सहायक पुलिस कर्मियों के सवाल पर कहा कि हम तो यही संदेश कहना चाहेंगे, धरना प्रदर्शन छोड़ें, सरकार बात करने और समस्याओं के समाधान को तैयार है. यह तभी होगा जब बात होगी. यह सरकार संवेदनशील है. इसके आंख-कान और नाक खुली है, जो सुनती भी है और समझती भी है. मंगलवार को हमारे मंत्री पदभार ग्रहण करेंगे. सरकार ने साढ़े चार साल में जितने भी कार्य किए हैं, निर्णय लिए हैं, उन सभी की समीक्षा होगी. नयी नीति बनाने और आगे बढ़ने से पहले आप वर्तमान स्थिति का आकलन बेहतर तरीके से करें और मजबूती से उसे धरातल पर उतारें. कई शिकायतें आती हैं.

हेमंत सरकार ने विधानसभा में जीता विश्वास मत, विपक्ष को दिखाया आईना - पेज 07 पर

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,400
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

शंकराचार्य ने राहुल के बयान का किया समर्थन

नयी दिल्ली। ज्योतिर्मठ के 46वें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'हिंदुत्व वाले बयान' का समर्थन किया है. शंकराचर्य ने कहा, हमने राहुल का भाषण ध्यान से सुना है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू धर्म हिंसा को खारिज करता है. राहुल गांधी का बयान पूरी तरह सही है.

कठुआ के पहाड़ी इलाके में सैन्य वाहन पर फिर आतंकी हमला

4 जवान शहीद, 6 घायल, मुठभेड़ जारी

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एक बार फिर आतंकी हमला हुआ है. सोमवार को घात लगाए आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर ग्रेनेड से हमला कर दिया, जिसमें चा जवान शहीद हो गए और छह जवान घायल हुए हैं. भारतीय सेना की आतंकियों के साथ मुठभेड़ अभी भी जारी है. इसके साथ ही सेना ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया हुआ है.

जानकारी देते हुए एक रक्षा अधिकारी ने कहा, कठुआ के माचेडी इलाके में हुए आतंकी हमले में भारतीय सेना के चार जवान शहीद हो गए हैं, जबकि छह जवान घायल हुए हैं. जवानों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है. सेना के मुताबिक कठुआ के कंडी क्षेत्र लोहाई मल्हार में जैंडा नाला के पास आतंकियों ने सैन्य वाहन को निशाना बनाया. सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबलों की अन्य टीमें भी मुठभेड़ स्थल पर पहुंचीं. इलाके की घेराबंदी कर ली गई है. आसपास के संपर्क मार्गों को भी अलर्ट कर दिया गया है. जम्मू-कश्मीर का यह इलाका भारतीय सेना की 9वीं कोर के अंतर्गत आता है. आतंकियों की गोलीबारी के बाद हमारे जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की. रविवार को भी कुलगाम में सुरक्षाबलों ने छह आतंकियों को ढेर कर दिया था. कुलगाम में दो अलग-अलग चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के ये सफलता मिली थी.

पेपर लीक तो हुआ है, पता करें कितने 'मुन्ना भाई' थे

नीट मामले पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी अगली सुनवाई 11 को

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 को रद्द करने की अर्जी पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए सख्त रूप अपनाया है और सरकार से यह पता करने को कहा है कि पेपर लीक से कितनों को फायदा हुआ है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले में दायर कुल 38 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि पेपर तो लीक हुए हैं, हम इससे इनकार नहीं कर सकते. सीजेआई चंद्रचूड़ ने सख्त रुख अपनाया और कहा, पेपर लीक पर विवाद नहीं किया जा सकता. हम इसके परिणामों पर भी विचार कर रहे हैं. हम एक आदर्श दुनिया में नहीं रहते हैं, लेकिन दोबारा परीक्षा पर निर्णय लेने से पहले हमें हर पहलू पर गौर करना होगा क्योंकि हम जानते हैं कि हम 23 लाख छात्रों के भविष्य की बात कर रहे हैं.

कल शाम तक दें हलफनामा : सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार को करेगा. कोर्ट ने बुधवार की शाम 5 बजे तक एनटीए, केंद्र सरकार और सीबीआई को हलफनामा पेश करने को कहा है. कोर्ट ने एनटीए से उन उम्मीदवारों की पहचान करने को कहा है, जिन्हें नीट-यूजी पेपर लीक से फायदा हुआ है. कोर्ट ने एनटीए से उन केंद्रों/शहरों की पहचान करने को भी कहा है, जहां पेपर लीक हुआ है. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पूछा कि गलत कृत्य करनेवाले कितने छात्रों के परिणाम रोके गए हैं. कोर्ट ने कहा कि हम ऐसे लाभार्थियों का भौगोलिक विवरण जानना चाहते हैं.

सीजेआई ने पूछे सवाल

- मान लें कि सरकार परीक्षा रद्द नहीं करेगी, लेकिन पेपर लीक करनेवालों की पहचान के लिए क्या करेगी?
- हमारी साइबर फोरेंसिक टीम के पास किस तरह की टेक्नोलॉजी है. क्या हम सभी संदिग्धों का एक डेटा तैयार नहीं कर सकते?
- इस परीक्षा में जो हुआ, वह आगे नहीं हो, क्या हम इसके लिए कदम नहीं उठा सकते?
- केंद्र और एनटीए ने गलत काम करनेवालों की पहचान करने के लिए अब तक क्या- क्या कदम उठाए हैं?

तो हमें परीक्षा रद्द करनी ही होगी

सीजेआई ने कहा कि अगर परीक्षा की पवित्रता खत्म हो जाती है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा. यदि दागी और बेदाग को अलग करना संभव नहीं है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना ही होगा. अगर पेपर लीक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हुआ है, तो यह जंगल में आग की तरह फैल सकता है और बड़े पैमाने पर लीक हुआ हो सकता है. हम पूरी प्रक्रिया जानना चाहते हैं. मामले में दर्ज एफआईआर की प्रकृति और पेपर लीक कैसे फैला, इसकी भी जानकारी चाहते हैं. कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि जिस किसी ने भी परीक्षा के नियमों का उल्लंघन किया है, उसे वहां रहने का अधिकार नहीं है. हम जानना चाहते हैं कि सरकार ने इस बावत क्या कदम उठाए हैं.

एनटीए और सरकार मान चुके हैं पेपर लीक

कोर्ट की सबूत वाली बात पर वकील ने कहा कि एक तरफ एनटीए कह रहा है कि छोटी गड़बड़ी हुई, लेकिन दूसरी तरफ अलग-अलग राज्यों में केस दर्ज होने के बाद जांच सीबीआई को सौंप दी गई. इस पर कोर्ट ने पूछा कि यानी एनटीए मान चुकी है कि पेपर लीक हुआ? सॉलीसीटर जनरल ने कहा, सिर्फ एक जगह पर ऐसा मामला सामने आया है. इस दलील के बाद सरकार ने पहली बार कोर्ट में माना पेपर लीक हुआ है. वहीं, छात्रों के वकील ने कहा कि ऐसे तथ्य सामने आ चुके हैं, जहां पर यह साफ हुआ है कि पेपर व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैनल पर लीक हुआ. हमारे पास इसके सबूत हैं.

परीक्षा रद्द करने के पक्षकार बोले

जिन छात्रों ने पेपर रद्द करने की मांग की है, उनके वकील ने कहा कि 5 मई को परीक्षा हुई थी और 14 जून को रिजल्ट आने वाला था लेकिन यह 4 जून को ही आ गया. परीक्षा से एक दिन पहले एक टेलीग्राम चैनल पर जानकारी आ गई की कल होने वाले नीट का परीक्षा पेपर यहां मौजूद है और साथ ही आंसर शीट भी मौजूद थी. एनटीए ने भी माना है कि कुछ छात्रों को गलत पेपर मिल गए थे. ऐसे कई मामले सामने आए जहां पर यह कहा गया कि नीट का पेपर लीक हुआ. पटना में केस भी दर्ज है. इस पर कोर्ट ने पूछा ऐसे कितने छात्र थे, जिनको ग्रेस मार्क्स मिले थे. वकील ने जवाब दिया एक भी नहीं. बताया कि इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ, जब दो-तीन छात्रों से ज्यादा किसी को पूरे नंबर मिले हों. यह पहला मौका है जब 67 बच्चों ने 720 में से 720 नंबर हासिल किए. कोर्ट ने कहा नहीं 2 सेंटर के 1563 बच्चे ऐसे थे, जिनको ग्रेस मार्क्स दिए गए जिसमें से 6 बच्चों के 720 में से 720 नंबर आए थे.

अच्छी खबर एक इंजेक्शन से से मिल जाएगा 100% सफल इलाज

एचआईवी नहीं रही लाइलाज बीमारी, मिल गई दवा

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

अब एड्स लाइलाज बीमारी नहीं रहेगा. जी हां एचआईवी का इलाज मिल गया है. एक ऐसे इंजेक्शन की खोज हुई है, जिसे साल में दो बार लगवाने से ही इस जानलेवा बीमारी से 100% सेफ्टी हो सकती है.

ऐसा एक स्टडी में दावा किया गया है, जो दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में हुई है. इस इंजेक्शन का नाम लेनकापाविर है. जिसका बड़े लेवल पर ट्रायल करे के बाद पता चला कि ये इंजेक्शन लड़कियों को एचआईवी से पूरी तरह सुरक्षा देती है. मेडिकल सेक्टर के लिए यह बड़ी खोज है और जल्द ही बाकी दुनिया को इसका लाभ मिलेगा.

एचआईवी इंजेक्शन का हो चुका ट्रायल

इस ट्रायल में जानने की कोशिश की गई कि लेनकापाविर इंजेक्शन 6-6 महीने पर लगवाने से एचआईवी इंफेक्शन से बाकी दवाइयों की तुलना में बेहतर सुरक्षा मिलती है. लेनकापाविर और दो अन्य दवाइयों का ट्रायल युगांडा में तीन और दक्षिण अफ्रीका में 25 जगहों पर 5 हजार लोगों पर किया गया है. क्लीनिकल ट्रायल करने वाले साउथ अफ्रीका के साइंटिस्ट लिंडा गेल बेकर ने इसकी जानकारी दी.

एचआईवी वाला इंजेक्शन कितना असरदार

लेनकापाविर (लेन एलए) एचआईवी कैप्सिड में जाकर इस वायरस से बचाता है. कैप्सिड एक प्रोटीन शेल होता है जो एचआईवी की आनुवंशिक सामग्री और प्रतिकृति के लिए जरूरी एंजाइमों की रक्षा करने का काम करता है. इसे हर छह महीने पर स्किन पर लगाया जाता है. बता दें कि पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में लड़कियों और महिलाओं में एचआईवी का इंफेक्शन सबसे ज्यादा है. इस इंजेक्शन के ट्रायल में पता चला कि इसे लगवाने वाली 2,134 महिलाओं को एचआईवी का संक्रमण नहीं हुआ, जिससे पता चलता है कि लेनकापाविर इंजेक्शन 100 परसेंट असरदार है.

दुनिया में एचआईवी के कितने मरीज

पिछले साल ग्लोबल लेवल पर 13 लाख नए एचआईवी संक्रमित मिले थे, जो 2010 में आए 20 लाख मामलों से काफी कम हैं. एचआईवी की जांच, कंडोम, यौन संक्रमणों के लिए जांच और इलाज के साथ बच्चे पैदा करने योग्य महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक दवाओं के साथ ही प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस- पीईपीवी देनी चाहिए, लेकिन इन उपायों के बावजूद हम उस स्टेज पर नहीं पहुंचे हैं, जहां नए इंफेक्शन को रोक पाएं. वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इस इंजेक्शन से मुश्किलें काफी कम हो सकती हैं.

चार जुलाई की रात शिवराज सिंह चौहान मिले थे सुदेश महतो से

भाजपा-आजसू में सब कितना ठीक!

- भाजपा नेताओं को नागवार गुजरा है 20-25 मिनट इंतजार करना
- भाजपा ने मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया पर नहीं शेयर की

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में एनडीए विपक्ष में है. इसमें भाजपा और आजसू दो प्रमुख घटक दल हैं. तीन-चार माह बाद विधानसभा चुनाव होने हैं. पांच दिन पहले कुछ ऐसा हुआ है, जो सार्वजनिक नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक गलियारे में इसकी चर्चा है. वो घटना और उसके बाद के हालात दोनों दलों के रिश्ते के बीच सबकुछ ठीक-ठाक ना होने की चुगली कर रहा है. गलती किसकी है, यह तो दोनों दलों के नेता ही जानेंगे, समझेंगे, लेकिन अगर बात आगे बढ़ी, तो दूरियां और बढ़ने के संकेत साफ हैं.

जानकारी के मुताबिक चार जुलाई को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता शिवराज सिंह चौहन रांची में थे. वह केंद्र सरकार में कृषि मंत्री हैं और झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रभारी भी हैं. शिवराज सिंह चौहान का यह झारखंड में दूसरा दौरा था. आजसू प्रमुख सुदेश महतो से उनकी औपचारिक मुलाकात का वक्त चार जुलाई की रात 9.30 बजे तय हुआ था. शिवराज सिंह चौहान, झारखंड भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी तय समय से कुछ पहले ही सुदेश महतो के कांके रोड स्थित आवास पर पहुंच गए थे. लेकिन सुदेश महतो घर पर नहीं थे. दिन में वह सिल्ली चले गए थे. लौटने में लेट होने लगी. सुदेश महतो रात के करीब 9.50 बजे के बाद, यानी तय समय से 20-25 मिनट बाद आवास पर पहुंचे.

सूत्रों के मुताबिक भाजपा के राष्ट्रीय नेता शिवराज सिंह चौहान का 20-25 मिनट इंतजार करना, भाजपा नेताओं को ठीक नहीं लगा है. इंतजार के वक्त वो असहज होते रहें. ऊपर-ऊपर से यही लगा कि कोई बात नहीं, सब ठीक है. लेकिन कुछ ऐसा हुआ है कि मामला चर्चा का विषय बन गया है. भाजपा के किसी भी नेता ने इस मुलाकात के बारे में अपनी सोशल मीडिया एकाउंट से सार्वजनिक नहीं किया. ना ही झारखंड भाजपा ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर किया. हां, सुदेश महतो के ट्विट को बाबूलाल मरांडी ने जरूर रीट्विट किया है. इससे यह माना जा रहा है कि भाजपा नेताओं को इंतजार करना नागवार गुजरा है.

फ्लोर टेस्ट व शपथ ग्रहण में दिखा जोश

राजभवन में शपथ ग्रहण के दौरान सीएम हेमंत सोरेन व चंपाई सोरेन.

ऑल इज वेल : विधानसभा जाने से पूर्व खुश दिखे चंपाई सोरेन.

दीपिका पांडेय सिंह ने दिखाया विक्ट्री का साइन.

कल्पना पहली बार पहुंचीं सदन, बड़ों के छुए पांव

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन बतौर विधायक के रूप में पहली बार सदन पहुंची और सदन की कार्यवाही में हिस्सा लिया. उन्होंने सबसे पहले सदन में अपने पार्टी के सीनियर विधायक (अभी निष्कासित) लोबिन हेंब्रम, कांग्रेस के सिनियर विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, सविता महतो और पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को झुककर उनके चरण स्पर्श किया और आशीर्वाद लिया.

साढ़े चार साल कठिन परिस्थितियों से गुजरी हमारी सरकार : चंपाई सोरेन

सत्ता और विपक्ष ने लगाए एक-दूसरे पर आरोप

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार के विश्वास मत के दौरान सत्ता एवं विपक्ष ने एक दूसरे पर जमकर निशाना साधा. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने विश्वास मत के पक्ष में बोलते हुए कहा कि राज्य बनने के बाद यहां बैठे सभी राजनीतिक दलों ने सरकार चलाया, नेतृत्व किया. इसके बाद भी राज्य की क्या दशा और दिशा है, किसी से छिपी नहीं है. 2019 में हमारे गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला और हेमंत बाबू के नेतृत्व में सरकार बनी. मगर सरकार बनते ही संकट और कठिन परिस्थितियां उत्पन्न होते रहीं. सरकार बनते ही कोरोना आ गया. कोरोना के बाद काम शुरू हुआ तो सरकार को किसी न किसी कारण अस्थिर करने का प्रयास किया जाता रहा. इस बीच मुझे भी पांच महीने नेतृत्व करने का मौका मिला. मगर तीन महीने चुनाव में ही गुजर गया. एक बार फिर से हेमंत बाबू के नेतृत्व में सरकार बनी है. इसलिए कम समय में काफी कुछ करना है. जो राज्य की दशा एवं दिशा तय करेगी.

पहले मोदी जी से 2014 में किए गए वादों के बारे में पूछे भाजपा : उमाशंकर अकेला : विश्वास मत के पक्ष में बोलते हुए कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला ने अपने अंदाज भाजपा को जमकर लताड़ा. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पर ऊंगली उठाने के पहले भाजपा के लोग 2014 में नरेंद्र मोदी के द्वारा किए गए वादों के बारे में पूछें. कहा गया प्रतिवर्ष 5 करोड़ नौकरी. कहां गया हर खाते में 15 लाख रुपये. मणिपुर क्यों नहीं गए. किसानों को एमएसपी क्यों नहीं दिया. राज्य बनने के बाद सबसे अधिक समय तक भाजपा यहां सत्ता में रही. इसलिए इस राज्य के विकास नहीं होने की जिम्मेवारी भी इनकी ही बनती है. इनलोगों ने राज्य को बर्बाद कर दिया. राज्य गठन के बाद सबसे अधिक आदिवासी सीएम भाजपा के रहे. इसके बाद भी आदिवासियों की स्थिति सुधरी क्यों नहीं. हमारी सरकार ने 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने और सरना धर्म कोड प्रस्ताव पास करके राजभवन भेजा. मगर इनके राज्यपाल ने इसे वापस कर दिया.

फ्लोर टेस्ट में जीत के बाद सीएम ने लिखा संदेश

विधानसभा में फ्लोर टेस्ट से पूर्व संबोधित करते सीएम हेमंत सोरेन.

वे भूल जाते हैं कि हम झारखंडी हैं...

रांची। सीएम हेमंत सोरेन बहुमत साबित करने और मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद लगातार दो ट्वीट किए. दोनों ट्वीट के जरिये उन्होंने भाजपा पर तंज कसा है. भाजपा को लगता है कि वे एजेंसियों का दुरुपयोग कर, अपने धन बल व शातिराना चालों से जनता को जनमत को अन्य राज्यों की तरह ख़रीद लेंगे-लूट लेंगे - पर वे भूल जाते हैं कि हम झारखंडी हैं - हमने कभी अंग्रेजों के समक्ष घुटने नहीं टेके तो ये आज के अंग्रेज तानाशाह के सामने हम कभी नहीं झुकेंगे. ना झारखंड झुका है, ना झारखंडी झुकेगा. सीएम ने दूसरे ट्वीट में लिखा है कि मुझे विधानसभा से दूर रखने के लिए भाजपा ने हर षड्यंत्र रचा.

सीएम ने ये भी लिखा : अन्याय के विरुद्ध खड़े रहेंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे, भय और दमन से नहीं डरेंगे, न्याय और समानता के लिए लड़ेंगे.

अब सदन की नहीं जनता का विश्वास लेने की जरूरत है

विश्वास मत के विरोध में बोलते हुए आजसू पार्टी विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहा कि आखिरकार सरकार को विश्वास मत लेने की जरूरत ही क्यों पड़ी. विपक्ष ने कोई मांग नहीं की. हमे लगता है कि चंपाई सोरेन को लेकर अविश्वास है. अब इस सदन का विश्वास लेने का समय गुजर गया है. सरकार को अब जनता का विश्वास लेने का समय आ गया है. उन्होंने कहा कि पांच महीने के कार्यकाल में चंपाई दा ने बहुत अच्छा काम किया. लगा कि झारखंड और झारखंडियों की सरकार है. इनसे मिलना आसान था. यह सरकार साढ़े साल में 50 हजार भी नौकरी नहीं दे पायी. यहां तक की निजी क्षेत्र में नौकरियां क्रियेट नहीं कर सकी. झारखंड में अब भी बुनियादी सवाल जस के तस हैं.

भाजपा को भ्रष्टाचार पर बोलने का हक ही नहीं : प्रदीप यादव

कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव ने विश्वासमत पर बोलते हुए कहा कि भाजपा के हाथ खून से रंगे हुए हैं. भाजपा के लोगों को भ्रष्टाचार पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है. उन्होंने दो किताबें लहरायी. पूर्व मुख्यमंत्री विधायक सरयू राय द्वारा लिखित किताब और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लिखित किताब को दिखाते हुए कहा कि सरयू राय ने मंत्रीमंडल में रहते हुए भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार पर लिखा है. बाबूलाल मरांडी ने भी भ्रष्टाचार पर किताब प्रकाशित कर भाजपा सरकार से जवाब मांगा था. इसलिए भाजपा के नेताओं को भ्रष्टाचार पर बोलने का कोई अधिकार ही नहीं है. ये लोग क्या बोलेंगे. इनके हाथ खून से रंगे हुए हैं. अब भाजपा की नहीं चलेगी. अब ये लोग खुलकर जयश्री राम भी नहीं बोल रहे हैं.

'ईडी और सीबीआई के गलत इस्तेमाल से हेमंत को जाना पड़ा'

माले विधायक विनोद सिंह ने विश्वास मत के पक्ष में बोलते हुए कहा कि आज फिर से हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने हैं. इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं. हाईकोर्ट के ऑर्डर को गंभीरता से पढ़ेंगे तो पता चलेगा कि ईडी और सीबीआई जैसे जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल के कारण हेमंत सोरेन को जेल में रहना पड़ा. अगर सही इस्तेमाल होता तो आज होटवार जेल भाजपा नेताओं से भरा होता. उन्होंने कहा कि अब समय काफी कम बचा है सरकार के पास. कम समय में सरकार को बहुत काम करने होंगे. अबुआ आवास योजना की त्रुटियों को दूर करना होगा. इस सरकार ने कई नयी योजनाएं लायी और शुरू की. इसका सही लाभ जनता तक पहुंचे, इसके लिए काम करना होगा.

बसंत को ड्रॉप कर हेमंत ने एक तीर से साधे कई निशाने

कौशल आनंद। रांची

अपने छोटे भाई बंसत सोरेन को ड्राप करके हेमंत सोरेन ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं. चंपाई सोरेन से सत्ता हस्तांतरण के बाद भाजपा लगातार सोरेन परिवार पर हमलावार थे. भाजपा परिवारवाद का आरोप लगा रहे थे. इसका जवाब देने के लिए हेमंत ने 12 वां मंत्री भरने के बाद अपने भाई को इससे दूर रखा. इसलिए हेमंत ने इस आरोप का करारा जवाब अपने भाई को ड्रॉप करके दे दिया है. अब साढ़े चार साल तक सरकार में दलित कोटा का कोई मंत्री नहीं था. इसलिए हेमंत ने न केवल साढ़ चार साल से रिक्त पड़े 12 वें मंत्री को अपने खाते में कांग्रेस से लेने में न केवल सफल रहे बल्कि अपने पार्टी के दलित विधायक बैद्यनाथ राम को मंत्री बनाकर भाजपा द्वारा हर मौके पर लगाए जा रहे दलित विरोधी आरोप का भी जवाब दे दिया.

कोल्हान को फिर बैलेंस करने का प्रयास

राज्य में हेमंत सरकार बनने के बाद से ही कोल्हान से दो मंत्री हमेशा सरकार में रहे. जब इसके पहले हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री थे तो कोल्हान से चंपाई सोरेन और जोबा मांझी मंत्री रहे. जब चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री बने तब भी कोल्हान से दीपक बिरूआ को मंत्री बनाकर इसे बैलेंस रखा गया. अभी जब फिर से हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने तो कोल्हान के दो कोटे को बरकरार रखा. न केवल दीपक बिरूआ को कंटीन्यू किया बल्कि पार्टी के दिग्गज और सिनियर लीडर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को फिर से मंत्रीमंडल में जगह दी. यानि कि कोल्हान से कोई छेड़छाड़ हेमंत सोरेन ने नहीं की. इसके अलावे स्व. जगनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी और स्व. हाजी हुसैन अंसारी के पुत्र हफीजुल हसन को पुनः मंत्री बनाकर अपने स्वर्व दो पूर्व वरिष्ठ नेता परिवार को भी खुश करने और बैलेंस करने का प्रयास किया. पार्टी और पलामू एक मात्र अगडी जाति के विधायक पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर को पुनः मंत्री बनाकर क्षेत्र और जातिगत समीकरण को भी साधा.

खास बातें

- मंत्रिमंडल विस्तार में दिखे हैं कई राजनीतिक मायने
- कांग्रेस ने भी बादल को बदल कर मंत्रियों को दिया संकेत

कांग्रेस ने अपने मंत्रियों को दिया कड़ा संदेश

आलमगीर आलम के जेल जाने के बाद मुस्लिम कोटा से डॉ इरफान अंसारी का मंत्री बनना पहले से ही तय हो चुका था. मगर कांग्रेस ने बादल पत्रलेख का पत्ता साफ करके अपने कोटे के मंत्रियों को साफ कड़ा संदेश दे दिया है कि पहले संगठन है तब कोई सांसद, विधायक और मंत्री हैं. बादल पत्रलेख का लोकसभा चुनाव में भूमिका और परफोर्मेंस बहुत खराब रहा. निगेटिव रिपोर्ट आलाकमान के पास गयी. अंततः नेतृत्व ने बादल को बदलकर लोकसभा चुनाव में टिकट देकर फिर वापस लेने से नाराज चल रहीं दीपिका सिंह पांडेय को मंत्री बनाकर डैमेज कंट्रोल करने का प्रयास किया. दीपिका को जगह मिलने से कांग्रेस ने महिला कार्ड भी खेला है. वर्तमान में कांग्रेस में चार महिला विधायक हैं.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नवगठित हेमंत सरकार पर साधा निशाना

झूठ व भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़ी है हेमंत सरकार: बाबूलाल

- सबक सिखाने के लिए सही समय का इंतजार कर रही जनता
- - विधि व्यवस्था ध्वस्त, अपराधी बेखौफ, हताश हो चुके हैं युवा

प्रमुख संवाददाता। रांची

पत्रकारों से बात करते बाबूलाल मरांडी.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को फिर एकबार नवगठित हेमंत सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि यह सरकार अपने पहले दिन से झूठ और भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़ी है, केवल पैसे और परिवार के लिए बनी है. इस सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों से राज्य को केवल लूटा है. खान, खनिज, पत्थर, बालू, जमीन, गरीबों के अनाज और युवाओं की नौकरियों को लूटा गया है. मरांडी ने कहा कि आदिवासी, दलित, पिछड़ा, महिला युवा सभी वर्गों में निराशा है. विधि व्यवस्था ध्वस्त है. राजधानी में भीड़भाड़ के बीच हत्या हो जा रही है. अपराधी बेखौफ हैं. महिलाएं, बहन, बेटियां सुरक्षित हैं. सामूहिक बलात्कार की घटाएं आम हो गई हैं. हेमंत सरकार ने अपने पहले बजट सत्र में लाखों युवाओं को नौकरी देने, नहीं तो बेरोजगारी भत्ता देने की बात सदन पटल पर कही थी. लेकिन, आज युवा हताश और निराश हैं.

जेपीएससी, जेएसएससी की परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ीं

मरांडी ने कहा कि जेपीएससी, जेएसएससी की परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई. ब्लैक लिस्टेड एजेंसी के माध्यम से परीक्षाओं का संचालन करा कर राज्य सरकार ने नौकरियों को लाखों लाख में बेचवा दिया. आज युवा अभ्यर्थी धरने पर बैठने को मजबूर हैं. उनके पास भ्रष्टाचार के स्पष्ट प्रमाण हैं. यह सरकार नियम-कानून से नहीं, बल्कि मनमाने ढंग से चल रही है. इस सरकार ने पारा शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, निविदा कर्मियों, सहायक पुलिस कर्मियों को नियमित करने का आश्वासन देकर समर्थन प्राप्त किया था, लेकिन ये सब आज झूठा साबित हुआ.

पिछले चार वर्षों से वृद्धों को भी पेंशन नहीं दे रही सरकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज सर्वजन पेंशन की बात करने वाली सरकार पिछले चार वर्षों से वृद्धों को भी पेंशन नहीं दे रही है. ग्रीन कार्ड पर अनाज देने के नाम पर एक दो-महीने नाटक किया गया. सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार द्वारा गरीबों के लिए भेजे जा रहे अनाज भी बिचौलिए और दलाल लूट ले रहे हैं. जनता इस सरकार से ऊब चुकी है और इसे सबक सिखाने के लिए सही समय का इंतजार कर रही है.

कोर्ट की खबरें

प्रोफेशनल लोगों की नियुक्ति क्यों नहीं?

रांची। राजेश कुमार सिंह के द्वारा विद्युत विभाग में इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत उच्च पदों पर नियुक्ति के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. अदालत ने बिजली बोर्ड और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर मौखिक रूप से पूछा कि विज्ञापन जारी कर कुशल लोगों की नियुक्ति क्यों नहीं की जा रही? आईएएस अधिकारियों व अन्य अफसरों को पदभार देकर क्यों काम चलाया जा रहा है? अदालत अब इस मामले में 24 जुलाई को सुनवाई करेगा.

आलमगीर ने कोर्ट से याचिका वापस ली

रांची। पूर्व मंत्री और कांग्रेस के विधायक आलमगीर आलम हेमंत सोरेन के फ्लोर टेस्ट में शामिल नहीं हो पाये. उन्होंने विधानसभा के विशेष सत्र में शामिल होने की मांग वाली याचिका सोमवार को वापस ले ली. सोमवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में हुई आंशिक सुनवाई के बाद उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली. बता दें कि टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने आलमगीर आलम को 15 मई को गिरफ्तार किया था.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 09 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 91 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हजारीबाग में धड़ल्ले से चल रहा कोयले का अवैध कारोबार, बड़कागांव इलाके में हर दिन 40-50 ट्रैक्टर कोयले का अवैध खनन

अवैध कोयला कारोबार से प्रतिदिन 16 लाख रुपये कमा रहे जिम्मेदार

संवाददाता। हजारीबाग/रांची

जिले में कोयले का अवैध कारोबार रुक-रुक कर जारी है. बड़कागांव, चरही और विष्णुगढ से एक-दो दिन रुक-रुक कर 20 ट्रक कोयला निकाला जाता है. सूत्र बताते हैं कि इसके एवज में जिम्मदारों को प्रति ट्रक 80 हजार रुपये दिये जाते हैं. इस तरह से हर दिन 16 लाख रुपये की वसूली होती है. वहीं महीने के करीब 20 दिन अवैध कोयला लदा ट्रक हजारीबाग से बनारस की मंडी जाता है. ऐसे में एक महीने में करीब 3.50 करोड़ रुपये की वसूली होती है.

- अवैध कोयला खनन से एक महीने में 3.50 करोड़ की वसूली
- महीने में 20 दिन बनारस की मंडी भेजा जाता है अवैध कोयला

कोयले के अवैध कारोबार में पूरी व्यवस्था मैनेज, पर्दे के पीछ से बड़े खिलाड़ी कर रहे खेल

सूत्रों की मानें तो अवैध कारोबारी पूरी व्यवस्था को मैनेज कर कोयले का कारोबार कर रहे हैं. इस बात की भी चर्चा है कि पर्दे के पीछे से बड़े खिलाड़ी खेल रहे हैं. इसमें सच्चाई भी नजर आ रही है. क्योंकि, कोयले का अवैध कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है, पर इसको रोकने वाले मौन हैं. सूत्रों ने यह भी बताया कि पूरी रात तय स्थान पर अवैध कोयले का भंडारण होता है. रात में ही ट्रकों से कोयले को बाहर भेजा जाता है. इतनी गतिविधि होने के बाद भी किसी का ध्यान नहीं जाना, कई गड़बड़ियों की ओर इशारा करता है.

गो तस्करी के तर्ज पर हो रही कोयले की तस्करी

कोयला तस्कर गो तस्करी के तर्ज पर कोयले की तस्करी कर रहे हैं. जिस तरह से गो तस्कर ट्रक का नंबर प्लेट को बदल देते हैं, उसी तरह से कोयला तस्करों द्वारा भी ट्रक का नंबर प्लेट बदल कर कोयले की तस्करी करने का मामले सामने आया है. विगत रविवार को हजारीबाग में अवैध कोयला लदे दो ट्रकों को पकड़ा गया था. इसमें एक ट्रक में जो नंबर प्लेट लगा हुआ था, उसी नंबर का दूसरा ट्रक टाटीझरिया में खड़ा था.

किसके संरक्षण में चल रहा कोयले का अवैध खनन

बड़कागांव, विष्णुगढ़, चरही और केरेडारी इलाके से कोयले का अवैध खनन जारी है. ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि किसके संरक्षण में कोयले का अवैध खनन किया जा रहा है. बड़कागांव इलाके में हर दिन 40-50 ट्रैक्टर कोयला अवैध खनन कर निकाले जा रहे हैं. इसके बाद इसे ट्रैक्टर में लोड कर बासाडीह स्थित कोयला डिपो में डंप किया जाता है. इसके अलावा चरही कोयला साइडिंग से भी कोयला लोड कर बासाडीह के डिपो में गिराया जाता है.

ब्रीफ खबरें

कुड़ू: कुएं से युवक का शव बरामद, सनसनी

कुड़ू/लोहरदगा। जिले के कुड़ू थाना क्षेत्र अंतर्गत सलगी पंचायत में एक कोचिंग सेंटर के पास स्थित कुएं से एक युवक का शव बरामद हुआ है. शव मिलने की खबर सुनकर घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गयी. लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी कुड़ू थाना को दी. पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, लोहरदगा भेज दिया. मृतक की पहचान चांपी पंचायत के चूंद गांव निवासी अरूण उरांव के रूप में की गयी है. परिजनों ने बताया कि अरूण रविवार को घर से रथ मेला जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन देर रात तक वह घर नहीं लौटा.

पलामू के राजद जिला अध्यक्ष निष्कासित

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव और प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव के निर्देशानुसार पलामू जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है. राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार की ओर से जारी और राजद के सोशल मीडिया के हैंडल 'एक्स' के द्वारा प्रसारित प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मोहन विश्वकर्मा को पार्टी विरोधी कार्य करने एवं पार्टी की गोपनीयता भंग कर पार्टी की छवि धूमिल करने के आरोप में पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है.

एक पीएलएफआई उग्रवादी गिरफ्तार

चक्रधरपुर। आनंदपुर थाना क्षेत्र के मुंडा टोला से रविवार देर शाम पुलिस ने पीएलएफआई उग्रवादी बाबू उर्फ रिंकू साहू को गिरफ्तार किया. उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. गिरफ्तार उग्रवादी के पास से एक कट्टा और एक मोबाइल बरामद किया गया है. एसडीपीओ जयदीप लकड़ा ने पबताया कि गुप्त सूचना मिली थी की पीएलएफआई उग्रवादी रिंकू साहू हथियार के साथ मुंडा टोला में घूम रहा है और बंदूक की नोंक पर ग्रामीणों को डरा-धमका रहा है. सूचना पर पुलिस टीम गठित कर छापेमारी अभियान चला कर रिंकू साहू को खदेड़ कर पकड़ लिया गया.

राज्य सरकार के एकमात्र मनोचिकित्सा संस्थान में निर्माण व मरम्मत कार्य पूरे होंगे

अपग्रेड होगा रिनपास, राज्य सरकार से मिले 36.95 करोड़

खास बातें

- उपलब्ध राशि से निर्माण व मरम्मत कार्य किया जाएगा
- रिनपास के निदेशक कार्य की गुणवत्ता पर रखेंगे नजर

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजधानी का रिनपास (रांची मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान) अपग्रेड होगा. राज्य सरकार ने रिनपास को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 36 करोड़ 95 लाख दो हजार रुपये की राशि उपलब्ध करा दी है. इस राशि से निर्माण व मरम्मत संबंधी कार्य इस्टीमेट तैयार कर पूरे किए जाएंगे. पूर्व से चल रहे निर्माण व मरम्मत कार्यों की समाप्ति के बाद ही नए काम शुरू किए जाएंगे.

स्वास्थ्य विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि निर्माण व मरम्मति संबंधी कार्यों के पूर्व एवं बाद का फोटो व वीडियो विभाग को अभिलेख के लिए उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य होगा. निर्माण व मरम्मति कार्य की गुणवत्ता रिनपास के निदेशक सुनिश्चित करेंगे. साथ ही साथ समय-समय पर विभाग को प्रगति प्रतिवेदन और स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग एवं महालेखाकार कार्यालय को उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध करायेंगे.

हर साल एक लाख से अधिक मरीजों का इलाज

रिनपास में हर साल एक लाख से अधिक मरीजों का इलाज होता है. इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलायड साइंस (रिनपास) राज्य सरकार का एकमात्र मनोचिकित्सा संस्थान है. राज्य सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग और भारत सरकार के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की मॉनिटरिंग में इसका संचालन होता है. सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर संस्थान की रिपोर्ट लेता है.

चार जगहों पर चल रहा सैटेलाइट क्लीनिक

रिनपास 15 साल पहले जोन्हा में केवल एक सैटेलाइट क्लीनिक चला रहा था. अगस्त 2003 से खूंटी, सरायकेला खरसावां और हजारीबाग में तीन और सैटेलाइट क्लीनिक खोले गये. संस्थान इन आउटरीच सामुदायिक केंद्रों में मनोचिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और छात्रों से बनी मेडिकल टीम भेजता है, जहां उन्हें एक महीने के लिए परामर्श और मुफ्त दवाइयां दी जाती हैं. हर पखवाड़े एक मनोचिकित्सक बिरसा सेंट्रल जेल, रांची और चेशायर होम, रांची में मानसिक बीमारी से पीड़ित कैदियों का इलाज करने जाता है. इसके अलावा दुमका, डाल्टनगंज, गुमला और जमशेदपुर में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कामकाज के लिए रिनपास का नोडल केंद्र भी है.

इन कामों पर रहेगा फोकस

- मानसिक रोगियों के लिए नैदानिक और चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान करना.
- मानसिक रोगियों को सामाजिक और व्यावसायिक पुनर्वास प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करना.
- मनोचिकित्सा, नैदानिक मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य और मनोचिकित्सा नर्सिंग के क्षेत्र में पेशेवर और अर्द्ध -पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करना.
- क्षेत्र में चिकित्सा और अर्धचिकित्सा कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान कर के सामुदायिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना.
- व्यवहार विज्ञान में अनुसंधान करना.

नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक मामला

एक बार फिर सीबीआई ने हजारीबाग में डाला डेरा

संवाददाता। हजारीबाग

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम एक बार फिर हजारीबाग पहुंची है. बताया जा रहा है कि विगत चार दिनों से सीबीआई के अफसर डेरा डाले हुए हैं. इसी कड़ी से रविवार को शहर के सभी होटल, बैंक्वेट हॉल और रिसॉर्ट्स के मालिकों को कई दस्तावेजों के साथ डीवीसी गेस्ट हाउस बुलाया गया. एक-एक कर हर एक होटल के विजिटर्ज बुक की बारिकी से जांच की गई है. विगत तीन मई से सात मई तक यहां ठहरे हर एक गेस्ट के बारे में जानकारी भी ली गई है. सीबीआई के अफसर यह जानने में लगे हैं कि इन पांच दिनों में कहां से और कौन लोग हजारीबाग आए थे.

सीबीआई की टीम ने हर एक होटल का बिल बुक भी चेक किया है. यह भी जानकारी ली गई हे कि गेस्ट ने चेकआउट करने के लिए भुगतान नकद किया या ऑनलाइन माध्यम से किया. इस पूरे मामले में संजीव मुखिया गैंग का नाम आने के बाद उसके गैंग के लोगों को ध्यान में रखकर भी होटलों के विजिटर्स बुक को खंगाला जा रहा है. गौरतलब है कि नीट (यूजी) परीक्षा पेपर लीक मामले में बीते दिनों भी सीबीआई की टीम पहुंची थी. तीन दिनों तक कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल में जांच कर कागजात खंगाले गये थे. इसके बाद स्कूल के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम और एक बड़े बैनर के कर्मचारी को गिरफ्तार कर अपने साथ लेकर चली गई थी.

सबूतों को इकट्ठा कर रही है सीबीआई : नीट (यूजी) पेपर लीक मामले की तह तक पहुंचने के लिए सीबीआई पिछले कई दिनों में सबूतों को इकट्ठा कर रही है. इस मामले के तार बिहार से लेकर, गुजरात, महाराष्ट्र और झारखंड तक फैले हुए हैं. इनके केंद्र में बिहार मॉड्यूल है. पटना, हजारीबाग, गोधरा और लातूर के सेंटर जांच के दायरे में हैं. हजारीबाग के ओएसिस स्कूल को पेपर लीक का एपिसेंटर माना जा रहा है. पूर्व में इस मामले की जांच कर रही बिहार की आर्थिक अपराध ईकाई (ईओयू) इस स्कूल की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर चुकी है. जांच रिपोर्ट में ईओयू ने कहा था कि इसी सेंटर पर बुकलेट बॉक्स के साथ छेड़छाड़ की गई थी. इस मामले में सीबीआई की टीम अलग-अलग राज्यों से अब तक दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है.

ओएसिस स्कूल भी गई थी सीबीआई की टीम : पेपर लीक मामले की जांच के क्रम में सीबीआई की टीम एक बार फिर कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल पहुंची थी. बताया जा रहा है कि इस बार हजारीबाग पहुंची सीबीआई की टीम में 15 सदस्य शामिल हैं. अलग-अलग टीम में बंट कर सीबीआई के अफसर इस पूरे प्रकरण में हजारीबाग से जुड़े तार को खंगालने में जुटे हुए हैं. हालांकि, इस बारे में कोई भी अधिकारी कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं.

जांच तेज

- होटल व रिसॉर्ट्स के विजिटर्स बुक व अन्य दस्तावेज खंगाले
- तीन से सात मई के बीच ठहरे गेस्ट की ली गई है जानकारी
- पेपर लीक का एपिसेंटर माना जा रहा ओएसिस स्कूल

क्या कहते हैं शहरवासी

नाम नहीं छापने के शर्त पर शहर के दर्जनों लोगों का कहना है कि नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में सीबीआई की जांच हुई, तो कई व्हाइट कॉलर वालों का चेहरा सामने आया है. आज भी शहर में ऐसे कई शिक्षा माफिया हैं, जो अपने शिक्षण संस्थान की आड़ में उलटफेर कर रहे हैं. ये लोग शिक्षा व शिक्षण संथान के नाम पर बच्चों के भविष्य खिलवाड़ कर रहे हैं.

गिरिडीह पुलिस के हत्थे चढ़ा करोड़पति साइबर अपराधी

संवाददाता। गिरिडीह

पुलिस ने करोड़पति साइबर अपराधी सोनू कुमार वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है. एसपी के निर्देश पर पुलिस की टीम ने मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के गपैय गांव से उसे दबोचा है. गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा ने सोमवार को बताया कि सोनू करीब चार करोड़ की संपत्ति का मालिक है. उसका पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है. सोनू के खिलाफ साइबर ठगी के चार मामले दर्ज हैं. एसपी ने कहा कि उसकी संपत्ति को जब्त करने के लिए संबंधित विभाग को पत्र भी लिखेंगे.

लड़की से न्यूड वीडियो कॉल कराने के नाम पर करता था ठगी

गिरफ्तार साइबर अपराधी सोनू कुमार वर्मा ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि वो एसडुको डेटिंग ऐप के माध्यम से लड़की से न्यूड वीडियो कॉलिंग करवाने और लड़की उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों को लिंक भेज कर पैसे की ठगी करता था. इसके अलावा गूगल पे, फोन पे और पेटीएम जैसे पेमेंट ऐप के कस्टमर केयर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने वाले लोगों से भी ठगी करता था.

सर्पदंश से परिवार के तीन सदस्यों की मौत

संवाददाता। गुमला

पालकोट थाना क्षेत्र के लोटवा डुगडुगी में जहरीले सांप के डंसने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई. घटना रविवार देर रात की है. मृतकों में राजेश किसान, पत्नी सुनीता व मनोज नगेशिया शामिल है. जानकारी के मुताबिक, रविवार को परिवार के सभी सदस्य रथ यात्रा मेला देखकर लौटे थे. खाना खाने के बाद सभी सदस्य जमीन पर सो रहे थे. देर रात एक जहरीले करैत सांप ने एक-एक कर तीन लोगों डंस लिया.

गांव में आवागमन का सुलभ सुविधा नहीं होने और रात होने के कारण परिजनों से गांव में झाड़ फूंक आरंभ कराया. सुबह तक राजेश किसान और उसकी पत्नी सुनीता देवी की मृत्यु हो चुकी थी. वहीं, मनोज नगेशिया को सोमवार की सुबह एंबुलेंस से गुमला सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक राजेश किसान के भाई भुवनेश्वर किसान ने बताया है कि गांव में सड़क नहीं है, जिस कारण रात में गांव तक एंबुलेंस वाहन नहीं पहुंच सकती थी. इसलिए, गांव में ही झाड़-फूंक करवा रहे थे. सुबह होने के बाद तीनों को अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया.

सिमडेगा और लातेहर में बच्ची समेत दो की मौत

सिमडेगा और लातेहर जिले में भी सर्पदंश से दो लोगों की मौत हो गयी. सिमडेगा के केरसई थाना क्षेत्र स्थित कोनजोबा पंचायत के बगई गांव में बीती रात सर्पदंश से पीड़ित सैलानी केरकेट्टा नाम की बच्ची को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इसके अलावा शनिवार को भी जिले में भी सर्पदंश के दो अन्य मामले आए. दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है. वहीं, लातेहार में भी सर्पदंश से एक व्यक्ति की मौत की सूचना है. इसके अलावा सर्पदंश से एक किशोर अचेत हो गया. उसे इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल में रेफर किया गया है.

सूरते हाल वर्ष 1983 में औरंगा नदी के तट पर जंगल क्षेत्र में बसाए गये थे 56 विस्थापित परिवार

मलय डैम के 22 विस्थापितों को 41 वर्ष बाद भी नौकरी नहीं

- दो एकड़ का आश्वासन देकर 25 डिसमिल जमीन ही दी
- 56 विस्थापित परिवारों में 34 के घरों से एक-एक नौकरी

कुमार राज। सतबरवा/पलामू

मुरमा मलय डैम के 22 आदिवासी व दलित परिवार 41 वर्ष बाद भी विस्थापन का दर्द झेल रहे हैं. वर्ष 1983 में डैम निर्माण को लेकर इन परिवारों को कुछ डिसमिल जमीन देकर जंगल में बसा दिया गया. यहां चिकित्सीय सुविधा के नाम पर खंडहर में तब्दील एक भवन और बच्चों के पठन-पाठन को लेकर विद्यालय के नाम पर खड़ी दीवार विस्थापितों का उपहास उड़ा रही है.

विस्थापन के दर्द को बयां कर रहे डुबलगंज के ग्रामीण.

गौरतलब हो कि मुरमा मलय डैम के 56 विस्थापित परिवारों को रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग स्थित लहलहे से पांच किलोमीटर दूर औरंगा नदी के तट पर चारों ओर जंगल से घिरे जगह पर बसाया गया. बाद में उस जगह को डुबलगंज नाम दिया गया. यहां हर परिवार को 25 डिसमिल जमीन दी गई. 56 विस्थापित परिवारों में से 34 लोगों को नौकरी दी गयी, जबकि 22 लोगों को आज तक आश्वासन ही दिया जा रहा है. ऐसे में ये परिवार खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं. क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण तिवारी की नजर इन विस्थापितों पर पड़ी. उन्होंने इनके दुःख, दर्द को जाना और इनकी समस्या को झारखंड सरकार तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है.

एक तिरपाल दे कर जंगल में बसा दिया : सिपाही सिंह

50 वर्षीय सिपाही सिंह ने बताया कि जून 1983 में हम लोगों को इस जंगल में एक तिरपाल दे कर बसा दिया गया था. सरकारी पदाधिकारियों ने हर परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी, दो एकड़ जमीन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पीने का पानी, सड़क की सुविधा मुहैया कराने के आश्वासन दिया और घर से निकाल कर जिंदगी गुजारने के लिए टेंट में डाल दिया. 56 विस्थापित परिवारों में सिर्फ 34 के घरों से एक-एक व्यक्ति को नौकरी दी गई, शेष को छोड़ दिया गया.

चिकित्सीय सुविधा के नाम पर खंडहर में तब्दील भवन

विस्थापितों ने बताया कि दो एकड़ जमीन कह कर 25 डिसमिल जमीन दी गई. शिक्षा के लिए स्कूल के भवन निर्माण के नाम पर सिर्फ दीवार खड़ी कर छोड़ दिया गया. स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर एक भवन था, जिसमें दो साल तक एक चिकित्सा कर्मी ने योगदान दिया. पर, यह भवन आज खंडहर में तब्दील है. कच्ची सड़क पर बरसात के दिनों में चलना मुश्किल हो जाता है. जंगली इलाका होने के कारण खेतों में लगी फसलें जंगली जानवर चर जाते हैं.

नया संगठन बनाने की फिराक में थे जेजेएमपी संगठन के सदस्य

हथियार के साथ दो उग्रवादी गिरफ्तार

- लातेहार के पतरातू में गारू के जंगल से दबोचे गये दोनों

संवाददाता। लातेहार

जेजेएमपी के दो उग्रवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. एसपी अंजनी अंजन ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दोनों आरोपियों का संबंध जेजेएमपी उग्रवादी संगठन से है. दोनों वहां से हथियार ले कर एक नया संगठन बनाने की फिराक में थे. लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें धर दबोचा.

एसपी ने बताया कि विगत सात जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ हथियारबंद अपराधी पतरातू (गारू) के जंगल में जमा हुए हैं. महुआडांड़ एसडीपीओ हिमांशु चंद्र मांझी के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने बीती शाम साढ़े पांच बजे पतरातू जंगल में छापेमारी की. इस क्रम में जंगल में बैठे दो लोगों को खदेड़ कर पकड़ा गया.

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते लातेहार एसपी अंजनी अंजन.

दो लोडेड कट्टा, दो भरठुआ बंदूक व एक गोली बरामद

पूछताछ के क्रम में दोनों गिरफ्तार आरापियों की पहचान लातेहार जिला के पतरातू, गारू निवासी अब्दुल तुराब कादरी और बालूमाथ के लेजांग निवासी राहुल कुमार के रूप में हुई. तलाशी के क्रम में अब्दुल कादरी के कमर से एक लोडेड कट्टा बरामद किया गया. उसकी निशानदेही पर उसके घर से दो भरठुआ बंदूक और एक कारतूस भी बरामद किया गया. वहीं, राहुल के कमर से भी एक लोडेड कट्टा बरामद किया गया.

ब्रीफ खबरें

कार और दो बाइक में टक्कर, दो युवक घायल

हुसैनाबाद (पलामू)। मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जपला-मोहम्मदगंज मुख्य सड़क पर सोनबरसा पेट्रोल पंप के पास एक ब्रेजा कार ने दो बाइक चालको को टक्कर मार दी. इस हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान 32 वर्षीय रोहित कुमार, गजरही गांव निवासी, और 30 वर्षीय कृष्णा विश्वकर्मा, झरी गांव निवासी के रूप में पहचान हुई है. ग्रामीणों ने तुरंत 108 एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल भेजा. दुर्घटना के बाद, कार चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया.

कल हुसैनाबाद भाजपा का बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद के रिद्धि सिद्धि होटल में बुधवार को सुबह 10 बजे बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित होगा. इस समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सह कोडरमा के विधायक निरा यादव और पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम होंगे. भाजपा के बूथ स्तरीय अध्यक्ष संयोजक और भाजपा के कार्यकर्ता से भाजपा नेता सह संयोजक विनोद कुमार सिंह नेआग्रह है कि ससमय पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाए .

टेंपो पलटा आधा दर्जन सहिया घायल

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के केजी स्कूल रोड में सोमवार की दोपहर अनियंत्रित होकर ऑटो पलटने से आधा दर्जन से अधिक सहिया ऑटो से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई. इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा सभी सहिया को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया जहां इलाज के बाद भी विद्यावती, ललिता, संगीता और सुनीता की हालत गंभीर बनी हुई है.वहीं घटना की जानकारी मिलने पर सहिया साथी रजनी सिन्हा सदर अस्पताल पहुंचकर अपने देखरेख में घायल सहिया का इलाज करवा रहे हैं.

गारू ग्रामीणों के बीच हुई जनसुनवाई

गारू (लातेहार)। गारू प्रखंड के तीन वित्तीय वर्षों में मनरेगा क्रियान्वयन का सभी छह पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य सोमवार को पूर्ण हुआ. मनरेगा से जुड़ी कई मुद्दे पर सामाजिक अंकेक्षण टीम नें ग्राम रोजगार सेवक, मुखिया और मजदूरों को आईना दिखाया. टीम लीडर नें ग्रामीणों को बताया कि, सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम के माध्यम से योजना से वांछित परिणाम हासिल हो पा रहा है या नहीं, और उनका क्रियान्वयन सही ढंग से हो रहा है या नहीं, इसकी छानबीन है. सामाजिक ऑडिट, दृष्टि या लक्ष्य और वास्तविकता, दक्षता और प्रभावशीलता के बीच के अंतर को कम करने में मदद करता है.

करमा कला सूर्य मंदिर की ढलाई संपन्न

छतरपुर (पलामू) । क्षेत्रीय विधायक पुष्पा देवी, पूर्व सांसद मनोज कुमार तथा क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से छतरपुर नगर पंचायत के करमा कला में बहु प्रतीक्षित सूर्य मंदिर की ढलाई का कार्य संपन्न हुआ . तो इस मंदिर के निर्माण में सैकड़ों लोगों ने सहयोग किया है . अब तक रविशंकर सिंह उर्फ बबुआ जी, कैलाश सिंह, संजय सिंह, मुन्ना जायसवाल आदि का सहयोग उल्लेखनीय रहा है . मौके पर विजय सिंह, कैलाश सिंह, संजय सिंह, पंकज गुप्ता, सुधीर सिंह, सरयू गुप्ता, संतोष गुप्ता, समेत सूर्य मंदिर निर्माण में लगे दर्जनों लोग मौजूद थे .

सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई, सैनिक सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

दिवंगत बीएसएफ जवान का पार्थिव शरीर पहुंचा पलामू

संवाददाता । मेदिनीनगर

सदर प्रखंड के सिंगरा गांव निवासी उपेंद्र शुक्ला के पुत्र दिवंगत जवान अमित शुक्ला का शव तीन दिन बाद उनके पैतृक गांव सिंगरा पहुंचा तो उनके अंतिम दर्शन के लिए हुजूम उमड़ पड़ा. उनके असामयिक निधन से हर लोग दुखी थे. माहौल काफी गमगीन था और चारों तरफ महिलाओं का क्रंदन था. वहीं इस मौके पर मृतक जवान के घर के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई. लोगों ने पुष्प अर्पित कर जवान को नमन किया. आसपास की महिलाएं शोक संतप्त परिजनों को ढाढ़स बंधाने में जुटी रही. परिजनों के विलाप से हर किसी की आंखें नम हो गई. बीएसएफ के जवानों ने दिवंगत जवान अमित शुक्ला को अंतिम सलामी दी. लोग भारत माता की जय के उदघोष के साथ लोग वीर शहीद अमर रहे के नारे लगा रहे थे. दिवंगत जवान के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था. गांव वालों के साथ उनकी बहुत सी यादें जुड़ी थीं. जम्मू कश्मीर में तैनात जवान अमित शुक्ला तीन दिन पूर्व अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी पर घर आ रहे थे कि रास्ते में ही सड़क दुर्घटना के शिकार हो गये थे . कश्मीर के छिंदवाड़ा में एक साल पहले उनकी पोस्टिंग हुई थी .दिवंगत जवान का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव सिंगरा में ही पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया. उनके अंतिम दर्शन के लिए पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे .

जवान के शव को श्रद्धांजलि देते लोग.

छह इंडिकेटर पर कार्य कर लक्ष्य को प्राप्त करना है उद्देश्यः डीसी

जिलास्तरीय संपूर्णता अभियान शुरू 30 सितंबर तक चलेगा अभियान

संवाददाता । मेदिनीनगर

स्थानीय टाउन हॉल में सोमवार को दीप प्रज्ज्वलित कर जिला स्तरीय संपूर्णता अभियान की शुरूआत की गई. उपायुक्त शशि रंजन, नीति आयोग के निदेशक हिमांशु जोशी, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद समेत अन्य लोगों ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. उपायुक्त श्री रंजन ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत अगले तीन माह में संपूर्णता अभियान के तहत 6 इंडिकेटरों पर आधारित लक्ष्य को प्राप्त करना ही यह अभियान का एकमात्र उद्देश्य है. इस तीन माह में इस कार्यक्रम के जरिए आम नागरिकों की बेहतर जीवन शैली तथा अत्यंत पिछड़े क्षेत्रों में सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने को लेकर यह संपूर्णता अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में सबका सहयोग अपेक्षित है.

ग्राउंड लेवल पर काम जरुरी है : उन्होंने कहा कि जो पदाधिकारी या कर्मचारी ग्राउंड लेवल पर काम करते हैं उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत अनुपूरक पोषण, स्वास्थ्य विभाग के तहत नियमित टीकाकरण पर विशेष रूप से कार्य करने पर बल दिया. इस कार्य में एएनएम की सक्रियता अति महत्वपूर्ण है.उन्होंने कहा कि सभी इंडिकेटरों पर बढ़िया से कार्य होता है तो देश के जीडीपी में भी बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे. नीति आयोग के निदेशक हिमांशु जोशी ने सभी से हेल्थ एंड न्यूट्रिशन, एग्रीकल्चर एंड एजुकेशन समेत विभिन्न छः बिंदुओ पर योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए शत-प्रतिशत सैचुरेशन करने पर बल दिया. मौके पर सभी को जिले व ब्लॉक को समर्थ और समृद्ध बनाने की शपथ दिलायी गई.

आकांक्षी जिला में देश के 112 जिले शामिल : बता दें कि केंद्र सरकार ने 2018 में आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत देश के 112 जिलों को शामिल किया था. इसी के तहत एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम का उद्घाटन जनवरी 2023 में किया गया, जिसमें देश के 500 प्रखंडों को शामिल किया गया और इसमें पलामू के हरिहरगंज प्रखंड का चयन किया गया है. दोनों कार्यक्रम आम नागरिकों की बेहतर जीवन शैली व अत्यंत पिछड़े क्षेत्रों में सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है.

कार्यक्रम का उदघाटन करते डीसी व अन्य.

सभी लोग 30 सितंबर तक मिशन मोड में कार्य करें : निदेशक

इस अवसर पर टाउन हॉल में सबको संबोधित करते हुए दिल्ली से आये नीति आयोग के निदेशक हिमांशु जोशी ने सभी संबंधितों को आगामी तीन महीनों तक मिशन मोड में कार्य करने की बात कही .उन्होंने सभी से हेल्थ एंड न्यूट्रिशन, एग्रीकल्चर एंड एजुकेशन समेत विभिन्न छः बिंदुओं पर योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए शत-प्रतिशत सैचुरेशन करने पर बल दिया .इस अवसर पर सभी को जिले व ब्लॉक को समर्थ और समृद्ध बनाने की शपथ दिलायी गयी .मौके पर उपरोक्त के अलावे जिला योजना पदाधिकारी, समाज कल्याण पदाधिकारी,शिक्षा पदाधिकारी,समेत बड़ी संख्या में एसएचजी की महिलायें,एएनएम समेत अन्य उपस्थित रहे .

योजनाओं का लाभ देने के लिए शिविर 13 तक

लातेहार । स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम में अहर्ता पूरा करने वाले

पथ विक्रेताओं को आठ सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाना है. उन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना योजना व वन नेशन वन राशन कार्ड योजना से जोड़ा जायेगा. इस आशय की जानकारी नगर पंचायत के सीएम डा आंनद किशोर दांगी ने दी. उन्होने बताया कि नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर आवेदन जमा करने के लिए नगर पंचायत क्षेत्र में आठ से 13 जुलाई तक शिविरों का आयोजन किया जायेगा. आठ जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से धर्मपुर सब्जी मार्केट, नौ जुलाई को नगर पंचायत कार्यालय, 10 जुलाइ को धर्मपुर सब्जी मार्केट, 11 जुलाई को सोमेश्वर शिव मंदिर डुरूआ, 12 और 13 जुलाई को धर्मपुर सब्जी मार्केट में शिविर का आयोजन किया जायेगा. इन शिविरों का लाभ उठाने की अपील फुटपाथ विक्रेताओं से की गयी है. डा दांगी ने बताया कि नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग झारखंड सरकार के निर्देश पर प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि सभी नगर निकायों में संचालित है.

भाजयुमो ने अंचल कार्यालय का घेराव कर की तालाबंदी

सांसद भी कार्यक्रम में हुए शरीक.

संवाददाता । मनिका (लातेहार)

भारतीय जनता युवा मोर्चा, मनिका के तत्वाधान में अंचल कार्यालय में व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर अंचल कार्यालय घेराव सह तालाबंदी कार्यक्रम किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अंकित राज गोलू ने किया. कार्यक्रम में चतरा सांसद कालीचरण सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे.

मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजयुमो जिला अध्यक्ष छोटू राजा ने कहा कि मनिका अंचलाधिकारी संतोष कुमार शुक्ला के द्वारा अंचल कार्यालय में व्यापक पैमाने में भ्रष्टाचार की जा रही है. जाति व स्थानीय प्रमाण बनवाने के लिए लोगों को कई दिन तक दौड़ाया जा रहा है. फोरलेन सडक निर्माण कार्य में भूमि अधिग्रहण में अंचल के द्वारा एलपीसी के नाम पर पैसा का उगाही किया जा रहा है. मौके पर सांसद कालीचरण सिंह ने अंचल अधिकारी संतोष कुमार शुक्ला को बुलाकर फटकार लगाया. कहा कि जनता के द्वारा लगातार शिकायतें मिल रही है. सीओ व बीडीओ अपने कार्य प्रणाली में सुधार लायें. शिकायत किसी सूरत बर्दाश्त नहीं की जायेगी. मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह, जिला परिषद सदस्य बलवंत सिंह, मुकेश पांडेय, कौशल किशोर प्रसाद, बबन पासवान, शंकर दुबे, गंगा यादव,अवधेश सिंह, सोनू सिकंदर, धर्मजीत राय व लव कुमा दुबे आदि मौजूद थे.

निर्माणाधीन पानी टंकी की छत से गिरने से मजदूर की मौत

बरवाडीह(लातेहार)। बरवाडीह थाना क्षेत्र के पहड़तल्ली रेल क्षेत्र में रविवार की शाम एक बड़ी घटना घटित हुई. पहड़तल्ली में निर्माण हो रही 80 फिट ऊंची पानी टंकी से गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई हैं. लोगों ने बताया की हर रोज की तरह रविवार को भी पानी टंकी का निर्माण कार्य चल रहा था . इस दरमियान टांकी के रूफ पर कार्य कर रहा एक मजूदर नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गयी. उसकी पहचान धनबाद जिले के बलियापुल सिगियाटांड़ निवासी महिउद्दीन अंसारी के पुत्र सलाउद्दीन अंसारी (21) के रूप में की गयी. टंकी से नीचे गिरने के बाद उसे अन्य मजदूरों ने घायल सलाउद्दीन अंसारी को बरवाडीह स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया. यहां से उसे बेहतर इलाज के लिए डालटनगंज एमएमसीएच हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया. यहां इलाज के दौरान मजदूर की मौत हो गई. इसकी सूचना परिजनों को मिलते ही मृतक मजदूर का परिजन बरवाडीह थाना पहुंच कर पूरे घटना क्रम को लिखित सूचना दी और संवेदक और मुंशी पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगायी.

विधायक ने पुस्तकालय भवन का किया ऑनलाइन शिलान्यास

पुस्तकालय भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करते विधायक.

संवाददाता । हुसैनाबाद(पलामू)

हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह ने हुसैनाबाद प्रखंड परिसर में पुस्तकालय भवन का ऑनलाइन शिलान्यास किया. विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह ने इस मौके पर विधायक कमलेश कुमार सिंह से उपस्थित लोगों का ऑनलाइन परिचय भी कराया. ऑनलाइन संबोधन में विधायक श्री सिंह ने कहा कि हुसैनाबाद हरिहरगंज को हर क्षेत्र में प्रगति के पथ पर अग्रसर करना उनकी प्राथमिकता है. प्रखंड कार्यालय आने वाले लोग को इधर उधर भटकना पड़ता है. उन्हें बैठने का स्थान भी मिल जायेगा और किताबों के पढ़ने का मौका भी मिल जायेगा. विधायक ने कहा कि हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है. विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह ने कहा कि भवन निर्माण विभाग से बनने वाले पुस्तकालय ने सारी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी. साथ ही सभी धर्मो के अलावा अच्छे लेखकों की पुस्तकें मुहैया कराई जाएगी. अखबार की भी व्यवस्था की जायेगी.

उन्होंने कहा कि प्रयास है कि प्रत्येक प्रखंड ने पुस्तकालय का निर्माण हो. इसके लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है. मौके पर 20 सूत्री अध्यक्ष योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, हंसराज सिंह, रविंद्र कांस्यकर, अभिषेक सिंह हरी, पंकज सिंह, विजय राजवंशी, रविन्द्र यादव, वीरेंद्र राजवंशी, बीटू बाबा, नवल सिंह, मनीष सिंह,के अलावा बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे.

सूरत -ए - हाल

पता ही नहीं चलता कि सड़क में गड्ढे हैं या फिर गड्ढों में सड़क है

धर्मपुर से समाहरणालय तक जाने वाली सड़क जर्जर

आशीष टैगोर । लातेहार

शहर के धर्मपुर से समाहरणालय जाने तक वाली सड़क में बेशुमार गड्ढे हो गये हैं. पता ही नहीं चलता कि सड़क में गड्ढे हैं या फिर गड्ढों में सड़क है. उस पर इन गड्ढों में भरे बरसात के पानी ने परेशानी और बढ़ा दी है. गड्ढों में बरसात का पानी भर जाने से वाहन चालकों को उसकी गहराई का अंदाजा नहीं मिल पाता है और दुर्घटनाएं होती हैं.

इससे पहले भी शुभम संदेश ने अपने छह सितंबर 2023 के अंक में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था. हर बरसात में इस सड़क की ऐसी ही दुर्दशा होती है.

सड़क में बने गड्ढे.

शार्टकट सड़क है : बता दें कि यह सड़क समाहरणालय के अलावा राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, आदिवासी बासाओड़ा व पेंशनर भवन तक जाने का एक शॉर्टकट है. समाहरणालय जाने का मुख्य पथ शहर के मेन रोड पानी टंकी के पास से है. लेकिन मेन रोड में डाकघर के पास अक्सर जाम लगने की वजह से लोग इस सड़क का इस्तेमाल करते हैं. खासकर रेलवे स्टेशन, बाइपास चौक व बाइपास रोड से आने वाले वाहन चालक इसी पथ से समाहरणालय तक जाना अधिक पंसद करते हैं. इससे समय व इंधन दोनों की बचत होती है. लेकिन सड़क के जर्जर होने की वजह से अब वाहन चालक खासे परेशान हो रहे हैं.

नगर पंचायत ने कराया है पीसीसी सड़क का निर्माण

बीते वर्ष नगर पंचायत के द्वारा इस पथ पर डॉ धर्मशीला के आवास से बालक उच्च विद्यालय के पिछले गेट तक पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया है . यहां तक तो पथ ठीक है . लेकिन इसके बाद कालीकरण सड़क है और इसी सड़क में बेशुमार गड्ढे हो गये हैं . बताया जाता है कि साल 2008 में यहां पथ का कालीकरण किया गया था . उसके बाद इन 15 वर्षों में इस सड़क की मरम्मति तक नहीं की गयी . जिस समय यह सड़क बनायी गयी थी, उस समय इस सड़क किनारे इक्का दुक्का घर थे . लेकिन आज यहां घनी आबादी बस गयी है, जो इस सड़क का इस्तेमाल करती है . हालांकि नगर पंचायत के द्वारा शेष सड़क की पीसीसी कराने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है .

आम की खेती कर महिलाएं कमा रही हैं लाखों रुपये

संवाददाता । लातेहार

मनरेगा की योजनाओं को ले कर लोगो के जेहन में कई भ्रांतियां है. लोग मनरेगा का मतलब भ्रष्टाचार व सरकारी राशि की बंदरबांट समझते हैं. लेकिन ऐसा नहीं है. मनरेगा की योजनायें न सिर्फ लोगों को सालो भर काम देती है वरन लाखों रूपये कमाने का अवसर भी प्रदान करती है. ऐसी ही कुछ नजीर जिले के मनिका प्रखंड के जान्हो ग्राम की महिलायें पेश कर रही है. आज ये महिलायें अन्य ग्रामीणों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है.

जान्हो ग्राम में वित्तीय वर्ष 2016-17 में तत्कालीन उप विकास आयुक्त अनिल कुमार सिंह के पहल पर मनरेगा (सीएफटी) के तहत बिरसा मुंडा आम की बागवानी शुरू की गयी थी. अब इन सालों में आम के पौधे अब पेड़ बन कर फल दे रहे हैं. महिलायें आज आम की फसल को बेच कर लाखों रूपये कमा रही है. लेकिन इसके पीछे महिलाओं का अथक परिश्रम शामिल है. महिलाओं ने आम के पौधों की देखभाल व रखवाली अपने बच्चों से कम नहीं की है.

बागवानी करने से बढ़ी है आमदनीः रीता देवी

महिला स्वयंसहायता समूह की एक सदस्य रीता देवी ने कहा कि मनरेगा

की यह योजना समूह की महिलाओं के लिए समृद्धि ले कर आयी है . इस योजना से उनकी आमदनी बढ़ गयी है . बताया कि आम को पारंपरिक ढंग से पकाते हैं . पुआल के नीचे ढक कर रखती हैं .

महिलाओं का प्रयास सराहनीयः मिथिलेश

महिलाओं को आम बागवानी के लिए सीएफटी के रूप में स्वयंसेवी संस्था

मल्टी आर्ट एसोसिएशन (एमएए) के अलावा एसपीडब्लयूडी तथा ग्राम स्वराज मजदू संघ व एनसीडीएचआर के सदस्यों ने काफी प्रेरित और सर्पोट किया .

न्यूज अपडेट

शूटिंग चैम्पियनशिप के लिए देवघर रवाना हुए विद्यार्थी

मेदिनीनगर । ऐसा दूसरी बार हो रहा है जब मेदिनीनगर स्थित संत मरियम आवासीय स्कूल के तीन विद्यार्थी- हिमांशु कुमार पासवान, चिराग लकड़ा और कौशल चौरसिया झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन के द्वारा

रायफल शूटिंग के लिए देवघर रवाना होते छात्र.

आयोजित राज्य स्तरीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए देवघर रवाना हो चुके हैं . इनके रवाना होने के पूर्व विद्यालय के निदेशक अविनाश देव ने इन्हें हार्दिक शुभकामनायें दीं और इनका हौसला आफजाई किया.पलामू राइफल संघ के सचिव सह स्कूल के शारीरिक शिक्षक सुमित बर्मन ने कहा कि मेरा प्रयास है कि ये खिलाड़ी इस बार अद्भुत और बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्टेट टीम में शामिल हो सकें .मौके पर स्कूल के प्राचार्य आदर्श कुमार ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया.

विजय संकल्प सभा 16 को, तैयारी को लेकर बैठक

मेदिनीनगर। छतरपुर और नौडीहा बाजार मंडल में आयोजित अभिनंदन विजय संकल्प सभा को लेकर पूर्व सांसद मनोज कुमार ने दोनों मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

तैयारी को लेकर बैठक करते भाजपाई.

की. बैठक में कहा गया कि कार्यक्रम 16 जुलाई को छतरपुर के विजय तारा रिसोर्ट में आयोजित होगा और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद मनोज कुमार होंगे. बैठक में कार्यक्रम के संयोजक पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की बदौलत इस कार्यक्रम को सफल बनाना है. साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भी भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिए कमर कसकर तैयार रहना है.

अधिकारियों ने किया भीम बराज का निरीक्षण

हुसैनाबाद (पलामू)। मोहम्मदगंज भीम बराज उत्तर कोयल नहर परियोजना को औरंगाबाद बिहार सिंचाई विभाग के अधिकारियो ने बराज का निरीक्षण किया.मुख्य अभियंता अख्तर जमील ने बराज कंट्रोल

भीम बराज निरीक्षण करते अधिकारियों की टीम.

रूम,बराज के गेटो के संचालन व कार्यरत कर्मियों की उपस्थिति सहित बराज संबंधित अन्य कार्यों का जायजा लिया.मौके पर उपस्थित बराज प्रमंडल मोहम्मदगंज के कार्यपालक अभियंता विनीत कुमार से जानकारी लिया और कई दिशा निर्देश दिया.मौके पर बराज की सुरक्षा में तैनात होम गार्ड के जवानों ने रहने,पेयजल,शौचालय, बिजली सहित मूलभूत से जूझने के बारे में जानकारी दिया,और इससे निदान की मांग किया.

मोहर्रम इंतेजामिया कमेटी कार्यालय का उद्घाटन

मेदिनीनगर। स्थानीय शाह मुहल्ला स्थित मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी कार्यालय का उद्घाटन समाजसेवी मुमताज अहमद खान व पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम की

कार्यालय का उदघाटन करते पूर्व मंत्री व अन्य.

अध्यक्षता मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी के जेनरल खलीफा जीशान खान व संचालन जेएमएम के जिला सचिव सन्नु सिद्दीकी ने किया. मुख्य अतिथियों को पगड़ीपोशी, माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर, बुके और तलवार देकर सम्मानित किया गया.

भाजपा नेता की पत्नी का निधन, लोगों ने दी श्रद्धांजलि

विश्रामपुर (पलामू) । भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता सुशील कुमार चौबे उर्फ टिकैत चौबे की धर्मपत्नी भानुमती देवी (77) का निधन रविवार देर शाम को हो गया.वे पिछले कुछ माह से बीमार चल रही थीं.

दाह संस्कार में शामिल लोग.

अंतिम सांस उन्होंने केतात गांव स्थित अपने आवास पर ली. वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं. स्व.भानुमति देवी पूर्व प्रमुख संतोष चौबे की बड़ी मां थीं. सोमवार को उनका दाह संस्कार गांव के ही शमशान घाट पर किया गया. मुखाग्नि टिकैत चौबे ने दी. दाह संस्कार में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, वरीय समाजसेवी सह राजनेता अभिमन्यु सिंह, सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय, सोनू दुबे, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी, राहुल दुबे, अखिलेश गुप्ता, रंजित ठाकुर सहित काफी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए.

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत कई घायल

चंदवा (लातेहार)। थाना क्षेत्र के गैरेज लैन के पास एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की जान चली गयी. जबकि कई अन्य घायल हो गये. बता दें कि प्रखंड के कामता ग्राम में रथ यात्रा के दिन रविवार को मेला लगा था. मेले में लोगों ने भगवान

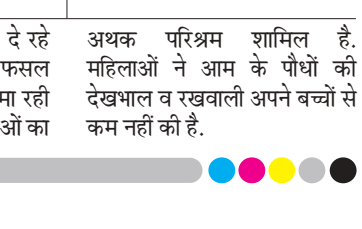

घायल युवक को देखते परिजन.

जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलराम का खींचकर भगवान जगन्नाथ का आशिर्वाद प्राप्त किया. इसी मेले से घर जाने के क्रम में सड़क दुर्घटना में एक युवक की जान चली गयी. जानकारी के अनुसार सिकनी निवासी गोरवा लोहरा का पुत्र मंतोष लोहरा अपने मित्र अशोक लोहरा के साथ मेले का आनंद ले कर मोटरसाइकिल से देर शाम तकरीबन साढ़े सात बजे अपने घर जा रहा था. वह चंदवा के गैरेज लेन पास बांस लदी एक खड़ी ट्रक से टकरा गया. मौके पर ही मंतोष की दर्दनाक मौत हो गई और अशोक गंभीर रूप से घायल हो गया.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में घायल वृद्ध की हुई मौत

सेन्हा/लोहरदगा। गुमला-लोहरदगा मुख्य मार्ग के एनएच 143 ए पर सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एवं वृद्ध व्यक्ति घायल हो गए. ग्रामीणों के सहयोग से घायल वृद्ध को सदर अस्पताल लोहरदगा में भर्ती कराया गया. जहां उपचार के दौरान वृद्ध की मौत हो गयी.मृत वृद्ध की पहचान भड़गांव निवासी जगदीश महली के रूप में की गयी. घटना लोहरदगा के सेन्हा थाना क्षेत्र के भड़गांव साप्ताहिक बाजार के समीप सुबह 6:30 बजे की बात बताई जा रही है. बताया जाता है कि जगदीश अपने ससुराल में रहकर जीवन यापन करता था .जगदीश महली सुबह सवेरे घूमने निकला था.

पूर्व मंत्री एनोस एक्का ने किया शोक व्यक्त

सिमडेगा। गुमला जिले के पालकोट प्रखंड स्थित डहूपानी पंचायत स्थित लोटवा डुगडुगी गांव में सर्पदंश के कारण एक ही परिवार के तीन लोगों की मृत्यु पर पूर्व मंत्री एनोस एक्का ने गहरी संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि इस दुःख के घड़ी में झारखंड पार्टी मृतक के परिजनों के साथ खड़ी है. पूर्व मंत्री ने गुमला जिला प्रशासन से मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता राशि देने की मांग की है. पूर्व मंत्री ने पंचायत स्तर पर सर्पदंश से संबंधित दवा और इंजेक्शन भी उपलब्ध कराने की मांग की है.

अज्ञात वाहन ने दो को कुचला, एक की मौत

गुमला। भरनो प्रखंड के समसेरा गांव में लगे चंदा गड रथ मेला से पैदल घर लौटने के दौरान अज्ञात वाहन ने दो युवकों को कुचल दिया. जिसमें घटना स्थल पर ही एक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया. जानकारी के अनुसार भरनो चट्टी रोड पर समसेरा गांव के पास बीते रात लगभग दस बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल घर लौट रहे समसेरा जामटोली गांव निवासी संजय महली (22) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. जबकि छोटू बारला (20) के कमर की हड्डी टूट गयी. घटना के बाद अज्ञात वाहन मौके से फरार होने में कामयाब रहा.

जिरहुला दह के विकास को लेकर की गयी बैठक

भवनाथपुर(गढ़वा)। प्रखंड के बनसानी पंचायत स्थित बहुत ही प्राचीन 'जिरहुला दह धार्मिक पर्यटन स्थल' के विकास हेतु सुनील पाठक की अध्यक्षता में बैठक किया गया. बैठक में सर्वसम्मति से पर्यटन स्थल के विकास के लिए एक कमेटी का गठन किया गया. जिसमें नित्यानंद पाठक को अध्यक्ष, सुनील पाठक को सचिव, भारत भूषण मेहता कोषाध्यक्ष को बनाया गया.सावन में प्रत्येक सोमवार सुबह 9 बजे से शिव जी का जलाभिषेक होगा. बैठक में निरंजन पाठक, अवधेश यादव, अशोक मेहता, सूर्य प्रकाश शर्मा, राकेश मेहता, पंकज मेहता, रमेश मेहता, राजेंद्र पाठक आदि थे.

एसी ने कई विभागों के कार्यों की समीक्षा की

लोहरदगा। अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुंडा की अध्यक्षता में कृषि, सहकारिता, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, गव्य आदि विभागों की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई. बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी ने लोहरदगा जिला में जून व जुलाई माह में अब तक हुई बारिश की स्थिति की जानकारी दी गई. अपर समाहर्ता ने 15 जुलाई तक सौ प्रतिशत बीज का वितरण किसानों के बीच कर लिये जाने का निदेश दिया गया. मत्स्य विभाग अंतर्गत तालाबों के बंदोबस्ती, स्पॉन का वितरण, जाल वितरण, मत्स्य पालकों का प्रशिक्षण, जलाशय का छाड़न आदि की समीक्षा की गई .

भंडरा प्रखंड क्षेत्र के ड्रॉप आउट बच्चों का भविष्य आखिर संवारेगा कौन?

अभिभावक व शिक्षा विभाग की लापरवाही, बच्चे चुन रहे कचरा

शकील अहमद, भंडरा/लोहरदगा

केंद्र और राज्य सरकार स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु हर माह अरबों रूपये खर्च इस उद्देश्य से कर रही है कि गरीब असहाय परिवार के बच्चे बच्चियों को शिक्षा से जोड़ा जा सके और उनका भविष्य को गर्त में जाने से रोका जा सके. लेकिन जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र में सरकार के सारे सपनों को बच्चों के अभिभावक और शिक्षा विभाग चूरचूर कर के रख दिए हैं. आलम यह है कि भंडरा प्रखंड क्षेत्र के नौनिहाल पढ़ने-लिखने की उम्र में हाथों और पीठ पर किताब, कापी व स्कूली बैग के जगह बोरा पकड़ कर घूम घूम कर कूड़ा,कचड़ा बिन कर अपना पेट पाल रहे हैं. इससे सरकारी दावे फेल नजर आ रही है. यहां पर बता दें कि भंडरा प्रखंड के मल्हार टोली के नौनिहाल पढ़ने की उम्र में पढ़ने के बजाय कचरा बिन रहे हैं. भंडरा प्रखंड मुख्यालय में सैकड़ों नौनिहाल कचरे के ढेर में ही अपना भविष्य तलाश रहे हैं. सरकार ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया ताकि गरीबों के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिल सके. इतना ही नहीं गरीबों के कल्याणार्थ व सहायतार्थ हेतु कई योजनाएं चलाई है. ताकि गरीबों के बच्चे नियमित रूप से स्कूल जा सकें. बावजूद भंडरा में गरीबों के बच्चे आज भी कूड़े के ढेर पर अपना भविष्य तलाश रहे हैं.

स्कूल जाने के बदले कूड़ा बीनने बोरा लेकर जाते नौनिहाल.

परिवार का भी भरण-पोषण करते हैं ये बच्चे

कूड़े कचरे के ढेर से कबाड़ चुनकर यह बच्चे अपना तो पेट भरते ही हैं. साथ ही घर चलाने में परिजनों की भी सहायता करते हैं. पेट की आग बुझाने के लिए यह बच्चे अपना बचपन कूड़े कचरे के ढेर में कबाड़ चुनने में ही गंवा देते हैं. ऐसे बच्चों पर बाल श्रम के तहत कोई मामला भी नहीं बनता.

उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया जाएगा: बीडीओ

मामले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया जाएगा और ड्राप आउट बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय से जोड़ने हेतु व्यापक रूप से अभियान चलाकर बच्चों को स्कूल से जोड़ा जाएगा.

हेमंत सरकार के खिलाफ रंका थाना मोड़ से प्रखंड कार्यालय तक आक्रोश मार्च निकाला

भाजयुमो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ रंका प्रखंड कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया

संवाददाता। रंका (गढ़वा)

भाजयुमो रंका उत्तरी एवं दक्षिणी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में प्रखंड कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार को लेकर हेमंत सरकार के खिलाफ रंका थाना मोड़ से प्रखंड कार्यालय तक आक्रोश प्रदर्शन किया गया. कार्यक्रम के दौरान भ्रष्टाचारी सरकार वापस जाओ, हेमंत सरकार मुर्दाबाद, युवा विरोधी सरकार इस्तीफा दो आदि नारे लगाए गए. साथ ही प्रखंड कार्यालय का घेराव किया गया.

मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि झामुमो सरकार भ्रष्टाचार का पोषक है. आम जनता त्राहि-त्राहि कर रही है. झामुमो सरकार में चारों तरफ भ्रष्टाचार मचा हुआ है. उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार में प्रखंड से लेकर जिला तक भ्रष्टाचार खुलेआम हो रहा है. झामुमो सरकार में बैठे मंत्री, विधायक जनता के उत्थान के लिए नहीं बल्कि अपनी झोली भरने में लगे हुए हैं. उन्होंने कहा कि पारा शिक्षक से लेकर सभी अनुबंधकर्मी कम पैसों में काम करने को बाध्य है.

भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे ने कहा कि झामुमो सरकार युवा विरोधी हैं. हेमंत सरकार ने रोजगार एवं बेरोजगारी भत्ता देने के नाम पर युवाओं को ठगा है. अध्यक्ष संतोष चंद्रवंशी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजयुमो दक्षिणी मंडल अध्यक्ष बलराम यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष बसंत प्रसाद, जिला मीडिया प्रभारी उत्तम पाण्डेय, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष नसरुद्दीन अंसारी, ओमप्रकाश दास, उदय प्रसाद, शीला देवी, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, विकास तिवारी, विनोद राम, जितेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, नवल ठाकुर, मनोज ठाकुर, रविन्द्र साव, किस्मती कुंवर, कविता देवी, सुनीता देवी, ललिता देवी आदि लोग उपस्थित थे.

प्रखंड कार्यालय का घेराव भाजयुमो कार्यकर्ता.

आजसू कार्यकर्ताओं ने बीडीओ को सौंपा मांग पत्र

भवनाथपुर (गढ़वा)। भवनाथपुर प्रखंड कार्यालय में व्याप्त अनियमितता, भ्रष्टाचार एवं विभिन्न समस्याओं का निराकरण को लेकर आजसू के केंद्रीय सचिव जयराम पासवान के नेतृत्व में आजसू कार्यकर्ताओं ने सोमवार को बीडीओ के नाम अपनी 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा. सौंपे गये मांग पत्र में जमीन संबंधी दाखिल खारिज के लिए अंचल कार्यालय में जमा आवेदनो का अविलंब निष्पादन करने, पंजी टू में दर्ज जीरो प्लाट की समस्या का जल्द से जल्द उचित व आवश्यक कार्रवाई करने, अबुआ आवास चयन में पारदर्शिता लाते हुए इसमें जरूरमंद एवं निर्धन परिवार का इसका समुचित लाभ देने, आदि की मांग शामिल है. मौके पर केंद्रीय सदस्य रविंद्रनाथ शर्मा, शिवकुमार विश्वकर्मा, सुशील चौबे, उमेश कुमार रजक, शिव साह, जसमुद्दीन अंसारी, मुकेश शर्मा, लक्ष्मण राम, वीरेंद्र यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

मांग पत्र सौंपते कार्यकर्ता

मिथिलेश ठाकुर को तीसरी बार मंत्री बनाये जाने पर दी बधाई

गढ़वा। गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर को तीसरी बार झारखंड सरकार में मंत्री बनाये जाने पर झामुमो जिला सचिव मनोज ठाकुर ने बधाई दिया है. श्री ठाकुर ने कहा है कि हेमंत सोरेन की सरकार ने सोमवार को 45 वोट लाकर विधानसभा में बहुमत हासिल किया. जबकि मिथिलेश कुमार ठाकुर तीसरी बार मंत्री बनाये गये. इसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मंत्री श्री ठाकुर को बधाई दिया है. सचिव ने कहा कि आज का दिन झामुमो के लिए यादगार दिन है. भाजपा के नापाक इरादों एवं षड्यंत्र को कुचलते हुए झामुमो बहुत ही मजबूती से आगे बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि भाजपा जितना ही जनविरोधी कार्य करेगी उतना ही सत्ता से दूर रहेगी.

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए 67 को नोटिस

कांडी(गढ़वा)। बाजार की सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने को लेकर अंचल प्रशासन सख्त है. सीओ राकेश सहाय ने जानकारी देते हुए बताया कि कांडी बाजार की सरकारी भूमि पर चिन्हित 67 लोगों को नोटिस भेजा गया है. थाना के माध्यम से नोटिस का तामिला किया जा रहा है. सभी को बुधवार तक किए गए अतिक्रमण को स्वयं से हटाने का सख्त निर्देश दिए गए हैं. अन्यथा शनिवार को प्रशासन बलपूर्वक हटाने को बाध्य होगी. अगर अतिक्रमण को प्रशासन हटाती है तो उसका खर्च भी उन्हें देना पड़ेगा. ज्ञात हो कि बाजार की 78 डिसमिल को कांडी के विभिन्न लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है. जिन्हें नोटिस भेजा गया है उनमें संतोष कुमार, विनोद प्रसाद, गया ठाकुर, अनिल प्रसाद, विकास कुमार, जयमालुद्दीन राईन, अनवर खलीफा, दिनेश प्रसाद आदि है.

न्यूज अपडेट

कुड़ू प्रखंड कार्यालय परिसर में लगा आम उत्सव

कुड़ू/लोहरदगा। जिले के कुड़ू प्रखंड मुख्यालय परिसर में सोमवार को बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया. जिसका उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, कुड़ू सीओ मधुश्री मिश्रा और बीडीओ प्रवेश कुमार साव के द्वारा संयुक्त रूप से किया. इस बीच मेले में विभिन्न पंचायतों के किसानों द्वारा अपने-अपने बगान से लाये गए आम के स्टॉल लगाये गये. यहां पर स्टॉल का निरीक्षण करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार ने आम की वेराइटी तथा लागत के बारे मे विस्तार से चर्चा की और जानकारियां लीं. तत्पश्चात उन्होंने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत ग्रामीणों को निःशुल्क आम बागवानी योजना का लाभ दिया गया है .

स्टॉल का निरीक्षण करते एसडीओ व अन्य.

सीओ से पीएम किसान सम्मान निधि योजना दिलाने की मांग

कुड़ू/लोहरदगा। जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिलने से किसानों में नाराजगी है. इस मसले को लेकर कुड़ू सीओ मधुश्री मिश्रा से मिलकर उन्हें संज्ञान में देते हुए न्यायसंगत कार्रवाई किए जाने की लिखित आवेदन दिया.इस मौके पर प्रखंड के सैकड़ों किसान मौजूद थे. लेकिन सीओ मधुश्री मिश्रा के नहीं रहने से लोगों को बैरंग वापस लौटना पड़ा. इधर इस मामले को लेकर सीओ मधुश्री मिश्रा से यथाशीघ्र पहल करते हुए पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने हेतु मांग की है. सीओ से मांग रखे जाने वालों में मुख्य रूप से सहिना खातुन, नुरेसा खातुन, अरमान खान, सद्दाम अंसारी, सनाउल्लाह खान, मोजीबुर्रमान अंसारी आदि शामिल थे.

कुड़ू प्रखंड के सीओ से मिलने पहुंचे किसान.

कैरो के हनहट में प्रसिद्ध रथ मेला हुआ संपन्न

कैरो/लोहरदगा। जिले के कैरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हनहट गांव में ऐतिहासिक रथ मेला हर्षोल्लास के साथ हुआ सम्पन्न. यहां पर मेले में भगवान जगन्नाथ,भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ पर सवार होकर मौसी बाड़ी पहुंचे.आयोजन समिति के मोहन साहू, शशिकान्त सिंह, विकास भगत, सीताराम महतो, गोविंद महतो, विनोद सिंह,श्याम सुन्दर उरांव, हरिहर यादव, बालेश्वर साहू, बसंत महतो, सीताराम महतो, विष्णु उरांव, सुनील यादव इत्यादि ने बताया कि यह रथ मेला आजादी के वर्षो पूर्व से लगते आ रहा है. मेला स्थल देवी मंडप के पास सुबह से ही भगवान जगन्नाथ,भाई बलभद्र और वहन सुभद्रा की पूजा अर्चना के हेतु आस-पास के गांव टाटी, सढाबे, खरता, गितिलगढ़, ईटरा, चड़रा, फुलसूरी, महुगांव, गणेशपुर, मेलानी, सिलागाई, सोंस, पतरातू के श्रद्धालु इकट्ठा होने लगते हैं.कैरो बीडीओ छन्दा भट्टाचार्य एवं थाना प्रभारी नीरज झा से सुरक्षा के इंतजाम पर पूछे जाने पर पदाधिकारी ने बताया की प्रखंड की ओर से सहायक अभियंता राजीव कुमार एवं थाना की ओर से संजय कुमार सिंह के साथ थाना बल की भी मेले में सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किये गये थे.

दिव्यांग बच्चों को उपकरण उपलब्ध कराए गए

लोहरदगा। समावेशी शिक्षा के तहत समग्र शिक्षा अभियान लोहरदगा एवं एलिम्को भुवनेश्वर के संयुक्त तत्वावधान में जिले के सभी प्रखंड में दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण प्रदान किया जा रहा है. सदर प्रखंड में शिविर का आयोजन कर दिव्यांग बच्चों का जांच कर आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु दिव्यांग बच्चों को सूचीबद्ध किया गया. साथ ही विगत वर्ष में चिन्हित 17 बच्चों के बीच सहायक उपकरण वितरित किया गया. वितरित उपकरण में सेरेब्रलपाल्सी वाले चार बच्चों को हियरिंग एड प्राप्त हुआ. . मौके पर एलिम्को भुवनेश्वर से विश्वरंजन महापात्रा,ऑडियोलॉजिस्ट अविनाश कुमार, डाटा ऑपरेटर विपीन सविता, तकनीशियन सुधीर कुमार, बीपीओ मंजू कुमारी, रिसोर्स शिक्षक सिलवंती मिंज, सोनामती कुजूर एवं थेरेपिस्ट मोहम्मद तैयब अंसारी, धीरज कुमार, सीमा कुमारी, श्यामा मिश्रा व बड़ी संख्या में बच्चे व उनके अभिभावक उपस्थित थे.

बच्चों के बीच उपकरण वितरण करते लोग.

कर्मचारी महासंघ का जिला सम्मेलन 22 सितंबर को

लोहरदगा। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जिला शाखा लोहरदगा के सक्रिय कार्यकर्ताओं की बैठक सहकारिता भवन परिसर लोहरदगा में मुमताज अहमद की अध्यक्षता में हुई. जिसमें सर्वसम्मति से दिनांक 22 सितंबर को जिला महासंघ लोहरदगा का सम्मेलन कराए जाने का निर्णय लिया गया. इस बीच सम्मेलन का स्वागत शैलेन्द्र कुमार सुमन, स्वागत सचिव महेश कुमार चौहान, कोषाध्यक्ष रउफ अंसारी तथा सदस्य के रूप में जिला महासंघ के सभी पदाधिकारी,संघों, यूनियनों के सभी जिलाध्यक्ष एवं सचिव तथा सभी सक्रिय कार्यकर्ता निर्वाचित किए गए. बैठक में निर्णय लिया गया कि निर्णय लिया गया कि अगली बैठक 20 जुलाई को समाहरणालय के समीप होगी. इधर सम्मेलन में कुल चार सौ प्रतिनिधि एवं प्रेक्षक भाग लेंगे. बैठक में महेश कुमार सिंह आदि शामिल थे.

बैठक करते महासंघ के पदाधिकारीगण.

गायत्री परिवार ने चंदकोपा में किया गया पौधरोपण

लोहरदगा। तरूमित्र पूजन के साथ युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार द्वारा सेन्हा प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय चांदकोपा मैदान में 41 बीजू आम के पौधों का रोपण किया गया. पौधे की मवेशियों से सुरक्षा के लिए बांस की जाली बनाकर घेराबंदी की गई. यहां पर तरूमित्र पूजन के अंतर्गत पेड़ लगाने से पहले पौधे का विधिवत पूजन एवं संरक्षण का संकल्प स्थानीय ग्राम वासियों के द्वारा लिया गया. जो समय-समय पर खाद, पानी, दीमक, चींटी एवं गाय बकरी से उसकी रक्षा करेंगे. इस बीच गांव के सदस्यों में विनोद साहू,निवास साहू,गोपाल साहू अभय साहू,भोला साहू, रामोतार साहू,दयाशंकर साहू,रामजतनराम,बबलू राम, प्रजापति, विपिन साहू, राजेश साहू, विनय कुमार केशरी, प्रवीण साहू ने पेड़ को बच्चे की तरह गोद लेकर देख-भाल करने की बात कही है. मौके पर संजू वर्मा, हिमांशु वर्मा, विनय वर्मा, रवि गुप्ता, प्रो गोविंद साहू, प्रतिमा साहू, इंदु देवी, आरती देवी समेत अनेकों गणमान्य का स्वागत तिलक वंदन एवं उनके हाथों पौधे का रोपण कराकर किया गया.

पौधरोपण करते गायत्री परिवार के लोग.

शिक्षको में आपसी सहमति नहीं होने से स्कूल की पढ़ाई चौपट

प्रधानाध्यापिका से बात करता प्रतिनिधिमंडल.

संवाददाता। कांडी (गढ़वा)

मुख्यालय स्थित उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय में कभी पढ़ाई और अनुशासन में जिला में एक नंबर में आता था. आज वहीं विद्यालय सभी संसाधन के बाद भी पढ़ाई विहीन अनुशासनहीन झगड़ा फसाद और राजनीति का आड्डा बन गया है. विगत लगभग पांच वर्षो से शिक्षको में आपसी सहमति नहीं होने से स्कूल का पढ़ाई पूरी तरह चौपट है. अनुशासन और संस्कार की बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षक ही संस्कार विहीन हैं. विद्यालय में लगातार कभी शिक्षक कभी छात्रों की लड़ाई नोक झोंक की शिकायत नियति बन गई है. समय से छात्रों का नामांकन समय से टीसी वितरण, विकास मद राशि की हेरा फेरी, उपस्थिति पंजी में अनियमितता आदि कई लगातार शिकायत मिल रही है. उक्त बात की जानकारी भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रामलला दुबे ने दी है. इस शिकायत पर भाजपा का एक प्रतिनिधि मंडल स्कूल में जाकर प्रधानाध्यापिका से इस विषय पर बात की.अध्यापिका ने कहा कि मैं जब से प्रभार में हूं स्कूल को बेहतर करने का प्रयास कर रही हूं. लेकिन कुछ शिक्षक हमारी बात नहीं सुनते स्कूल अनुशासन को भंग करते हैं. ताज्जुब की बात है कि स्कूल की सारी शिकायत से जिला शिक्षा पदाधिकारी अवगत हैं. फिर भी कोई कार्रवाई नहीं और ना ही कोई सुधार हो रहा है.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुखेर भगत पर पार्टी विरोधी कार्य करने का आरोप

आदिवासियों को गुमराह करना बंद करे एनडीए : जगदीप भगत

संवाददाता। लोहरदगा

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव में जिला अध्यक्ष सुखेर भगत एवं जिला के अन्य नेताओं के खिलाफ पार्टी विरोधी कार्य करने का आरोप साक्ष्य के साथ लगाया था. उक्त बातें झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सह बिशुनपुर विधानसभा के प्रभारी जगदीप भगत ने कहा कही.

उन्होंने कहा कि इन्हीं बातों को लेकर आपसी विवाद हुआ था. फिर पर्यवेक्षक ने मामला को पटाक्षेप किया था. मामला समाप्त होने के बाद भी कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुखेर भगत ने कांग्रेस संविधान के खिलाफ जाकर एक राजनीतिक साजिश के तहत कई कांग्रेसियों पर थाने में जाकर झूठा एवं मनगढ़ंत बातों को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है. इनका कृत उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली है.उन्होंने कहा कि आरोप इन्हीं पर लगाया गया था, जबकि कांग्रेस संविधान के तहत कांग्रेस के अंदरूनी मामलों को उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखना था. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अंदरूनी मामला को लेकर भाजपा एवं आजसू पार्टी ने सुखेर भगत के समर्थन में जो आंदोलन कर रहे हैं, वह गलत है. इस बात से यह साबित होता है कि समीक्षा के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष पर भाजपा आजसू से मिलकर पार्टी विरोधी कार्य करने का आरोप सही है. दूसरी ओर भाजपा और आजसू को पूरे झारखंड में आदिवासी समुदाय ने पुरजोर विरोध किया और इंडिया गठबंधन के पक्ष में समर्थन किया एवं लोकसभा चुनाव में आरक्षित पांचों लोकसभा सीटों से विजय प्राप्त हुआ. इसी बात से घबराकर यह दल झूठा आदिवासी प्रेम दिखला रहे हैं, उन्होंने कहा कि भाजपा और आजसू पार्टी का सुखेर भगत के समर्थन में घड़ियाली आंसू बहाने से इन्हें कुछ हासिल नहीं होगा, बेहतर यह है कि अपने गिरते हुए साख पर आत्म चिंतन करें.

कांग्रेस नेता जगदीप भगत.

खास बातें

- सुखेर का मामला पार्टी का है, भाजपा का आरोप झूठा
- सुखेर भगत के नाम पर एनडीए घड़ियाली आंसू बहा रहे है

समस्या तिसिया ग्राम में हर घर नल-जल योजना चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

बरसात में भी पीने की पानी को लेकर तरस रहे हैं तिसिया के लोग

नेहाल अहमद। किस्को/लोहरदगा

बरसात के मौसम में भी किस्को प्रखंड के ग्राम पंचायत पाखर पठारी क्षेत्र में पीने के पानी के लिए ग्रामीणों को प्रतिदिन इधर-उधर भागदौड़ करना पड़ रहा है. किसी तरह पेयजल की व्यवस्था पा रहा है. पाखर पंचायत के ग्राम तिसिया गांव के लोग पेयजल विभाग की उदासीन रवैया से आज भी कुएं एवं नदी का पानी पीने को मजबूर हैं. उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जनहित में पेयजल की गंभीर समस्या से जनता को जूझना नहीं पड़े इसे लेकर पानी की तरह पैसा बहा रही है. यहां पर हर घर नल-जल योजना के तहत हर घर जल पहुंचने का सराहनी कार्य किया गया है, परंतु संवेदक और विभागीय लापरवाही के कारण गांव में लगा जलमीनार शोभा की वस्तु बनकर रह गया है. ग्रामीणों का कहना है कि जब से जलमीनार बना है तब से आधे घरों में पानी की आपूर्ति होती है,आधे में नहीं. जिसके कारण हम लोगों बाहर से पानी लाकर काम चलाना पड़ रहा है.

नल-जल योजना चढ़ चुका है भ्रष्टाचार की भेंट : लोगों को भरपूर मात्रा में पीने की पानी मिल सके इसे लेकर नल-जल योजना के तहत हर घर को पाइपलाइन बिछाकर पानी उपलब्ध कराया जाना है, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है. यहां पर आधे से अधिक आबादी को आज भी नल-जल योजना से पाइपलाइन का कनेक्शन नहीं हो पाया है. बात करें नल-जल योजना की तो धरातल पर योजना को उतारा जरूर गया है लेकिन एक भी नल-जल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से नहीं कराया गया है. इससे साफ जाहिर होता है कि नल-जल योजना में विभागीय अधिकारी और कर्मी एवं संवेदक द्वारा मिलीभगत कर किस तरह से लीपापोती कर सरकारी राशि को बंदरबांट किया गया होगा.

नदी से पानी लाती तिसिया गांव की बच्चियां.

बाहर का पानी पीने से लोग हो रहे बीमार

इधर दूषित पानी पीने से गांव वालों को तरह-तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि सरकार की ओर से पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग को दी जाने वाली सरकारी राशि का योजनाओं को मूर्त रूप देने में गुणवत्तापूर्ण हेतु शत-प्रतिशत खर्च नहीं कर के बंदरबांट क्यों कर दिया जाता है.

सामाजिक संवेदना के कवि केदारनाथ सिंह की याद में गोष्ठी का आयोजन

आज की राजनीति अंधविश्वास को दे रही है बढ़ावा:शिव शंकर

संवाददाता। मेदिनीनगर

आधुनिकता का मतलब वैज्ञानिकता है. यह कहना शत प्रतिशत ठीक नहीं होगा. आधुनिकता में जब फैशन का समावेश होता है तो वहां बाजार आ जाता है. बाजार के डिक्टेशन पर हम वैज्ञानिक वस्तुओं का इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन अंधविश्वास की क्रियाओं में शामिल भी होते हैं. अंधविश्वास का संबंध हमारी आर्थिक स्थिति पर भी निर्भर करता है. उक्त बातें इप्टा द्वारा संचालित संस्कृतिक पाठशाला की 46वीं कड़ी में सामाजिक संवेदना के कवि केदारनाथ सिंह की जयंती पर आधुनिकता, वैज्ञानिकता एवं अंधविश्वास" विषय पर आयोजित परिचर्चा के दौरान ज्ञान विज्ञान समिति के प्रांतीय अध्यक्ष सह प्रगतिशील लेखक संघ के उपाध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने कही. शिक्षक संघ के अच्छे लाल प्रजापति ने केदारनाथ सिंह की साहित्यिक रचनाओं से परिचित कराते हुए कहा कि केदारनाथ सिंह की रचनाएं आधुनिकता एवं वैज्ञानिकता पर आधारित है.

संगोष्ठी को संबोधित करते वक्तागण.

सीओ व चिकित्सा प्रभारी की शुरुआती जांच में केंदुआ मोड़ स्थित मां अंबे सेवा सदन का संचालन संदेह के घेरे में पाया गया

उपायुक्त के निर्देश के बाद अल्ट्रासाउंड केंद्रों में औचक छापामारी

संवाददाता। चौपारण

उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश के बाद प्रखंड में संचालित अवैध अल्ट्रासाउंड क्लीनिक की छानबीन को लेकर सीओ सजंय यादव व चिकित्सा प्रभारी भुनेश्वर गोप ने प्रखंड की दो निजी क्लीनिकों में छापेमारी की. इस संबंध में सीओ संजय यादव व चिकित्सा प्रभारी भुनेश्वर गोप ने बताया कि सोमवार को एसएमएम मेमोरियल हॉस्पिटल चौपारण और मां अम्बे सेवा सदन केंदुआ मोड़ में अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन के संचालन को लेकर जांच की गई.

सीओ सजंय यादव व चिकित्सा प्रभारी भुनेश्वर गोप ने प्रखंड की दो निजी क्लीनिकों में छापेमारी की.

इस दौरान एसएम मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक ने बताया कि सोमवार को चिकित्सक नहीं आते हैं इसलिए हॉस्पिटल आज बंद है. वहीं अल्ट्रासाउंड का रजिस्ट्रेशन पाया गया. भ्रूण जांच का कोई प्रमाण नहीं मिला. वहीं केंदुआ मोड़ स्तिथ मां अंबे सेवा सदन जब हमलोग पहुंचे तो वहां अंदर से क्लीनिक का दरवाजा बंद कर दिया गया. वहीं बाहर के कुछ लोग भाग गए. जब जबरन दरवाजा खोलवाया गया तो एक एएनएम निकली. उससे पूछताछ करने पर संचालक का नाम भीम कुमार बताया गया. वहीं क्लीनिक संचालन से संबंधित कागजात की मांग की गई तो वह किसी भी तरह का पेपर नहीं दिखा पाई. क्लीनिक में एक मरीज भी भर्ती पाया गया, जिसका बंद कमरे में इलाज चल रहा था. उसके द्वारा ऑनर का फोन नंबर भी नहीं दिया गया. एक कमरा बंद पाया गया. पूछने पर एएनएम ने बताया कि यह ओटीटी रूम है, लेकिन चाभी मांगने पर नहीं दिया गया, जिसमें अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन होने की सूचना मिली है.

फिलहाल एएनएम को संचालक को सूचना देकर सारा लीगल डॉक्यूमेंट दिखाने को कहा गया. यदि संचालक डॉक्यूमेंट दिखाने में असमर्थ रहता है तो क्लीनिक को सील किया जाएगा. उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में मां अम्बे सेवा सदन का वैध संचालन संदेह के घेरे में प्रतीत होता है. वहीं उन्होंने कहा कि बहुत जल्द और भी कई क्लीनिकों में औचक छापेमारी की जाएगी. बता दें कि चौपारण के सरकारी अस्पताल के इर्द-गिर्द से लेकर पांडेयबारा तक कई क्लीनिक अवैध तरीके से संचालित हैं, जहां भ्रूण जांच की शिकायत अक्सर प्रकाश में आती रहती है.

जैन मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

जैन मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज का स्वागत करते लोग.

संवाददाता। हज़ारीबाग

जैन मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज एवं मुनिराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हज़ारीबाग की पावन धरती पर किया गया. नगर भ्रमण के दौरान जैन मुनि का स्वागत व अभिनंदन गुरु गोविंद सिंह रोड, अन्नदा चौक स्थित प्रभु निवास मार्केट के समीप भाजपा नेता अभिमन्यु प्रसाद अपने परिवार के साथ किया. अभिमन्यु की माता गीता प्रसाद सहित पूरा परिवार जैन मुनि की आरती उतार कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया. वहीं अभिमन्यु प्रसाद ने कहा कि बहुत ही सौभाग्य की बात है कि हमलोगों ने जैन मुनि के स्वागत के लिए सभी वर्ग के लोग पहुंचते हैं.

ब्रीफ खबरें

पत्नी की हत्या का आरोपी भेजा जेल

हजारीबाग। मुफ्फसिल थाना पुलिस ने पत्नी की हत्या के आरोपी बालों गोप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. थाना प्रभारी कुणाल कुमार ने बताया कि गुड़वा गांव में छह जुलाई की रात आरोपी ने शराब के नशे में अपनी पत्नी मुन्नी देवी पिटाई की, जिससे आहत होकर सुबह पत्नी ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली थी. मृतका के भाई चतरा जिला दुवारी निवासी मेघन गोप ने थाने में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया था. इसके बाद पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

कारीमाटी को मिला ट्रांसफार्मर, लोग खुश

विष्णुगढ़। प्रखंड अंतर्गत ग्राम गडरबारा के आदिवासी टोला कारीमाटी को डेढ़ महीने बाद नया ट्रांसफार्मर मिल गया. इसके लिए पूर्व पंसस व सामाजिक कार्यकर्ता तथा पूर्व जिप सदस्य जय प्रकाश सिंह पटेल को काफी मशक्कत करनी पड़ी. बीते 20 मई को विद्युत ट्रांसफार्मर जल गया था. इसके बाद ग्रामीणों ने पूर्व पंचायत समिति सदस्य सह सामाजिक कार्यकर्ता चुनूलाल सोरेन से नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने का आग्रह किया. उन्होंने इस बावत विभाग के कनीय अभियंता से फोन पर बात की. सोरेन ने कहा कि उन्हें आश्वासन जरूर मिला, मगर बाद में फिर कनीय अभियंता ने उनका कॉल तक नहीं उठाया. तत्पश्चात उन्होंने पूर्व जिला परिषद सदस्य जयप्रकाश सिंह पटेल को इसकी जानकारी दी. दोनों के अथक प्रयास से 2 जुलाई को ट्रांसफार्मर मिल गया. 8 जुलाई को इसका उद्घाटन नायके रघु मांझी तथा पूर्व पंसस चुनुलाल सोरेन ने संयुक्त रूप से किया.

बिराखाप स्थित स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

शहीद तापस सोरेन का 16वां शहादत दिवस मनाया गया

संवाददाता। चरही (हजारीबाग)

प्रखंड की चरही पंचायत अंतर्गत बिराखाप गांव में सोमवार को शहीद तापस सोरेन का 16वां शहादत दिवस मनाया गया. शहीद तापस सोरेन के बिराखाप स्थित स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया. मौके पर लोगों ने शहीद तापस सोरेन अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा तापस सोरेन का नाम रहेगा जैसे नारा लगाए. इसके पश्चात महिला -पुरुष रैली के माध्यम से कासियादडीह होते हुए चरही बस्ती, चरही लाल बंगला, चरही कॉलोनी होते हुए चरही बाजार टांड स्थित शहीद तापस सोरेन के स्मारक स्थल पर पहुंचे. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मांडू विधानसभा के युवा समाजसेवी आनंद सोरेन व विशिष्ट अतिथि चरही मुखिया संझली मुर्मू, झारखंड आदिवासी दलित महालाल हांसदा, चरही के पूर्व मुखिया महादेव सोरेन थे. मौके पर मांडू विधानसभा के युवा समाजसेवी आनंद सोरेन ने कहा कि शहीद तापस सोरेन समाज के लिए मार्गदर्शक थे. चरही मुखिया संझली मुर्मू ने कहा कि हमें भी शहीद तापस सोरेन के जैसे अन्याय खिलाफ लड़ने की जरूरत है. महालाल हंसदा ने कहा कि सच्चाई का मार्ग पर चलकर अपने हक व अधिकार को नही छोड़ना चाहिए. महादेव सोरेन ने कहा कि तापस सोरेन द्वारा जीवन में उनके द्वारा किये गए अच्छे कार्य को अनुपालन करने की जरूरत है.

शहीद तापस सोरेन के शहादस दिवस पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया.

कसियाडीह ने जीता शहीद तापस सोरेन स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट

शहीद तापस सोरेन के शहादत दिवस पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. शहीद तापस सोरेन का शहादत दिवस के मौके पर चरही बाजार टांड स्थित शहीद तापस सोरेन के स्मारक पत्थर पर पहुंच कर श्रद्धा अर्पित किया गया. इसके बाद सिधु कान्हू फुटबॉल मैदान कासीयाडीह में शहीद तापस सोरेन स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट में फाइनल मैच कासियाडीह बनाम हज़ारीबाग़ टीम के बीच खेला गया, जिसमें कसियाडीह ने हज़ारीबाग़ टीम को 2- 0 से पराजित किया. मौके पर विजेता टीम को बड़ा शील्ड व जर्सी देकर व उपविजेता टीम हज़ारीबाग़ को जर्सी व शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया. वहीं टूर्नामेंट में भाग लेने वाली छह टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर चरही पूर्व मुखिया महादेव सोरेन, झारखंड आदिवासी दलित मंच के संयोजक महालाल हंसदा, मनोज हांसदा, फिलन होरो, दिनेश्वर रविदास, दिनेश भुइंया, मुकेश भुइंया, वार्ड सदस्य प्रकाश टुडु, सितमुनि मुर्मु, ताहाराम हेम्ब्रोम, तालो हेम्ब्रोम, आनंद सोरेन, रामदेव सोरेन, दिलीप सोरेन, हेमलाल सोरेन, राजू सोरेन, कैला मांझी, चारो सोरेन, तालो सोरेन, राजेंद्र सोरेन, सतेंद्र सोरेन, फ्रांसिस सोरेन, लालू सोरेन, देवरंजन हेम्ब्रोम, बिनोद सोरेन, आनंद सोरेन, प्रदीप बेसरा, शांति हंसदा, वार्ड सदस्य सीतामुनी मुर्मू, परसा महतो, सुशांत हेम्ब्रोम, राकेश हेम्ब्रोम, देवनारायण हंसदा, पार्वती मरांडी, सीताराम प्रजापति, शिवराम सोरेन, दीपक प्रजापति, बीरेंद्र सोरेन, मार्सेल बेसरा, आशीष हंसदा, अतीत हंसदा, आनंद हेम्ब्रोम, लाजरुष सोरेन, राकेश सोरेन, दिलीप टुडु, बिशून मुर्मु ब्रजेश सोरेन, एरिक आलोक किस्कु, अनूप तिग्गा, द्रविड़, अमर सोरेन, अमन, अरमान, मनोहर सोरेन, कांतीलाल हंसदा, संजय सोरेन, समीर हंसदा, प्रदीप बेसरा, रितेश हंसदा, चंचल हंसदा, शिव नारायण हंसदा, राजेश टुडु, संजय टुडु, तुलेश्वर, रोहित प्रजापति, सुनील सोरेन, शंकर किस्कु सहित अन्य शामिल थे.

पोशाक वितरण में गड़बड़ी का विरोध करने पर किया गया था निलंबित

निलंबन मुक्त हुई प्रभारी प्रधानाध्यापिका

संवाददाता। हजारीबाग

जांच के बाद उपायुक्त ने उन सभी शिक्षको को निलंबन मुक्त कर दिया है, जिनके विद्यालय से पोशाक में बरती गई अनियमितता को लेकर शुभम संदेश में खबरें प्रकाशित हुई थीं. पोशाक वितरण में गड़बड़ी का विरोध करने पर आधा दर्जन प्रभारी प्रधानाध्यापक सहित अन्य को निलंबित किया गया था. इनमें एक प्रभारी प्रधानाध्यापिका कटकमसांडी लुपूंग स्थित मध्य विद्यालय कन्या के अजमेरी खातून भी थी.

सहायक अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष चंदन मेहता भी इसी विद्यालय के शिक्षक है और चंदन मेहता को जिला शिक्षा अधीक्षक की अदावत के बाद बलि का बकरा प्रभारी प्रधानाध्यापक को बनना पड़ा था. सोमवार को निलंबन मुक्त होने के बाद जैसे ही अजमेरी अपने विद्यालय पहुंची, उनका गांजे बाजे के साथ स्वागत किया गया. विद्यालय के शिक्षकों के साथ ग्राम सभा अध्यक्ष, मुखिया, बड़ी संख्या में अभिभावकों ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया. विद्यालय में योगदान देने पर सम्मानित करने के दौरान अभिभावकों ने बताया कि सच की जीत होती है और उपायुक्त ने इस बात को समझा. सम्मानित करने वालों में अभिभावकों के अलावा मुखिया, भारतीय नव युवक संघ, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रदीप मिश्रा, रीना तिर्की, किशोर भारती, पुष्पा कुमारी, रीतलाल मेहता, चंपा मेहता, विनय कुमार, ऋषि रंजन, इंद्रजीत कुमार दास, आलोक रंजन मेहता सहित विद्यालय के शिक्षक व अन्य शामिल रहे.

प्रभारी प्रधानाध्यापिका अजमेरी खातून का स्वागत करते शिक्षक व अन्य.

हर राज्य में हिमंता विश्व शर्मा जैसा सीएम होना चाहिए: राणा

संवाददाता। हजारीबाग

नव झारखंड फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा से मुलाकात की. इस संबंध में किशोरी राणा ने बताया कि अगर देश में मुख्यमंत्री कोई है तो वह है हिमंता विश्व शर्मा हैं. वह अपने राज्य में अपने दायित्व को निभा रहे हैं.

उन्होंने प्रशंसा करते हुए यह भी कहा कि हर राज्य में ऐसा मुख्यमंत्री होना चाहिए जो आपदा के समय प्रभावित क्षेत्रों में दिन रात राहत और बचाओ कार्यों में लगे हैं. अधिकारियों के साथ स्वयं उपस्थित रहकर सेवा करते हैं. उन्होंने बताया कि नव झारखंड फाउंडेशन क़ी तीन सदस्यों क़ी टीम गुवाहाटी गई थी, ताकि वहां के चाय बगानों में कार्यरत झारखंडियों क़ी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से

किशोरी राणा

चर्चा क़ी जा सके. टीम ने पाया कि लगातार छह दिन से मुख्यमंत्री अपने कार्यालय और मुख्यालय से दूर विभिन्न जिलों में बाढ़ पीड़ितों के बीच सेवा कार्य कर रहे हैं और सामान्य प्रशासनिक कार्यों को फोन पर निर्देश देकर संपादित कर रहे हैं.

बताते चले कि पूर्वोत्तर राज्य असम पूरी तरह से बाढ़ में डूब गया है, जिससे बचने के लिए लोग अपने घरों से निकलने के लिए मजबूर हो गए हैं. इस बाढ़ में 29 जिलों में 25 लाख से अधिक आबादी प्रभावित हुई है.

मंत्री बनने पर इरफान अंसारी को दी बधाई

हजारीबाग। जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता सह जिला 15 सूत्री कार्यक्रम क्रिय न्व य न समिति के सदस्य निसार खान ने जामताड़ा के विध ाय क

इरफान अंसारी

इरफान अंसारी को नए मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मंत्री इरफान अंसारी को हार्दिक बधाई दी है. खान ने अपने बधाई संदेश में आशा व्यक्त की है कि आम जनता की समस्याओं को नवनियुक्त मंत्री इरफान अंसारी अपने संज्ञान में लेते हुए शीघ्र ही समाधान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे.

बाइक सवार दंपती से 2.23 लाख भरा बैग छीनकर भागे

- आईडीबीआई बैंक से पैसा निकालने के बाद शिवपुरी जा रहा था भक्तभोगी दंपती

संवाददाता। हजारीबाग

शहर में अपराधी अब पुलिस थाने के समीप भी छिनतई करने से गुरेज नहीं कर रहे हैं. सोमवार दोपहर करीब 12 बजे लोहसिंघना थाने के सामने शिवपुरी रोड में 2.23 लाख रुपये की छिनतई का मामला सामले आया है. थाने से महज 50 मीटर दूर लोहसिंघना इमामबाड़ा के पास घात लगाए अपराधियों ने अपने रिश्तेदार को देने जा रहे को पैसे दपंती से छीनकर फरार हो गए.

भुक्तभोगी दंपती शादी के सिलसिले में इंद्रपूरी चौक स्थित आईडीबीआई बैंक से पैसा निकालने के बाद अनंदा चौक गए थे. वहां बैंक का स्टेटमेंट लेने के बाद डेली मार्केट गए और फिर ओकनी तालाब होकर शिवपुरी पैसे देने जा रहे थे, इसी बीच यह घटना हो गई. भुक्तभोगी कटकमसांडी के लुपूंग निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि इमामबाड़ा के समीप मोटरसाइकिल लेकर खड़े अपराधियों ने उनकी पत्नी के पैर से मोटरसाइकिल सटाया और हाथ से झपट्टा मारकर रुपये से भरा बैग ले भागा. घटना के बाद वह दौड़ा और पीछा करने का भी प्रयास किया, परंतु छिनतई करने वाले कल्लू चौक की ओर से तेजी से भाग निकले. इस दौरान साथ मोटरसाइकिल पर बैठी महिला भी गिर कर घायल हो गई. इस बाबत लोहसिंघना थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गई है. पुलिस मामले की जांच करने का प्रयास किया और थाने के बाहर लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगालने का प्रयास किया, परंतु सफलता नहीं मिल सकी.

भव्य कलश यात्रा के साथ प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ शुरू

केरेडारी। प्रखंड के कराली पंचायत अंर्तगत जोको गांव में सोमवार को श्री श्री 1008 पांच दिवसीय यज्ञ सह हनुमान प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया. कलश यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव, जिला परिषद अनिता सिंह, बड़कागांव विस सभा प्रभारी रौशन लाल चौधरी भाजपा नेता बालेश्वर कुमार शामिल हुए. यज्ञ समिति के सचिव मुकेश वर्मा ने बताया कि 9 जुलाई से तीन दिन तक अंजनी गोस्वामी, नंदनी गोस्वामी के द्वारा प्रवचन कथा के साथ साथ भव्य झांकी का आयोजन किया जाएगा. मौके पर समिति के अध्यक्ष महादेव साव, सचिव मुकेश वर्मा, कोषाध्यक्ष संजय तिवारी, विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, आजसू प्रखंड अध्यक्ष बैजनाथ महतो, कंचन यादव आदि सैकड़ो महिलाएं व पुरुष शामिल हुए.

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा करेगा हल्ला बोल

भाजपा महिला मोर्चा की बैठक में शामिल महिलाएं.

संवाददाता। हजारीबाग

झंडा चौक, विशेश्वर दयाल पथ स्थित जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के जिला महिला मोर्चा की बैठक सोमवार को जिला अध्यक्ष रेणुका साहू की अध्यक्षता में हुई. बैठक में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश प्रभारी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य शकुंतला जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह उपस्थित हुए. बैठक में हेमंत सोरेन सरकार की विफलताओं, महिलाओं के उत्पीड़न, अत्याचार एवं शोषण के विरुद्ध सड़क पर उतरकर हल्ला बोल आक्रोषपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया. यह कार्यक्रम 14-जुलाई तक कर किया जाना है. इसमें लगभग 500 सदस्य शामिल होंगी. बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष बिजुल देवी, वरिष्ठ नेत्री रतन सिंहा, महामंत्री सत्यभामा, जिला उपाध्यक्ष लीलावती देवी, किरण यादव, ज्योत्सना देवी आदि मौजूद थे.

उपायुक्त की अध्यक्षता में विभिन्न परियोजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता। रामगढ़

राजस्व संबंधित कार्यों, आधारभूत संरचना तथा विभिन्न परियोजनाओं को लेकर सोमवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई. इसमें भारतमाला परियोजना, वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस-वे परियोजना, राष्ट्रीय राजमार्ग 33, बरलांगा कसमार सड़क निर्माण सहित अन्य सड़क निर्माण संबंधित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने योजनावार मुआवजा भुगतान की स्थिति की जानकारी ली.

उपायुक्त ने कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया. वहीं संबंधित क्षेत्रों के अंचल अधिकारियों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया संबंधित ग्राम सभा के आयोजन सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए. बैठक के दौरान उपायुक्त ने जुडको, पथ निर्माण विभाग, पीवीयूएनएल, टिस्को, सीसीएल सहित अन्य परियोजनाओं के अधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई कर उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए. उपायुक्त ने अंचलवार अंचल अधिकारियों से उनके उनके क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि सहित अन्य मामलों के तहत हो कार्यों की जानकारी लेने के मामलों पर कार्रवाई करते हुए ससमय उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं से जिला प्रशासन को नियमित रूप से अवगत कराने का निर्देश दिया. कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के साथ समन्वय करते हुए दिसंबर माह तक हर घरों में पानी की सुविधा उपलब्ध हो के संबंध में विशेष योजना तैयार करने को कहा.

समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश देते उपायुक्त चंदन कुमार.

पहल राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ग्राम स्वराज यात्रा में बोले संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष शांतनु मिश्रा

'ग्राम स्वराज के लिए ग्राम सभाओं को मजबूत करना जरूरी'

संवाददाता। रामगढ़

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ग्राम स्वराज यात्रा शांतनु मिश्रा के नेतृत्व में 20वें दिन रामगढ़ प्रखंड के बारलोग से शुरू हुई. यात्रा के माध्यम से बारलोंग धोबी टोला, मुंडा टोला बरवाडीह, छोटकी कुंदरू, बरवाडीह सरहर महुआ, परछा छापर, कुंदरुकला, नावाडीह सरईया लोधमा और छत्तर में जनसंपर्क किया गया. इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष शांतनु मिश्रा ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को अधिकार दिलाना और ग्राम सभाओं को मजबूत करना ग्राम स्वराज के लिए जरूरी है.

ग्राम स्वराज यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष शांतनु मिश्रा.

महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज की जो कल्पना की थी उसमें विकास के कामों को पंचायती राज संस्थाओं द्वारा ग्राम सभा के माध्यम से पूरे

क्या कहा

- पूर्ण अधिकार दिए बिना कार्य कराया जा रहा है
- ग्राम सभाओं को स्वतंत्र किया जाना जरूरी

अधिकार देते हुए करने की बात की, लेकिन आज पंचायती राज संस्थाओं को पूर्ण अधिकार दिए बगैर काम करवाया जा रहा है. ग्राम सभाओं को स्वतंत्र किया जाना जरूरी है.

ग्राम सभाओं के अधिकार के लिए जब तक आम जनता आवाज नहीं उठाएगी यह कभी भी पूरा नहीं हो सकता है. इसके लिए अब जन आंदोलन आवश्यक हो गया है. यात्रा में मुख्य रूप से रामगढ़ प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष दिगंबर गुप्ता, रामगढ़ नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलराम साहू, आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गगन करमाली, मांडू प्रखंड अध्यक्ष सागर महतो, धीरेंद्र सिंह, कमलेश महतो, टिंकू खान, आजाद सिंह, पर्व उप प्रमुख मजहर वारिस, सज्जाद अंसारी, आवाज खान, जनवरी मुंडा, झलकू बेदिया, मोहिब अंसारी, ताजिद अंसारी, तैयब अंसारी, कौसर अंसारी, खेमन महतो, निरंजन बेदिया, आजाद अंसारी, अंसार अंसारी आदि उपस्थित थे.

महायज्ञ : ओकनी के 7 मंदिरों में आज की जाएगी ग्राम पूजा

संवाददाता। हजारीबाग

श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ में ओकनी के सात मंदिरों में मंगलवार को ग्राम पूजा होगी. महायज्ञ संचालन समिति में शामिल वार्ड पार्षद विश्वनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि बड़ा व छोटा शिवमंदिर के अलावा ओकनी काली मंदिर, देवी मंडप, पंचमुखी हनुमान, बाबा विश्वनाथ मंदिर और दक्षिणेश्वर काली मंदिर में ग्राम पूजा होगी. वहीं बुधवार को ओकनी तालाब में पूजा-अर्चना के साथ गंगा आरती होगी. फिर करीब 801 महिलाएं सैकड़ों श्रद्धालुओं संग कलश यात्रा में शामिल होंगी. नगर भ्रमण करते हुए बुढ़वा महादेव तालाब से जल उठाया जाएगा. फिर वहां से सभी ओकनी बड़ा शिव मंदिर स्थित यज्ञ मंडप में प्रवेश करेंगे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शिक्षा में विशेष ध्यान देने पर ही विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है.

वृषभ सुख का सामान एकत्र होगा. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा.

मिथुन भाई का सहयोग मिलेगा. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क आय बहुत ही अच्छा होगी. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह किये गए कार्य का लाभ मिलेगा. सुबह से खर्च में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या आय एक समान नहीं होगी. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला किसी कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करना चाहिए.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु समय सामान्य है. सुबह का समय सामान्य होगा. ससुराल से शुभ समाचार मिलेगा. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. शनि को खुश रखें. कार्य में गति आएगी.

कुंभ घर परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. किये गए कार्य का लाभ होगा.

मीन बहुत जरूरी नही हो तो ऋण लेने से बचें. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. मंदिर में मिठाई का दान करें.

मां ने दो बच्चों के साथ कुएं में कूदकर दी जान

छतरपुर/पलामू। छतरपुर थाना क्षेत्र के खोड़ी निवासी करीमन भुईंया के पत्नी सजन्ती देवी 28 वर्ष ने अपने दो बच्चे पूनम कुमारी तीन साल, नानका कुमार एक साल के साथ क्रियाही पहाड़ के समीप एक कुएं में कूदकर जान दे दी. इस घटना में पत्नी और एक बच्चा की मौत हो गई, 64 जबकि एक बच्चा का इलाज अस्पताल में चल रहा है. पति करीमन भुईंया ने बताया कि वह सभी के साथ नावा बाजार जा रहे थे. इसी दौरान दोनों में रास्ते में कहा सुनी हो गई और उसकी पत्नी ने दो बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दिया. इधर घटना की सूचना के बाद छतरपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है. वहीं पति को भी छतरपुर थाना लाकर पूछ-ताछ कर रही है.

फाइनेंस कंपनी के 81 हजार किए गायब,दो धराये

मेदिनीनगर। आर्थिक तंगी झेल रही एक महिला एजेंट ने अपने नाबालिग भाई के साथ मिलकर फाइनेंस कंपनी के 81 हजार की राशि गायब कर दी. मामले को लूट बताकर तरहसी थाना में प्राथमिकी भी दर्ज करायी, लेकिन पुलिस अनुसंधान में सोमवार को महिला का षडयंत्र सामने आ गया. महिला को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. भाई के नाबालिग रहने के कारण उसे निरूद्ध किया गया. बाल सुधार गृह भेजा गया. महिला की पहचान पांकी थाना क्षेत्र के चांपी फुलवरिया की चांदनी कुमारी (20वर्ष) पति विक्रम सिंह के रूप में हुई है. उसके भाई की उम्र 16 वर्ष है. बताया जाता है कि चांदनी कुमारी की शादी वर्ष 2021 में हुई थी. बच्चा होने के बाद चांदनी अपने मायके में रहती थी और उसका पति बैंगलोर में मजदूरी करता है. पिता सुरेन्द्र सिंह राजमिस्त्री का काम करते हैं. पिता की कमाई से भरण पोषण नहीं हो पाता था. साथ ही कर्ज भी बहुत ज्यादा हो गया था. ऐसे में चांदनी एक फाइनेंस कंपनी के लिए काम करने लगी. गांव गांव जाकर लोन देती थी और हर 14 दिन पर लोन के पैसे वापस लेने जाती थी. आर्थिक तंगी देखकर चांदनी के मन में ख्याल आया कि जब लोन का पैसा गांव से लाकर रखते हैं तो क्यों ने उस पैसे को किसी तरह से अपने पास रखकर उधार चुकाया जाए. चांदनी ने अपने छोटे भाई से इस मामले को साझा किया और बताया कि तरहसी थाना क्षेत्र के गोइंदी समेत अन्य सेंटर से पैसा उठाने जा रही हूं.

विधानसभा चुनाव के लिए जेबीकेएसएस ने शुरू किया 'झारखंड मांगे जयराम अभियान'

इस बार झारखंड में सत्ता परिवर्तन होना तय है : जयराम महतो

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड की राजनीति में नया चेहरा बन कर उभरे जयराम महतो की पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए दम खम लगा दिया है. इस कड़ी में जेबीकेएसएस (झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति) ने झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता तक पहुंचने के लिए सोमवार से 'झारखंड मांगे जयराम' अभियान की शुरूआत की है. केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इस अभियान के जरिए झारखंड की जनता को उनके अधिकारों के लिए एकजुट किया जाएगा. आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे और झारखंडियों की अपनी सरकार बनाएंगे.

जेबीकेएसएस को जनता का समर्थन हसिल

जयराम महतो ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के परिणाम ने साबित कर दिया है कि झारखंड की जनता का समर्थन जेबीकेएसएस को हासिल है. इस बार झारखंड में सत्ता परिवर्तन तय है. उन्होंने कहा, झारखंड के नवनिर्माण के लिए जो भी कमी रह गई है, उसे पूरा कर झारखंड वासियों के सेवक बन कर कार्य करेंगे. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की. इसमें लंदन के इंपीरियल कॉलेज से पढ़ाई करने वाले बोकारो के प्रकाश कुमार ने सदस्यता ली.

झारखंड में बुलंद हो रही है बदलाव की आवाजः संजय

संगठन के उपाध्यक्ष संजय मेहता ने कहा कि नीति, योजना, शोध और विकास को देखते हुए टीम बनाकर काम करेंगे. देश और विदेशों में बेहतर काम कर रहे लोगों से संपर्क भी स्थापित किया जाएगा. झारखंड में बदलाव की आवाज बुलंद हो रही है. जनता बड़ी आशा के साथ जयराम महतो की ओर देख रही है. कहा, जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए हम पूरी ताकत के साथ इस चुनाव में भाग लेंगे और नई सरकार बना कर झारखंड के लिए बेहतर करेंगे. बस एक मकसद है, झारखंड का नवनिर्माण.

- झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता तक पहुंचने का लक्ष्य
- झारखंड की जनता को अधिकारों के लिए एकजुट करेंगे

संगठन की रणनीति पर जानकारी देते जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो व उपाध्यक्ष संजय मेहता.

उपायुक्त ने शिकायत पर की छापामारी,फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार, गया जेल

नर्सिंग होम सील, संचालक व फर्जी डॉक्टर के खिलाफ केस

- अवैध क्लिनिक संचालकों व बिना डिग्रीधारक चिकित्स क को नहीं किया जाएगा माफ
- चतरा के अवैध क्लिनिक संचालक पर बड़ी कार्रवाईडीसी ने स्वयं एमजी नर्सिंग होम में मारा छापा

संवाददाता। चतरा

जिले में लगातार यह शिकायत प्राप्त हो रही थी कि बिना डिग्री के चिकित्सक यूट्यूब का सहारा लेकर अवैध नर्सिंग होम में जाकर प्रसव जैसे कार्य को अंजाम देकर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. इस पर उपायुक्त रमेश घोलप मामले को गंभीरता से लेते हुए शनिवार देर शाम को राज नर्सिंग होम संचालक व डॉक्टर चंदन को अनुमंडल पदाधिकारी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया. गिरफ्तारी करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर दोनो को जेल भेजा गया. वहीं दूसरे मामले में उपायुक्त रमेश घोलप ने रविवार की देर शाम अनुमंडल पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ लिपदा बाईपास रोड शिव मंदिर के सामने अवैध रूप से संचालित एमजी. नर्सिंग होम में छापेमारी की. छापेमारी के क्रम में उन्होंने सभी वार्डों का जायजा लिया, जिसमें दो मरीज पाए गए. उसी क्रम में नर्सिंग होम के स्टाफ ने बताया कि मैं लगभग एक वर्ष से एमजी. नर्सिंग होम में स्टाफ के रूप में कार्य कर रहा हूं, यहां जिस भी प्रकार का ऑपरेशन होता है, वो डॉक्टर चंदन कुमार द्वारा किया जाता है. लगभग छह माह पहले एक मरीज के बच्चे का ऑपरेशन के दौरान बाहर निकाला गया, जो स्वस्थ नहीं रहने के कारण हजारीबाग भेज दिया गया. कुछ दिनों के बाद उस बच्चे की मौत हो गयी, बच्चे की मौत के बाद महिला के परिजनों ने काफी हंगामा किया. इसके बाद पूर्णिमा सिन्हा ने मामले को किस तरह दबाया, इसकी जानकारी मुझे नहीं है. इस नर्सिंग होम में नॉर्मल प्रसव से ज्यादा ऑपरेशन से प्रसव होते हैं. प्रत्येक ऑपरेशन चंदन कुमार द्वारा ही किया जाता था. डॉक्टर चंदन कुमार सिर्फ ऑपरेशन करने आते थे और चले जाते थे. ऑपरेशन के लिए लगभग 25000-30000 तक राशि ली जाती रही है.

देर रात नर्सिंग होम को किया सील

0000000000000

उपायुक्त ने दिया सख्त निर्देश

उपायुक्त ने कहा, लगातार जिले में अवैध रूप से नर्सिंग होम का संचालन हो रही थी. इसे संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई के लिए एक टीम का गठन किया गया और छापेमारी की कार्रवाई की गई. छापेमारी के प्रथम दिन एक बिना डिग्रीधारक चिकित्सक एवं नर्सिंग होम संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. संस्थान में लगे सीसीटीवी डीवीआर बॉक्स को जांच के लिए जब्त किया गया व नर्सिंग होम को देर रात ही सील कर दिया गया. साथ ही पूर्णिमा सिन्हा, चंदन कुमार एवं अन्य के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकि दर्ज की गई है. उन्होंने कहा कि अगर इसमें सदर अस्पताल के पदाधिकारी, कर्मी की संलिप्तता पाई जाती है तो उनके उपर भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

एनडीए सरकार में चार मंत्रालय संभाल चुके हैं बैद्यनाथ राम

मंत्री बनने पर बैद्यनाथ राम का स्वागत करते कार्यकर्ता.

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम ने एक बार फिर मंत्री पद की शपथ ली है. हेमंत सोरेन के जेल से आने और मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से ही यह कयास लगाया जा रहा था कि झारखंड मंत्री मंडल में फेरबदल किया जा सकता है और बैद्यनाथ राम को मंत्री बनाया जा सकता है. हालांकि पिछली बार जब बुलावा दे कर भी श्री राम को मंत्री नहीं बनाया गया तो उन्होंने अपनी नाराजगी साफ जाहिर कर दी थी और उस समय उन्हें आश्वास्त किया गया था कि उन्हें मंत्री बनाया जायेगा. बता दें कि बैद्यनाथ राम को एक अनुभवी राजनेता माना जाता है. उन्होंने एनडीए सरकार में चार-चार मंत्रालयों का दायित्व बखूबी संभाला है. हालांकि एक शिक्षक से लेकर मंत्री तक उनका सफर कम दिलचस्प नहीं है. वे सरस्वती शिशु मंदिर, लातेहार में शिक्षक थे. बाद में राजनीति में आ गये. साल 2000 के विधानसभा चुनाव में बैद्यनाथ राम भाजपा से टिकट पाने के प्रबल दावेदार थे. लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया. इसके बाद पब्लिक डिमांड में उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया. बाद में जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और विजयी हुए. तत्कालीन सरकार में उन्हें खेल मंत्री बनाया गया. बाद में उन्हें मद्य निषेध व शिक्षा मंत्री भी बनाया गया. साल 2005 में राजद के प्रकाश राम ने बैद्यनाथ राम को हराया. बैद्यनाथ राम पुनः जदयू से भाजपा में आ गये. घर वापसी के बाद 2009 विधानसभा चुनाव बीजेपी के टिकट पर लड़े और विजयी रहे. सरकार में शिक्षा मंत्री बने. 2014 में बैद्यनाथ राम विधानसभा चुनाव नहीं लड़े. साल 2019 में जब बीजेपी से उन्हें टिकट नहीं दिया तो वे झामुमो में शामिल हो गये और झामुमो के टिकट पर चुनाव जीते. हालांकि चुनाव जीतने के बाद कयास लगाया जा रहा था कि झामुमो की सरकार में उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जायेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया. बता दें कि पिछले साल विधानसभा सत्र के दौरान बालूमाथ में अस्पताल की मांग को ले कर बैद्यनाथ राम अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना में बैठ गये थे. श्री राम को मंत्री पद की शपथ दिलाने के बाद झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहेदव, विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, युवा नेता अंकित पांडेय, विवेक कुमार, शुभम कुमार, रंजीत कुमार, दीपक कुमार आदि ने श्री राम को बुके भेंट कर शुभकामनायें दी.

पूर्व विधायक ने मंत्री मिथिलेश ठाकुर पर लगाया आरोप

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने अपने 100 दिन के पोल खोल यात्रा के तहत रंका अनुमंडल क्षेत्र में पहुंचे. उन्होंने स्थानीय विधायक सहकुमार ठाकुर के विकास कार्यों का पोल खोल कर रख दिया. पूर्व विधायक ने कहा कि विकास के नाम पर गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में विनाश लीला चल रही है. जहां लोगों की जिंदगी संवारने की कोशिश होती वहीं विधायक सह मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर लोगों की जिंदगी उजाड़ने की साजिश कर रहे है. ऐसा पूर्व विधायक ने इसी लिए कहा कि उन्होंने पाया कि धनबाद, झरिया एवं पाकुंड की तरह गढ़वा में भी दर्जनों बड़े- बड़े खादान संचालित हो रहे हैं जहां से बड़े पैमाने पर पत्थरों का खनन किया जा रहा है. साथ ही उससे जुड़े हुए कई दर्जन बड़े क्रशर भी संचालित हो रहे हैं. खदान में होने वाले विस्फोट एवं सुबह से देर रात तक चलने वाले क्रशर से निकलने वाले धुंए से आस- पास के गांव पूरी तरह से प्रभावित हैं. ग्रामीणों का जीवन जीना दूभर हो गया हैं. नतीजा है कि लोग घरों में ताले लगाकर बाहर पलायन करने लगे हैं. पूर्व विधायक ने कहा कि स्थानीय विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर व अधिकारियों की मिलीभगत के बाद ही पत्थर माफिया खदान एवं क्रशर चला रहे हैं. ग्रामीणों ने जब खदान व क्रशर की शिकायत करते है तो पत्थर माफियाओं द्वारा गोली मारने की धमकी दी जाती है. सत्येंद्रनाथ तिवारी ने कहा हेमंत राज में गुंडों और माफियाओं की चलती है.

हेमंत सरकार ने विस में जीता विश्वास मत, विपक्ष को दिखाया आईना

विशेष संवाददाता। रांची

- विपक्ष के वॉकआउट के बीच, 45 सदस्यों का मिला समर्थन
- सरयू राय रहे तटस्थ्य, जेपी पटेल रहे अनुपस्थित, आलमगीर नहीं पहुंचे सदन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को फ्लोर टेस्ट में पास हो गए. उनके द्वारा सदन में रखे गए विश्वास मत के समर्थन में 45 विधायकों का समर्थन मिला. सोरेन सरकार को पार्टी से निष्कासित विधायक लोबिन हेंब्रम और निलंबित विधायक चमरा लिंडा ने भी अपना समर्थन दिया. विपक्ष के वॉकआउट के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने विश्वास मत आसानी से हासिल कर लिया. विश्वास मत के विरोध में शून्य वोट पड़े. दरअसल जब मत विभाजन हुआ, तो भाजपा के विधायक वेल में आकर शोर शराबा करने लगे, इसलिए विरोध के मतों की गिनती तकनीकी रूप से नहीं हो पाई. वहीं विस में तकनीकी रूप से झाविमो विधायक बाबूलाल मरांडी, आजसू पार्टी विधायक सुदेश महतो, लंबोदर महतो, सुनीता चौधरी, एनसीपी विधायक कमलेश कुमार सिंह और निर्दलीय विधायक अमित यादव गणना के समय खड़े नहीं हुए, इसलिए इनके मतों की भी गिनती नहीं की गई. निर्दलीय विधायक सरयू राय तटस्थ्य रहे. किसी को सपोर्ट नहीं किया. विधायक जेपी पटेल सदन से अनुपस्थिति रहे. जबकि कांग्रेस के विधायक पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को कोर्ट ने विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने की अनुमति प्रदान नहीं की. मालूम हो कि चार विधायकों (जोबा मांझी, नलिन सोरेन, दुल्लू महतो और मनीष जायसवाल) के सांसद बन जाने के बाद विधानसभा की सदस्य संख्या घटकर 77 हो रह गई है. सरकार के विश्वास मत हासिल करने के बाद स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी.

मेरी गैर हाजिरी में सरकार को सफलता पूर्वक चलाया : हेमंत सोरेन : इससे पूर्व सदन में विश्वास मत प्रस्ताव रखते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष की बेचैनी को देखते हुए साफ हो जाता है कि ये लोग मुझे यहां देख कर क्या सोच रहे हैं. पूरे देश के लोकसभा चुनाव में लोगों ने इन्हें आईना दिखा दिया है. अब बचा है विधानसभा चुनाव. राज्य की जनता इन्हें दिखा देगी कि वो क्या हैं. हेमंत सोरेन ने विधायकों को धन्यवाद दिया. अपनी गैरहाजिरी में सरकार को सफलता पूर्वक चलाया और इनकी साजिशों को खत्म किया.

अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त 4 तस्करों पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता। रामगढ़

कोयले के अवैध कारोबारियों पर पुलिस ने एक बार फिर कड़ी कार्रवाई की है. रामगढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव में बांग्ला ईंट भट्ठा पर रात के अंधेरे में अवैध कोयले को लादा जा रहा था. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंची और उस ट्रक को जप्त किया. हालांकि इस दौरान तस्कर वहां से भागने में सफल रहे. पुलिस अब तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है. इस मामले में रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन्होंने कहा है कि मध्य रात्रि के बाद गस्ती के दौरान उन्हें सूचना मिली की सरैया के प्रदीप महतो के बांग्ला ईंट भट्टे पर एक 10 चक्का ट्रक मौजूद है, जिस पर अवैध कोयले को लोड किया जा रहा है. पुलिस जब वहां पहुंची तो तस्कर पुलिस की लाइट देखकर भाग खड़े हुए. छानबीन के दौरान पता चला कि बीआर 02 के 9073 पर लगभग 10 टन अवैध कोयला लोड कर दिया गया था.

4 तस्करों के खिलाफ दर्ज किया गया मामला

रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू ने अवैध कोयले की तस्करी के मामले में चार लोगों को नाम से अभियुक्त बनाया है इनमें सरैया गांव निवासी प्रदीप महतो, पवन महतो, नरेश महतो और बरकाकाना निवासी और राकेश दुबे शामिल हैं. इन लोगों पर भारतीय न्याय संहिता और भारतीय वन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है. पुलिस ने बताया कि इस अवैध तस्करी में ट्रक मालिक और चालक की भी संलिप्तता है.

अवसर डी फॉर्मा करने के लिए स्थानीय विद्यार्थियों को मिलेगा मौका, 20 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

शैक्षणिक सत्र 2024-26 के लिए डी फार्मा (आयुर्वेद) की पढ़ाई शुरू होगी

रवि भारती। रांची

राज्य सरकार के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के आदेश के अनुसार राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी महाविद्यालय, साहिबगंज में डी फार्मा (आयुर्वेद) (डिप्लोमा इन आयुर्वेदिक फॉरमेसी) की पढ़ाई शुरू होगी. राज्य सरकार का यह इकलौता कॉलेज है, जहां आयुर्वेद में डी फार्मा की पढ़ाई होती है. शैक्षणिक सत्र 2024-26 में नामांकन के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है. इस सत्र में 30 विद्यार्थियों का नामांकन लिया जाएगा. इसमें साइंस से प्लस टू पास विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं.

ऐसे करें आवेदन : प्रत्येक आवेदक को आवेदन पत्र का विहित प्रारूप झारखंड सरकार की वेबसाइट www. jharkhand. gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं. इसके अलावा झारखंड राज्य आयुष चिकित्सा परिषद्, आरसीएच कैंपस नामकुम, रांची या प्राचार्य राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी कॉलेज, साहिबगंज या प्रत्येक जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं. आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की उम्र एक अगस्त 2024 से कम से कम 17 वर्ष होनी चाहिए. आवेदन पत्र निबंधित डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से निबंधक, झारखंड राज्य आयुष चिकित्सा परिषद, नामकुम, रांची- 834010 के पते पर भेजना होगा.

झारखंड के स्थानीय निवासी ही कर सकेंगे आवेदन : कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, झारखंड राज्य के स्थानीय निवासी ही आवेदन देने के पात्र होंगे. झारखंड राज्य का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र धारित नहीं करने वाले अभ्यर्थी आवेदन समर्पित करने के पात्र नहीं होगें. साक्षात्कार की अनुमति पूर्णतः औपबंधिक होगी. निर्धारित साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने अथवा आवेदन में भरे गये पात्रता संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने अथवा निर्धारित अवधि अंतर्गत प्रमाण पत्र संलग्न नहीं होने पर आरक्षण व अन्य लाभ अनुमान्य नहीं होगा. नामांकन के लिए छात्रों के चयन को लेकर प्राप्तांक के आधार पर सामान्य मेधा सूची तैयार की जाएगी.

इन निर्देशों का करना होगा पालन

- मैट्रिक या 10वीं के सर्टिफिकेट व अंक पत्र में दर्ज वर्तनी से भिन्न प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगे.
- आवेदक सक्षम स्तर से प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरांत ही आवेदन पत्र भरना सुनिश्चित करें.
- विज्ञापन प्रकाशन की तिथि को झारखंड सरकार द्वारा लागू आरक्षण संबंधी सभी नियम प्रभावी होंगे.
- आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित प्रमाण पत्र जांच के अवसर पर समर्पित करना अनिवार्य होगा.
- प्राप्तांक के आधार पर सामान्य मेधा सूची तैयार की जायेगी.
- शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण पत्र मान्यता प्राप्त संस्था का ही मान्य होगा.

पेज एक का शेष

6-4-1 फॉर्मूला फिट, चंपाई नंबर दो

इसके बाद 2019 में जब राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यूपीए की सरकार बनी, तो भी यह पद रिक्त रहा. इसके बाद फरवरी में जब चंपाई सोरेन सरकार बनी, तो भी यह पद रिक्त रहा. अब जाकर 14 साल बाद रिक्त पड़ा 12वें मंत्री का पद भरा गया है. ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट निर्णय दे चुका है कि किसी भी हाल में सांसदों अथवा विधायकों की संख्या के हिसाब से 15 प्रतिशत सदस्य ही कैबिनेट में रखे जा सकते हैं. झारखंड में 81 विधायकों के हिसाब से यह संख्या 12 तक ही हो सकती है. हेमंत कैबिनेट में इस बार 6 4 1 फॉर्मूला फिट हो गया. झामुमो कोटे से छह, कांग्रेस कोटे से चार और राजद कोटे से एक को कैबिनेट में जगह मिली. वहीं तीन नए चेहरों को मौका मिला है. इसमें कांग्रेस की दीपिका पांडेय सिंह और इरफान अंसारी व झामुमो के बैजनाथ राम शामिल हैं. चंपाई कैबिनेट में शामिल रहे बादल पत्रलेख और बसंत सोरेन को ड्राप कर दिया गया. इरफान अंसारी को आलमगीर आलम की जगह मिली है. वहीं दीपिका पांडेय सिंह को बादल पत्रलेख की जगह मिली है. इस बार हेमंत कैबिनेट में शामिल छह मंत्रियों से तीसरी बार मंत्रीपद की शपथ ली है. इसमें चंपाई सोरेन, रामेश्वर उरांव, मिथिलेश ठाकुर, बन्ना गुप्ता, बेबी देवी और सत्यानंद भोक्ता शामिल हैं. वहीं दूसरी बार शपथ लेने वालों में हफीजुल अंसारी, दीपक बिरूआ शामिल हैं.

हेमंत के प्रति विश्वास

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधान सभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है. इस विधान सभा के कार्यकाल में यह दूसरा अवसर है, जब हेमंत सोरेन को विश्वास मत हासिल करना पड़ा. ईडी की गिरफ्तारी के कारण उन्हें पद छोड़ना पड़ा था. पांच माह पहले इंडिया गठबंधन के चंपाई सोरेन ने बतौर मुख्यमंत्री विश्वास मत हासिल किया था. मुख्यमंत्री ने विश्वास मत के दौरान विपक्ष के हंगामे के बीच संक्षिप्त भाषण दिया और विश्वास जाहिर किया कि कुछ समय बाद होने जा रहे विधान सभा चुनाव में वे अपने गठबंधन के साथ वापसी करेंगे. अब जनता किसके प्रति विश्वास प्रकट करेगी, यह तो विधान सभा के चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा, लेकिन एक दिवसीय विशेष सत्र से इतना तो जाहिर हो गया है कि इंडिया गठबंधन को आक्रामक बीजेपी गठबंधन का मुकाबला करना होगा. विपक्ष के नेता ने अपने भाषण में विधान सभा चुनावों के लिए भाजपा के रणनीतिक मुद्दों को प्रकट कर दिया है. भाजपा अपने मुख्य आधार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के इर्दगिर्द रोजगार और भ्रष्टाचार के सवाल के सहारे चुनाव मैदान में जाने का इरादा रखती है. लोकसभा चुनाव के समय भाजपा का ध्रुवीकरण का मुद्दा असरदार साबित नहीं हुआ था. यहां तक कि अयोध्या की सीट भी भाजपा से छीन गयी, लेकिन भाजपा अपने बुनियादी आधार से हटने को तैयार नहीं है. झारखंड सहित देश की जनता ने यह बताने का प्रयास लोकसभा चुनाव के समय किया कि उनके लिए हिंदू मुसलमान का सवाल महत्वपूर्ण नहीं है. देश की जनता समावेशी विकास, जिसमें रोजगार केंद्र में हो पर जोर दे रही है. हालांकि भाजपा ने हेमंत सरकार के वायदे पांच लाख नौकरी की याद जरूर दिलायी, जिसका जवाब प्रधानमंत्री के दो करोड़ प्रति साल रोजगार के जुमले से सत्ता पक्ष ने दिया. विपक्ष के नेता ने जनसंख्या संतुलन का सवाल उठा कर इंडिया गठबंधन की सरकार को घेरने का प्रयास किया. दरअसल वे घुसपैठ के सवाल को चुनावी एजेंडा बनाने का संकेत दे रहे थे. लेकिन झारखंड में डेमोग्राफी यानी जनसंख्या संतुलन का सवाल इससे ज्यादा पेचीदा है. इस सवाल पर तो भाजपा को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. बहिरागत का मुद्दा झारखंड में बार बार उठता ही रहा है. यह एक ऐसा मुद्दा है, जो भाजपा के वोट आधार को प्रभावित करता है. लोकसभा चुनाव में दो ट्रेंड देखने को मिले हें. एक तो आदिवासी सुरक्षित सीटों पर भाजपा केवल हारी ही नहीं है, 2019 की तुलना में उसके मत प्रतिशत भी घटे हैं. इसी तरह बहिरागत का सवाल उठाने वाले जयराम महतो की पार्टी का उभार भ्राजपा गठबंधन के लिए एक बड़ा खतरा है. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड को केंद्रीय एजेंसियों का प्रयोगशाला बताया. हेमंत सोरेन को मिली जमानत के संदर्भ में झारखंड हाईकोर्ट के फैसले में जो कुछ लिखा गया है, उसका हवाला दे कर भी केंद्रीय एजेंसियों के सहारे राज्य में अस्थिरता पैदा करने के मुद्दे को सत्ता पक्ष ने उठाया. अब जब कि विधान सभा का चुनाव सन्निकट है, दोनों ही पक्षों को जनता के बीच अपने एजेंडे को ले जाने की चुनौती है.

> दरअसल वे घुसपैठ के सवाल को चुनावी एजेंडा बनाने का संकेत दे रहे थे. लेकिन झारखंड में डेमोग्राफी यानी जनसंख्या संतुलन का सवाल इससे ज्यादा पेचीदा है. इस सवाल पर तो भाजपा को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

सुभाषित

स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा।
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम्॥

उपदेश देकर किसी के स्वभाव को बदला नहीं जा सकता, पानी को कितना भी गरम करो, कुछ समय बाद वह फिर से ठंडा हो ही जाता है.जिसकी प्रकृति जैसी होती है, उसकी प्रवृत्ति भी वैसी ही हो जाती है. उसमें परिरिस्थतिवश थोड़ा परिवर्तन तो होता है, लेकिन फिर सबकुछ पूर्ववत हो जाता है.

विकास और विशेष राज्य का दर्जा

12 वें वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि केंद्र सरकार को सिर्फ अनुदान देना चाहिए और यह राज्यों के ऊपर छोड़ देना चाहिए कि वे बाजार से कितना कर्ज लेना चाहते हैं. तबसे विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए 90 प्रतिशत अनुदान और 10 प्रतिशत ब्याजमुक्त कर्ज का फार्मूला यथावत है. सामान्य श्रेणी के राज्यों के लिए ऋणों और अनुदानों के बीच वही अनुपात है, जिस अनुपात में वह केंद्र को प्राप्त होता है.

• देश-काल

अरविंद जयतिलक

केंद्र में सत्तारुढ़ एनडीए सरकार की सहयोगी जनता दल (यू) द्वारा एक बार फिर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की गई है. गत दिवस संपन्न पार्टी कार्यकारिणी की मीटिंग में जनता दल (यू) द्वारा जोर देकर कहा गया है कि बिहार के विकास के लिए स्पेशल स्टेट्स और विशेष आर्थिक पैकेज मिलना जरूरी है. देखना दिलचस्प होगा कि केद्र की सरकार अपने सहयोगी की मांग को कितना तवज्जो देती है. बहरहाल गौर करें तो यह पहली बार नहीं है जब बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की गई है. 2009 में बिहार विधानसभा और 2010 में विधानपरिषद ने सर्वसम्मति से विशेष राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव पारित किया. उसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसदों ने 23 मार्च 2011 को इस मांग के समर्थन में प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा. 14 जुलाई 2011 को शरद यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सवा करोड़ लोगों के हस्ताक्षर थे. 4 नवंबर 2012 को पटना के गांधी मैदान में जनता दल (यू) ने महारैली कर विशेष राज्य की दर्जे की मांग का एलान किया और उस मांग के समर्थन में 17 मार्च, 2013 को दिल्ली के रामलीला मैदान में भी रैली की. उसके बाद जून 2013 में जनता दल (यू) ने भारतीय जनता पार्टी से इसलिए नाता तोड़ लिया कि केंद्र की मनमोहन सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे देगी. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. गौर करें तो मौजूदा समय में विशेष राज्य दर्जा प्राप्त राज्यों की संख्या 11 है. ये राज्य हैं-नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, असम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू एवं कश्मीर. ध्यान दें तो विशेष दर्जा प्राप्त ये सभी राज्य पहाड़ी हैं और पिछड़ेपन होने की सभी शर्तों को पूरा भी करते हैं. गौर करें तो विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने के दो आधार बनाए गए हैं. एक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का मानक और दूसरा योजना आयोग का.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार उन्हीं राज्यों को पिछड़ा माना गया है, जिनका कमजोर संसाधन आधार और कमजोर अधिसंरचना है. जो भौगोलिक अलगाव और अगम्य भू-क्षेत्र में स्थित हैं. जबकि योजना आयोग की शर्तों के मुताबिक उन राज्यों को पिछड़ा माना गया, जो पहाड़ी क्षेत्र में स्थित हैं, जिनकी निम्न जनसंख्या घनत्व है, जिनकी स्थिति पड़ोसी देशों की सीमाओं पर है और जिनकी राजकीय वित्त व्यवस्था कमजोर है. केंद्र सरकार द्वारा संसाधनों के वितरण में विशेष दर्जा वाले राज्यों को अतिरिक्त आर्थिक मदद दी जाती है, ताकि आर्थिक असमानता और क्षेत्रीय असंतुलन दूर किया जा सके. इन राज्यों को 90 प्रतिशत केंद्रीय अनुदान और शेष 10 प्रतिशत ब्याजमुक्त कर्ज प्राप्त होता है. इसके अलावा उन्हें उत्पाद शुल्क में भी रियायत मिलती है, ताकि वहां पूंजी निवेश हो सके. योजना व्यय के लिए केंद्र सरकार की सकल बजट योजना का 30 प्रतिशत हिस्सा भी उन्हें प्राप्त होता है. इन राज्यों में उद्योग लगाने के लिए उद्योगपतियों को भारी प्रोत्साहन मिलता है. 12 वें वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि केंद्र सरकार को सिर्फ अनुदान देना चाहिए और यह राज्यों के ऊपर छोड़ देना चाहिए कि वे बाजार से कितना कर्ज लेना चाहते हैं. तबसे विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए 90 प्रतिशत अनुदान और 10 प्रतिशत ब्याजमुक्त कर्ज का फार्मूला यथावत है. सामान्य श्रेणी के राज्यों के लिए ऋणों और अनुदानों के बीच वही अनुपात है, जिस अनुपात में वह केंद्र को प्राप्त होता है. हालांकि 13 वें वित्त आयोग ने विशेष श्रेणी के राज्यों को अतिरिक्त संसाधन सहायता उपलब्ध कराने की सिफारिश के साथ ही यह भी सुझाव दिया कि केंद्र को 30.5 प्रतिशत के बजाए 32 प्रतिशत की राशि राज्यों की झोली में डालना चाहिए. उसने केंद्र से कुल राजस्व से राज्यों को मिलने वाला हिस्सा भी 38 प्रतिशत से बढ़ाकर 39.5 प्रतिशत किए जाने की भी सिफारिश की. पर गौरतलब यह कि बात चाहे विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों की हो या अन्य राज्यों की सभी आर्थिक बदहाली के संकट में हैं.

विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों का औद्योगिक राज्य बनने का सपना पूरा नहीं हो पाया है. असम, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर तथा जम्मू-कश्मीर समेत अन्य विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों पर भारी कर्ज है. तीन पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए कई योजनाएं बनी. निवेशकों को आकर्षित करने तथा रोजगार सृजित करने के लिए टैक्स में भारी कमी की गयी. दूसरे उपायों की भी घोषणा हुई, लेकिन परिणाम सकारात्मक नहीं दिखा. योजना आयोग ने जब 2013 में इन राज्यों को विकास की कसौटी पर कसा तो तस्वीर उत्साहजनक नहीं दिखी. निवेशक टैक्स छूट का फायदा उठाने में तो सफल रहे, लेकिन ये राज्य रोजगार सृजित करने में विफल रहे. राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन की सुस्ती की वजह से कई निवेशक अपना कारोबार समेट लिए. नतीजा राज्य में आधारभूत ढांचा विकसित नहीं हो सका. ऐसे में यह धारणा पालना कि विशेष राज्य का दर्जा मिलने मात्र से राज्य की समस्याएं छूमंतर हो जाएंगी और राज्य तरक्की की छलांग लगा लेगा, संभव नहीं. ऊंचा विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए राज्यों को सबसे पहले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना होगा और साथ ही आर्थिक अनुशासन तथा कानून-व्यवस्था भी दुरुस्त करना होगा. वैसे भी संभव नहीं है कि केंद्र सरकार एक साथ देश के सभी पिछड़े राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा दे. पिछड़े राज्यों को तरक्की के लिए अपने पिछड़ेपन के मूल कारणों को तलाश कर उसका निदान ढुंढना होगा. वे पिछड़े इसलिए हैं कि वहां विकास नहीं हुआ. किसी भी राज्य के विकास के लिए पारदर्शिता, ईमानदारी और प्रभावकारी कार्यसंस्कृति जरूरी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

नैतिक व आदर्श जीवन-मूल्य

आज चारों ओर झूठ, कपट, भ्रष्टता का माहौल है, नैतिक बने रहना मूर्खता का पर्याय माना जाता है और अक्सर परिहास का कारण बनता है. आश्चर्य तो यह है कि नैतिक जीवन मूल्यों की चाहत सभी को है किन्तु इन्हें जीवन में उतार नहीं पाते!! आज मूल्यों को अनुपयोगी मानते हुए भी सभी को अपने आस पास मित्र सम्बंधी तो सर्वांग नैतिक और मूल्य निष्ठ चाहिए. चाहे स्वयं से मूल्य निष्ठा निभे या न निभे!! हम कैसे भी हों किन्तु हमारे आस पास की दुनिया तो हमें शान्त और सुखद ही चाहिए. यह कैसा विरोधाभास है? कर्तव्य तो मित्र निभाए और अधिकार हम भोगें. बलिदान पडौसी दे और लाभ हमे प्राप्त हो. सभी अनजाने ही इस स्वार्थ से ग्रस्त हो जाते है. सभी अपने आस पास सुखद वातावरण चाहते है, किन्तु सुखद वातावरण का परिणाम नहीं आता. हमें चिंतन करना पडेगा कि सुख शान्ति और प्रमोद भरा वातावरण हमें तभी प्राप्त हो सकता है जब नैतिकताओं की महानता पर हमारी स्वयं की दृढ़ आस्था हो, अविचलित धारणा हो, हमारे पुरूषार्थ का भी योगदान हो. कोई भी नैतिक आचरणों का निरादर न करे, उनकी ज्वलंत आवश्यकता प्रतिपादित करे तभी नैतिक जीवन मूल्यों की प्रासंगिकता स्थायी रह सकती है. यदि आज के दौर में नैतिक व आदर्श जीवन-मूल्य की प्रासंगिता त्वरित लाभकारी दृष्टिगोचर नहीं होती तो फिर क्या आज उसकी कोई सार्थकता नहीं रह गयी है. क्या हमें इन मूल्यों का समूल रूप से परित्याग करके समय की आवश्यकता के अनुरूप सुविधाभोगी जीवन मूल्य अपना लेने चाहिए? आज सेवा, त्याग, उपकार, निष्ठा, नैतिकता का स्थान स्वार्थ, परिग्रह, कपट, ईर्ष्या, लोभ-लिप्सा आदि ने ले लिया और यही सफलता के उपाय बन कर रह गए है. विचारधारा के स्वार्थमय परिवर्तन से मानवीय मूल्यों के प्रति विश्वास और आस्था में कमी आई है. आज की सर्वाधिक ज्वलंत समस्या नैतिक मूल्य संकट ही हैं. वैज्ञानिक प्रगति, प्रौद्योगिक विकास, अर्थ प्रधानता के कारण, उस पर अनेक प्रश्न-चिह्न खडे हो गए. हर व्यक्ति कुंठा, अवसाद और हताशा में जीने के लिए विवश हो रहा है. इसके लिए हमें अपना चिंतन बदलना होगा, पुराने किंतु उन शाश्वत जीवन मूल्यों को जीवन में फिर से स्थापित करना होगा. आज चारों और अंधेरा घिर चुका है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसमें हम बस कुछ और तिमिर का योगदान करें! जीवन मूल्यों पर चलकर ही किसी भी व्यक्ति, परिवार, समाज एवं देश के चरित्र का निर्माण होता है.

राजनीतिक अविश्वास से उपजा सत्ता पलट

• पड़ोस

पुष्परंजन

बिहार के सहरसा में जन्मे गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल में चार बार प्रधानमंत्री रहे. मई, 2008 में जब वह अंतरिम सरकार के कार्यकारी प्रधानमंत्री थे, तब भी अपनी इकलौती संतान सुजाता कोइराला को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते थे, लेकिन उनका यह सपना उनके साथ ही चला गया. नेपाली कांग्रेस की राजनीति आज भी स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला को केंद्र में रखकर की जाती है. उसका उदाहरण मंगलवार को तब देखने को मिला, जब कोइराला की 100वीं जयंती के अवसर पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. 'क्रांति से शांति तक' नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर 'पीएम इन वेटिंग', केपी शर्मा ओली भी पधारे. उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है. मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा.एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं. तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है. आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था. बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी. उसके आठ मंत्री सरकार में थे, उन्होंने भी त्यागपत्र दे दिया. एमाले ने चौबीस घंटे के भीतर प्रचंड से प्रधानमंत्री पद छोड़ने को कहा है. प्रचंड ने सुबह ही मना कर दिया था कि फ्लोर टेस्ट के बाद ही सब तय होगा. संविधान के अनुच्छेद 100 (2) में कहा गया है कि यदि गठबंधन में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री 30 दिन के भीतर विश्वास मत के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश करेंगे. अब सबको लग गया है कि प्रचंड आसानी से पद छोड़ने वाले नहीं. पिछले सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था. चपली समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे.लिखित सहमति के अनुसार, 'ओली नेपाली कांग्रेस और अन्य सीमांत दलों के समर्थन से नई सरकार का नेतृत्व करेंगे. संविधान संशोधन किया जायेगा. समानुपातिक चुनाव प्रणाली बदली जाएगी, नेपाली कांग्रेस गृह सहित 10 मंत्रालयों का नेतृत्व करेगी. यूएमएल को वित्त सहित नौ मंत्रालय मिलेंगे. कांग्रेस और यूएमएल तीन-तीन प्रांतीय सरकारों का नेतृत्व करेंगे, मगर मधेश में सरकार का नेतृत्व एक क्षेत्रीय पार्टी करेगी.' चपली हाइट रिसोर्ट से ही सन्देश जारी किया गया कि इस समझौते का अनुमोदन हम मंगलवार से करने जा रहे हैं, राष्ट्रीय सहमति की सरकार में माओवादियों को छोड़कर, जो शेष दल आना चाहते हैं, उनका स्वागत है. 'चपली समझौते' को सत्ता पलट का प्रयास कहा जाये, तो अनुचित नहीं होगा. ओली ने यह ब्रह्मास्त्र चलाया क्यों, उसके पीछे की वजह अविश्वास है. प्रचंड अलग-अलग ठिकानों पर नेपाली कांग्रेस के नेताओं से बात कर रहे थे, यह खबर केपी शर्मा ओली को थी. एमाले के नेता प्रदीप कुमार ज्ञावाली ने बुधवार को कहा, 'पीएम प्रचंड राष्ट्रीय सर्वसम्मति वाली सरकार बनाने के लिए पिछले एक महीने से नेपाली कांग्रेस के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे थे, जिससे अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई. इसने अंततः हमें नेपाली कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू करने के लिए मजबूर किया.' लेकिन केवल यही बात नहीं थी, राजदूतों की नियुक्तियों में भी दोनों नेताओं में तू-तू, मैं-मैं हुई थी.पांच टर्म प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा 26 दिसंबर, 2022 को सत्ता से बाहर हुए थे, उसी दिन केपी शर्मा ओली की पार्टी 'नेकपा-एमाले' की मदद से प्रचंड प्रधानमंत्री बन गए. लेकिन, ओली से पटरी बैठना प्रचंड के लिए भी आसान नहीं था. मंत्रालयों की फाइलें और राजदूतों की नियुक्तियां मतभेद का कारण बनती चली गईं. देश आर्थिक रूप से जर्जर और ज़रूरी वस्तुओं से अभावग्रस्त होने लगा. इंडस्ट्री धड़ाधड़ बंद होने लगी, मगर दोनों नेताओं में अहं का टकराव चरम पर था.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> पिछले सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था. चपली समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे.

दलित राजनीति का संक्रमण काल

• सामयिकी

लाल बहादुर सिंह

दलित समुदाय में आज जबर्दस्त सामाजिक मंथन है. दलित राजनीति आज एक चौराहे पर है और भारी संक्रमण से गुजर रही है. भारतीय समाज के आखिरी पायदान पर खड़े आबादी के लगभग 20% मेहनतकश तबकों की थोड़ी सी करवट का राजनीति के लिए कितना गहरा निहितार्थ है, यह हालिया चुनावों के नतीजों से साफ है. भाजपा अगर बहुमत से दूर रह गई, तो उसमें इकलौता सबसे बड़ा कारक यही है. आज सबसे बड़ी और संगठित दलित पहचान वाली पार्टी बसपा इस चुनाव के बाद अपने ताकतवर अतीत की छाया मात्र रह गई है. जिस बसपा ने आज के महज 12साल पहले तक राजनीतिक दृष्टि से देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्य यूपी में अकेले अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार चलाई थी, आज उसका देश में कोई सांसद नहीं है और यूपी में उसके इकलौते विधायक को स्वतंत्र अधिक, बसपा का कम माना जाता है.इस चुनाव में बसपा को मात्र 2.04% वोट मिला है और 1997 से चली आ रही राष्ट्रीय पार्टी की उसकी मान्यता अब खत्म होने जा रही है. क्योंकि वह इसके लिए वांछित तीनों अर्हताओं में से कोई पूरा कर पाने की स्थिति में अब नहीं रह गई है, मसलन न तो उसके पास 4 राज्यों में 6%से अधिक वोट और 4 सांसद हैं, न 2% लोकसभा की सीटें 3 राज्यों से हैं, न ही कम से कम 4 राज्यों में वह मान्यता प्राप्त पार्टी है.अब वह बमुश्किल यूपी की राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त पार्टी रह गई है. दरअसल इसके लिए 8% मत की जरूरत होती है और वह हाल में हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 9.39%मत पाकर बाल-बाल बच गई. इसके पूर्व 2022 के विधानसभा चुनाव में उसे 12.88% मत मिला था.यह वही बसपा है जिसने 2009 में लोकसभा में 21सीटें जीती थीं और उसे राष्ट्रीय स्तर पर 6.17% वोट हासिल हुआ था, 2014 में सीट तो नहीं मिली पर मत 4.19% मिला. मात्र 5साल पहले सपा के साथ गठबंधन में उसे 10 सीटें मिलीं और 3.66% मत मिला. वाया बामसेफ, डीएस 4, बसपा मूलतः दलित अधिकारियों कर्मचारियों तथा युवाओं के संगठन के आधार पर एक सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलन के गर्भ से उभरी थी. यद्यपि बहुजन समाज की पार्टी के बतौर इसका गठन सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दृष्टि से शुरू से ही गहरे अंतर्विरोधों से भरा हुआ था, यह व्यवहारतः एक दलित जनाधार वाली पार्टी के बतौर उभरती गई. क्योंकि 80 के दशक का वह काल खंड दलितों के कांग्रेस से मोहभंग का दौर था और ओबीसी राजनीति में भी एक मंथन और संक्रमण का काल था, बसपा को इन तबकों में अच्छा समर्थन मिला. बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद मुस्लिम समुदाय कांग्रेस से अलग होकर सपा-बसपा के नजदीक आया और दोनों ने मिलकर 1993 में भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया. राजनीतिक दृष्टि से लोगों को लगा कि यह एक स्वाभाविक और स्थाई गठबंधन बन गया है. लेकिन दोनों दलों के नेताओं की महत्वाकांक्षा के टकराव और उधर जमीनी स्तर पर उनके सामाजिक आधार के टकराव ने जल्द ही उनके रिश्तों को दुश्मनी में बदल दिया. उसके बाद कांशीराम ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने का जो फैसला किया वह दूरगामी दृष्टि से बसपा के लिए और पूरे देश के लिए आत्मघाती साबित हुआ. दरअसल सरकार तो बनती रही, लेकिन ग्रामीण दबंगों की ब्राह्मणवादी हिंदुत्व की पार्टी भाजपा पर निर्भर होने के कारण बसपा की मूल पहचान और छवि का क्षरण होता गया, वह उन ताकतवर हितों और उनकी सोच से टकराने वाले कोई भी दलित बहुजन हितैषी कदम उठाने में असमर्थ हो गई. मायावती ने इसी दौर में भाजपा के दबाव में एससी-एसटी कानून को कमजोर किया और पेरियार की स्टेच्यू लगवाने की अपनी घोषणा से पीछे हट गईं.भाजपा के आगे राजनीतिक विचारधारात्मक तौर पर समर्पण करके उन्होंने अपने जनाधार को वैचारिक रूप से पर भाजपा की वैचारिकी के आगे निरस्त्र कर दिया. उसी दौर में मायावती पोस्ट गोधरा चुनाव में मोदी के पक्ष में प्रचार करने गुजरात गईं. इधर संघ भाजपा अपने अनगिनत संगठनों के माध्यम से इनके आधार को कुतरने लगे. बाल्मिकी, सोनकर जैसे शहरी कस्बाई दलितों के कुछ हिस्सों में तो भाजपा का पहले से असर था, अब अन्य हिस्सों में भी भाजपा प्रवेश करती गई. बसपा कोई पुनर्विचार या सुधार करने की बजाय बहुजन से एक कदम आगे सर्वजन के नारे के साथ आ गई और 2007 में ब्राह्मणवादी सामंती दबंग पावर ग्रुप्स की मदद से अकेले ही सत्ता में पहुंच गई. जाहिर है दलित हित में कुछ कर पाने में वह और भी पंगु होती गई.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> वाया बामसेफ, डीएस 4, बसपा मूलतः दलित अधिकारियों कर्मचारियों तथा युवाओं के संगठन के आधार पर एक सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलन के गर्भ से उभरी थी. यद्यपि बहुजन समाज की पार्टी के बतौर इसका गठन सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दृष्टि से शुरू से ही गहरे अंतर्विरोधों से भरा हुआ था, यह व्यवहारतः एक दलित जनाधार वाली पार्टी के बतौर उभरती गई.

मीडिया में अन्यत्र

बदलाव की बयार के बीच ईरान में उदारवाद

ईरान के राष्ट्रपति पद के चुनाव में महिलाओं की नैतिक निगरानी (मोरल पुलिसिंग) का विरोध और पश्चिम के साथ टकराव के बजाय जुड़ाव का आह्वान करने वाले सुधारवादी नेता मसूद पेजेशकियान की जीत से यह पता चलता है कि आर्थिक संकट और सामाजिक तनाव से ग्रस्त यह इस्लामिक गणराज्य अभी भी आश्चर्यचकित कर देने में सक्षम है. कुछ महीने पहले तक, ईरान की कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर उन तथाकथित 'सिद्धान्तवादियों' (रूढ़िवादियों) का नियंत्रण था, जो सुधारों के विरोधी हैं. पिछले कुछ साल विरोध प्रदर्शन और राज्य के दमन के गवाह भी बने. क्रांति पुरानी पड़ती दिखाई दे रही थी. फिर भी, मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रूढ़िवादी नेता इब्राहिम रईसी की मौत की वजह से जरूरी हुए मतदान में इस इस्लामिक गणराज्य ने एक ऐसे उम्मीदवार को चुना है जो बदलाव का हामी है. पेजेशकियान, जिनका एकमात्र प्रशासनिक अनुभव दो दशक पहले खातमी सरकार में बतौर एक काबीना मंत्री का है, पिछले महीने तक एक अपेक्षाकृत गुमनाम हस्ती थे. जब 'गार्डियन काउंसिल' द्वारा उनकी उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी गई, तो एक के बाद एक चुनावी झटकों से कमजोर पड़ जाने वाला ईरान का सुधारवादी गठबंधन खम ठोककर उनके पीछे लामबंद हो गया. श्री खातमी और उदारवादी मौलवी तथा 2013-21 तक राष्ट्रपति रहे हसन रूहानी ने उनका समर्थन किया. बीते 5 जुलाई को हुए चुनाव में उन्होंने 53.6 फीसदी मत हासिल कर अपने रूढ़िवादी प्रतिद्वंद्वी सईद जलीली को हरा दिया.हाल के वर्षों में, बड़ी तादाद में ईरान के मतदाताओं ने व्यवस्था के विरोध में चुनावों से दूरी बना ली है. राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में, महज 39.9 फीसदी मतदान ने इस अर्ध-प्रातिनिधिक प्रणाली की वैधता संबंधी संकट के बारे में बहस को हवा दी.

लेकिन एक सुधारवादी जीत की संभावना ने ज्यादा तादाद में मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित कर दिया. लगभग 50 फीसदी मतदान ने पेजेशकियान को रूढ़िवादियों की तमाम एकजुटता के बावजूद जलीली को हराने में मदद की. इसका मतलब यह भी है कि मतदाताओं को उस पेजेशकियान से काफी उम्मीदें हैं, जिन्होंने अतीत में विरोध प्रदर्शन से निपटने के सुरक्षा कर्मियों के तरीकों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी. पेजेशकियान 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के लिए पश्चिम के साथ बातचीत के भी समर्थक हैं. इस समझौते को 2018 में वाशिंगटन द्वारा पलीता लगा दिया गया था. यह देखना होगा कि शिया मौलवियों द्वारा नियंत्रित व्यवस्था में वह कितनी दूर तक जा पाते हैं. ईरान के राष्ट्रपति, जो सर्वोच्च निर्वाचित अधिकारी होता है, के पास इस देश के धर्मतंत्र में सीमित शक्तियां हैं.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सफ़र/सिफ़र

जिंदगी का सफर, है ये कैसा सफर, कोई समझा नहीं, कोई जाना नहीं. जिंदगी का सफर यानी शैशव काल से चलकर यौवन काल होते हुए वृद्धावस्था तक पहुंचने के बाद फिर मृत्यु तक की यात्रा. किशोर कुमार के मुख से एक गीत सुना था-जब तक हमने जाना जीवन क्या है, जीवन बीत गया. मतलब यह कि जीवन का सफर ऐसा सफर है, जिसे पूरी तरह जान पाना संभव नहीं है. सफर अपने आपमें इतना रहस्यमय होता है कि उसको समझने में पूरी जिंदगी समाप्त हो जाती है तो भी हम पूरा जान नहीं पाते, लेकिन हम सफर शब्द को तो जानने की कोशिश कर ही सकते हैं. सफर अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है यात्रा, रवानगी, कूच, प्रस्थान, यात्रा के समय तय की हुई दूरी, हिजरी सन का दूसरा महीना, रास्ते में चलना, रवाना होना, बाहर जाना, एक शहर से दूसरे शहर या एक मुल्क से दूसरे मुल्क जाना, एक जगह से दूसरी जगह जाना, प्रस्थान, पर्यटन, गमन, निरंतर संघर्ष, इच्छित की खोज का निरंतर शौक़. गुलजार कहते हैं-ज़िंदगी यूं हुई बसर तन्हा, क़ाफ़िला साथ और सफ़र तन्हा. सफ़र जैसा ही लगनेवाला शब्द है सिफ़र, लेकिन अर्थ के मामले में यह सफर शब्द से बिल्कुल अलग है. समानता अगर है तो यही कि यह भी सफ़र की तरह ही अरबी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका सामान्य तौर पर मतलब है गिनती में वह संख्या जिसके बाद 1, 2, 3 आदि संख्याएं आती हैं. इसे शून्य या जीरो के रूप में हर कोई परिचित है. सिफ़र विशेषण के रूप में भी प्रयोग में आता है. तब इसका मतलब होता है जिसमें कुछ भरा न हो, खाली, रिक्त, अयोग्य, निकम्मा. सिफर को वाक्यों में इस प्रकार देखा जा सकता है-यह आदमी बिल्कुल सिफ़र है. मेहनत तो बहुत की थी, लेकिन नतीजा सिफ़र निकला. कुएं के पास से आ रहे हो, फिर भी तुम्हारी बाल्टी सिफ़र है?

स्वीकार कीजिए मेरी शादी का यह कार्ड

• तीर-तुक्का

विनय भारत

शादियों का दौर अभी चल रहा है. इसी चलते दौर में हमने भी शादी करने का विचार किया. इस विचार के चलते कन्या की तलाश शुरू हुई वैसे मुझसे तो कोई शादी नहीं करती, लेकिन एक सुन्दर कन्या राजी हो गई. वैसे तो शादी करके आप सभी पछता रहे होंगे, पर मुझे पता है कि आप मुझे नहीं रोकेंगे, क्योंकि मेरी शादी का कार्ड हाथ में आते ही आप सर्वप्रथम प्रतिभोज की दिनांक और समय देखेंगे कि भोजन के लिए कहां और कब जाना हैं. समय का तो मेरा भारत इतना पाबन्द है कि चाहे कितनी ही अर्जेन्ट मीटिंग हो लेट पहुंचेंगे. लेकिन जहां खाने की बात आयी वहां समय से पहले पहुंचकर व्यवस्था बिगाडेंगे. भोजन खाते तो आप कम हैं और बिगाड़ते ज्यादा हैं, उल्टा सीधा एक साथ ठूंसकर पेट खराब करते हो. फिर सीधा डॉक्टर के पास जाते हो, हमारा माल भी खराब हो और आपका पैसा भी खराब हो. यह सब देखते हुए मैंने प्रीतिभोज का कार्यक्रम ही लिस्ट से हटा दिया है. मेरे देश के भूखों, चिन्ता मत करों, भोजन तो होगा लेकिन कुछ हट के. बुफे तो होगा, लेकिन बुफे में केवल पूरियां और दाल होगी. साथ में नमक होगा. पानी पीकर आयें, क्योंकि मैं मुख्यमंत्रीजी के नारे पर अमल कर रहा हूं पानी बचाओ. कॉफी, चाय का इंतजाम नहीं हैं क्योंकि मैं आपके फेफड़ों का हितैषी हूं. मिठाई में लड्डू होंगे, वो भी केवल मोतीचूर के, क्योंकि मेरी शादी में गणेशजी देव गणों के साथ सपरिवार आ रहे हैं और गणेशजी को मोदक पसंद हैं. यदि मोदक नहीं रखा तो गणेशजी के नाराज होने पर मेरी शादी रुक सकती है. इसलिए शेष मिठाइयां न रखना मेरी मजबूरी है. जैक-चैक से होने वाली इस शादी को मैं तोडना नहीं चाहता. मेरी शादी में केवल एकबार प्रीतिभोज होगा और वह भी तब, जब मेरे सातों फेरे हो जायेंगे. मैं भूखा-प्यासा बैठकर फेरे लूं और आप सभी खा-पीकर. क्षमा करें पीकर तो आप घर से ही आयेंगे, मेरे लिए भी एक बिसलेरी की बोतल लेते आना. घर बैठे और गर्मी हो या सर्दी मैं ही मरूं. इसलिए फेरों के बाद सभी साथ में प्रीतिभोज करेंगे. कोई भी भोजन खाये बिना न जाये. सभी मेरी शादी में आने से पहले 151 रुपये पुत्रदान की राशि लेकर आयें, क्योंकि दहेज कम आ रहा है. आप मुंह दिखाई की राशि में टीवी, फ्रिज, डबलबेड, वाशिंग मशीन आदि बड़े-बड़े आईटम दें, शेष सामान बेटी वाले दे रहे हैं. बारात में सभी को चलना हैं, अपनी-अपनी गाडी करके लायें, क्योंकि मैं भी किसी जीप से लटक कर जा रहा हूं. मेरे भरोसे न रहें. शेष कार्यक्रम निम्न हैः-महिला संगीत- बिना डीजे के होगा. मुझे ध्वनि प्रदूषण पसंद नहीं. चाक- चाक का कार्यक्रम सभी अपने-अपने घर पर करें. आपका प्यारा विवाहार्थी- बल्लू बजेला और मेरी दुल्हन, चम्पा चमेली. प्रार्थी व अभिलाषी-जीजा-जीजी एवं समस्त बदनाम देशभक्त परिवार. कल्ली कार्टून-सल्लू सीलेली. चाचा-चाची, ताऊ-ताई, पप्पू कटेला-गप्पी बदनाम, गंजा घनचक्कर-बुढिया दीवानी.

कहानी

छूटना

शैलजा का घर बिक रहा था. वही घर जहां वह वर्षों पहले देवेश के साथ परिणय-सूत्र में बंधकर आई थी.

माला कुमारी

नादान, अल्हड़ किशोरी, घर-गृहस्थी की बातों से अनजान, चंचल बाला बड़े अरमानों और सपनों को संजोए उस घर में आई थी. पति इंजीनियरिंग कॉलेज में व्याख्याता थे. उन्होंने शहर में एक पुराना मकान खरीद लिया था जहां वे शैलजा को ब्याह कर लाए थे.

गांव में उनका विशाल पैतृक घर और एक वृहत संयुक्त परिवार था. कुछ दिनों के लिए उन्होंने माताजी को नई बहू के साथ रहने को बुला लिया था. पति के भरपूर प्यार और सासुमां के वात्सल्यपूर्ण सान्निध्य में शैलजा के दिन सुखपूर्वक गुजरने लगे.

देवेश की अच्छी-खासी मित्र-मंडली थी. मित्रों का अक्सर घर में आना-जाना होता था. उनकी पत्नियों से हेल-मेल के बाद शैलजा ने खाना पकाने और घर-गृहस्थी के गुर सीख लिए थे. शादी के साल बीतते ही शैलजा ने एक पुत्री और उसके दो वर्ष बाद एक पुत्र को जन्म दिया. उस घर में बच्चों की किलकारियां, चपल क्रीड़ाएं, उनका धीरे-धीरे बड़ा होना, संगी-साथियों के साथ खेलना-कूदना, लड़ना-झगड़ना, पढ़ना-लिखना, पास-पड़ोस के साथ उनके आत्मीय संबंध इत्यादि शैलजा के मन के परदे पर चित्रपट की भांति आज भी दृश्यमान होते रहते हैं. आगे चलकर बेटी निमिषा डॉक्टर बनी और बेटा निखिल इंजीनियर बन गया. उसी घर से दोनों की शादी धूमधाम से रचाई और आज दोनों अपने परिवार के साथ खुश हैं. बेटा-बहू दिल्ली में इंजीनियर हैं और बेटी अमेरिका में अपने पति के साथ डॉक्टरी की प्रैक्टिस कर रही है.

शैलजा को सुखद आश्चर्य होता है कि कैसे इस घर में इतना लम्बा समय गुजर गया! जिस घर में वह नव परिणीता दुल्हन बनकर आई थी, आज वहीं विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मना रही है. इस घर में उसने एक भरपूर जिन्दगी जी है. बच्चों के लालन-पालन, उनकी शिक्षा-दीक्षा और घर की अभिवृद्धि हेतु उसने कठोर संघर्ष और परिश्रम किया है. आज एक छोटा-सा घर महल में तब्दील हो गया है. घर के सामने रंग-बिरंगे फूलों से सजी वाटिका और पीछे एक सुन्दर -सा किचेन गार्डेन है जिसमें आम, कटहल और सहजन के वृक्ष भी हैं. घर के फाटक के दोनों ओर दो-दो नारियल के पेड़ हैं और वे इतने फलते हैं कि शैलजा छठ पर्व में व्रतियों को खूब नारियल बांटती है.

देवेश ज्यादातर बाहर का काम, कॉलेज में अध्यापन और ट्यूशन में व्यस्त रहते थे पर उसने अपनी ऊर्जा, कला-कौशल और दक्षता से इस घर को भव्य और पावन बना दिया है.

आज भी वह उस पल को याद करके आत्मविभोर हो जाती है जब सबसे पहले उसके शयन-कक्ष का लाल फर्श सफेद बॉर्डर के साथ बना था. वह खुशी से चहक रही थी. बार-बार उस कमरे के फर्श को देखती और निहाल हो जाती थी. धीरे-धीरे सीढ़ियां बनीं, फिर छत और उसके बाद खाली जमीन पर भी निर्माण कार्य और कुछ वर्षों बाद एक नया आलीशान बंगला बनकर तैयार था. शैलजा खुद को बहुत भाग्यशाली मानती थी कि उसके घर के आगे कुछ ही दूर पर, चढ़ाई वाली सड़क के अंतिम छोर पर गंगा घाट था और उसके ठीक पहले शहर का सुविख्यात महिला कॉलेज और घर के बगल की सड़क से सटे एक पुराना शिव मंदिर था. मंदिर, गर्ल्स कॉलेज और गंगाघाट लेन की वजह से उसके घर के मार्ग पर हमेशा गहमागहमी बनी रहती थी.

बाल अरुण के उदय होते ही शैलजा की छत के टैरेस पर स्वर्णाभा फैल जाती थी और मंदिर के शंख और घंटा ध्वनि से वातावरण गुंजायमान हो जाता था. वह नित्य प्रातः अपने टैरेस पर से ही सूर्य को अर्घ्य देती और मंदिर के देवी-देवताओं को नमन करती. फिर नीचे उतरकर गृह मंदिर में पूजा करती और तुलसी जी को जल चढ़ाती.

उसके पति देवेश बहुत मस्तमौला स्वभाव के थे. तड़के ही मित्रों की पुकार सुनकर उठ जाते और मिल्केन हाथ में लिए दूध लाने चल पड़ते थे. सुबह-सुबह गाय दुहवाकर शुद्ध दूध लाते और स्वयं चाय बनाकर पत्नी के साथ पीते. उसके बाद मित्रों के साथ प्रातःभ्रमण और फिर किन्हीं मित्र के घर बैठकर परिवार, राजनीति एवं अन्य समसामयिक विषयों पर चर्चा करते. गप्पें हांकना, हो-हल्ला, हंसी-ठिठोली करना,चाय की चुस्कियों और पान की गिलौरी के साथ मित्रों के संग वक्त बिताना--देवेश की दिनचर्या में शुमार था; किन्तु वे समय के पाबन्द और अपने काम में पक्के थे. उनकी सफलता का रहस्य उनकी कर्मठता और अनुशासित जीवन में निहित था.

सुबह गृहकार्य से फुर्सत न मिलने के कारण शैलजा पार्क में सखियों के साथ संध्या भ्रमण करती थी. शैलजा का ज्यादातर समय टैरेस पर ही बीतता था. उसने टैरेस का कुछ भाग खुला छोड़कर बाकी में कांच की बड़ी-बड़ी खिड़कियां लगाकर बैठक का रूप दे दिया था. वहीं बैठकर वह अखबार और पत्र-पत्रिकाएं पढ़ती, हारमोनियम बजाती, सुबह-शाम की चाय और नाश्ता वगैरह, यहां तक कि रसोई के अनेक काम भी वहां बैठकर निबटाती. रंग-बिरंगे आधुनिक परिधानों में सजी कॉलेज जाती हुई छात्राओं को देखना उसे बड़ा अच्छा लगता था. छात्राएं सामने की मनिहारी दुकान पर साज-श्रृंगार की चीजें खरीदतीं. उनका तेज स्वर में आपसी वार्तालाप, शोखी भरी हरकतें, कुछ लड़कियों की बॉयफ्रैंड के साथ शरारत भरी नोक-झोंक आदि दृश्य देखकर वह आनंदित होती थी.

भोर होते ही उसके घर के बगल के मंदिर में फुलडलिया, लोटकी, धूप-दीप आदि लेकर जाती स्त्रियां, बच्चे-बच्चियां उसका मन मोह लेती थीं. कार्तिक पूर्णिमा, मकर संक्रांति आदि के पावन अवसर पर वहां गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता था. छठ पर्व के अवसर पर तो सप्ताह भर उस मार्ग पर पूजोत्सव का भक्तिमय माहौल बना रहता था. ऐसे सुरम्य वातावरण को छोड़कर शैलजा का कहीं अन्यत्र जाने का दिल नहीं करता था. यद्यपि बीच-बीच में वह छुट्टियों में अपने बच्चों के पास जाती थी पर शीघ्र ही उसे उकताहट होने लगती थी. वह जल्दी ही अपने बसेरे में लौट आती थी. इससे देवेश और बच्चों को काफी क्षोभ और खीझ होती थी.

कुछ समय से देवेश की तबीयत खराब रहने लगी थी. इस बारे में जानकर निखिल और निमिषा इस घर को छोड़कर मां-पिताजी के दिल्ली शिफ्ट होने की बात करने लगे थे पर शैलजा इसका कड़ा विरोध करती थी. निखिल कहता—"समय के साथ सोच बदलनी चाहिए मां! छोटे शहर से निकलकर बड़े शहर में आओ. यहां क्या रखा है? न अच्छे डाक्टर्स हैं और न किसी तरह की आधुनिक सुविधा. हमारे बच्चों को भी दादा-दादी की जरूरत है. फिर इस ढलती उम्र में तुमलोग बीमार हुए तो हमलोग नहीं आ सकेंगे. फिर कौन तुमलोगों की देखभाल करेगा? निमिषा को भी दिल्ली आने में कोई दिक्कत नहीं पर यहां आना मुश्किल है. पिताजी ने तो अपना मन बना लिया, फिर तुम क्यों नाहक ज़िद पर अड़ी हो?"

ऐसी बातें सुनकर शैलजा को अजीब -सी छटपटाहट होती. करुण स्वर में वह कहती –"यहां छोड़कर मेरा मन कहीं नहीं लगता बेटा.यहां मेरा व्यवस्थित जीवन है, नियमित दिनचर्या है जिसकी मुझे आदत हो गई है."

निखिल कड़े स्वर में कहता- "कैसी बातें करती हो मां! यहां के अस्वच्छ वातावरण, लोगों की दकियानूसी सोच से बाहर निकलो. हमारी सोसायटी में विभिन्न प्रांतों, धर्मों के उत्सव, त्योहार मनाए जाते हैं. इनमें सम्मिलित होकर तुम अपूर्व आनंद का अनुभव करोगी. धीरे-धीरे वहां तुम्हारा मन रम जाएगा"

देवेश भी शैलजा को समझाते-"अब भला किसके सहारे यहां रहूं? मेरे सारे दोस्त स्वर्ग सिधार चुके हैं. अब पुकारने वाला कोई मित्र नहीं, सुबह उठकर अगल-बगल, आमने-सामने जिनके मुस्कुराते चेहरे देखकर दिन की शुरूआत होती थी, अब कोई न रहा. अब बातें करने या मिलने-जुलने वाले कोई आत्मीय रिश्तेदार भी नहीं, सबके बच्चे बाहर चले गए हैं. अकेलेपन की पीड़ा और अवसाद ने मुझे कुंठित कर दिया है."

ये बातें सुनकर भी शैलजा टस से मस न हुई. यह घर उसके लिए सिर्फ आश्रय-स्थल नहीं था, यहां उसने अपने सपनों का संसार बसाया था. यहां उसके सपने साकार हुए थे, उसकी कल्पनाओं को मूर्त्त रूप मिला था. उसका अस्तित्व इस घर में इस कदर समाहित हो गया था जैसे पानी में रंग घुल-मिल गया हो. उसका रोम-रोम रच-बस गया था इसकी पावन मिट्टी में.

वह घर न बेचने की गुहार लगाती रही पर पति और बेटे ने एक न सुनी. सारा सौदा तय हो गया. सामान पैक करवाकर दिल्ली भेजे जाने लगे. शैलजा के तन-मन में न कोई खुशी थी,न स्फूर्ति. वह यंत्रवत काम कर रही थी. उसके हाथों से सजाया हुआ आशियाना वीरान हो गया. विदाई की बेला आ गई. देवेश के कहने पर शैलजा ने घर की चाभी क्रेता के हवाले की. उसकी आंखें छलछला उठीं. ऐसा लगा किसी ने उसके प्राण खींच लिए हों. वह मौन, निस्पन्द बैठी रही. तभी देवेश ने शैलजा से कहा—"गाड़ी आ गई है, एक बार पूरे घर को देख लो,चेक कर लो,कहीं कुछ जरूरी चीज न छूट जाए." फिर वह हाथ में बैग उठाए नीचे उतरकर गाड़ी में बैठ गए.

गाड़ी बार-बार हार्न बजा रही थी. देवेश चिल्ला रहे थे-"क्या हुआ शैल? अब क्या छूट गया?" शैलजा ने मंदिर में स्थित देवी-देवताओं को प्रणाम किया और फिर तुलसी चौरा को दोनों हाथों से थामकर, हृदय से लगाकर नमन किया.

आंखों में उमड़े आंसुओं को रोककर फिर वह गेट के बाहर आई और चुपचाप गाड़ी में बैठ गई. अंतिम बार उसने अपने घर की ओर दृष्टि डाली. मन-प्राण,आत्मा-सबकुछ तो यहीं छूट गया था. वह बेजान जिस्म, बुत बनी बैठी थी. शैलजा की मनःस्थिति को भांप कर देवेश भी चुप हो गए थे.

गाड़ी चल पड़ी--एक नए परिवर्तन की डगर पर.

गंगाघाट, कॉलेज, शिव मंदिर, पीर बाबा की मजार, योग-संस्थान, सुरसागर संगीत केंद्र उसके चिर-परिचित सभी स्थान पीछे छूट गए. शहर से आगे गाड़ी ने रफ्तार पकड़ ली और अब पक्की, चिकनी सड़क पर सरपट दौड़ने लगी.

विमर्श

नागरी की वर्तनी में यह घुसपैठ रोकिए

इसे देवनागरी लिपि की ताकत ही कहिए कि जिन नामी-गरामी शायरों की उर्दू में छपी किताबें कुछ सौ भी नहीं बिक पाती थीं, उनका लिप्यंतरण कर हिन्दी में उतार देने से हजारों प्रतियां हाथोंहाथ बिक जाने लगीं. यहां तक कि वे शायर हिन्दी के बेस्टसेलर माने जाने लगे. हिन्दी के कवि मुंह ताकते रह गए. उसका बड़ा कारण यह है कि हिन्दी के रसूखदार वामपंथी प्रोफेसरो ने समकालीन हिंदी कविता का सर तन से जुदा कर इस लायक भी नहीं रखा कि उसको कोई खरीदकर पढ़े. हिंदी कविता की मुख्यधारा वहीं रुकी पड़ी है, जहां दिनकर की पीढ़ी ने छोड़ी थी. नवगीतकारों ने एक नहर बनाने का प्रयास अवश्य किया, लेकिन उसे इकोसिस्टम का पूरा सहयोग नहीं मिल सका. इसकी तुलना में उर्दूदां काव्य प्रेमियों ने अपनी परंपरागत काव्य-विधा का योजनाबद्ध प्रचार कर उसे हिन्दी के गांव-घर तक पहुंचा दिया. राजभाषा के झंडाबरदार छंद -मुक्त कविता की झरबेरी फेंककर गजल के रसीले खजूर खाने लगे. यहां तक तो ठीक था, लेकिन लिप्यंतरण की बाढ़ में बहुत से खर-पतवार भी आ गए, जिससे नागरी लिपि प्रदूषित होने लगी, जो हमारी चिंता बढ़ा रही है. उदाहरण के लिए केवल शेर यथावत प्रस्तुत है-

डॉ बुद्धिनाथ मिश्र

तुझसे मिलते ही वो कुछ
बेबाक हो जाना मिरा
औ' तिरा दांतों में वो
उंगली दबाना याद है.

इसमें यह मिरा और तिरा क्या है? इन्हें क्रमशः मेरा और तेरा आसानी से लिखा जा सकता था. 'ए' को एक मात्रात्मक मानने का गुर हमें गोस्वामी तुलसीदास जी बहुत पहले सिखा गये हैं- 'एहि सन हठ करि हौं पहिचानी' में भी तो ए लघु-मात्रिक ही है. कहां किसी को परेशानी हुई? फिर अचानक यह मिरा-तिरा क्यों होने लगा? इसके पीछे भी कोई सुनियोजित साजिश तो नहीं!

कहावत है कि बुढ़िया के मरने से उतना डर नहीं, जितना यम के परचने का डर है. वह हो भी रहा है. हिंदी के सैकड़ो जांबाज नवयुवक जिस तरह गजल लिखने और उसमें मिरा -तिरा करने लगे हैं, उसे देखकर आशंका होना स्वाभाविक है. यह देव मंदिरों में साईं बाबा की मूर्ति की प्रतिष्ठा की भांति अनर्गल और अनर्थकारी है. पहले हिन्दी के प्रकाशक पांडुलिपियों को तराशने के लिए सुयोग्य संपादक रखते थे. आज उनका अदर्शनं लोपः हो गया है. ऐसे में बाढ़ के साथ आयी खर-पतवारों से भाषा की सुरसरि को कैसे बचाया जाए, यह विचारणीय है. सुतरां, देवनागरी की वर्तनी में यह घुसपैठ हर हाल में रोकिए.

लघुकथा

रिटायरमेंट

सारिका भूषण

चौधरी परिवार आज बहुत खुश था. घर में पार्टी हो रही थी. सारे दोस्त और रिश्तेदार आज की पार्टी में मौजूद थे, जो अक्सर घर आने में बहाने बनाया करते थे. पर्व-त्योहार में भी परिवार के छोटे सदस्य नहीं आ सकने का कोई-न-कोई बहाना खोज ही लेते थे. रामाकान्त चौधरी परिवार में सबसे बड़े थे, इसीलिए चाहते थे कि सभी लोग उनसे मिलने उनके घर आया करे.

आखिर पीडब्ल्यूडी से चीफ इंजीनियर के पद से रिटायर हुए कड़क व्यक्तित्व के स्वामी थे. पर जब तक नौकरी में थे तब तक लोग आ भी जाते थे पर अब उनके घर पर वो पहले वाली रौनक जो कम हो गई थी. इसमें उनके इकलौते सपूत का भी हाथ था.

चौधरी साहब ने अपने बेटे को इंजीनियरिंग पढ़ाने की लाख कोशिश की पर वह न माना. शुरू से ही मेधावी रहा आनंद अपनी मर्ज़ी से आर्ट्स लेकर पढ़ाई की और एक छोटे से प्राइवेट कॉलेज में लेक्चरर पद पर नियुक्त हुआ. रमाकान्त जी को बेटे के इंजीनियर नहीं बनने का बेहद दुःख था. उन्हें क्या परिवार में जिसे जब मौक़ा मिलता कुछ-न-कुछ सुना ही देता था. जब दूसरे अपने बच्चों के बड़े-बड़े मल्टीनेशनल में नौकरी की बात करते तब रमाकान्त जी का दिल जलने लगता. मगर उनके बेटे पर किसी प्रकार की ग्लानि नहीं दिखती थी. वह सबकी अनसुनी करके सिर्फ पढ़ने-पढ़ाने में लगा रहता.

"पता नहीं इसके दिमाग में क्या चलते रहता है. जाने किस मिट्टी का बना है यह?"

चौधरी साहब कभी-कभी झुंझलाकर बोल ही देते थे. मगर आज उनकी छाती चौड़ी हो गई थी.

पूरे राज्य में उनका बेटा आईएएस की परीक्षा में टॉप किया था. आज सही मायने में वह उसकी सादगी, पढ़ाई और काबिलियत को समझ पा रहे थे. बहुत दिनों बाद पिता को इतना खुश देखकर आनंद ख़ुद को सौभाग्यशाली पुत्र मान रहा था.

" भरे-पूरे घर और इतने रिश्तेदारों के बीच पापा कितने खुश हैं न! अब कम-से-कम मेरे रिटायर होने तक इस घर में यह रौनक तो बनी रहेगी." आनंद ने पद और परिवार के रिश्ते से जुड़ी कड़वी सच्चाई को समझते हुए धीरे से अपनी पत्नी को कहा. दोनों मुस्कुरा दिए.

व्यंग्य ›› बर्बरीक

तमाशा मेरे आगे

बड़ी खुशी की बात है कि हमारा देश तमाशों का देश है और हम परले दर्जे के तमाशबीन. किसिम किसिम के तमाशे रोज होते रहते हैं और हम बिलकुल नहीं थकते. अभी अभी लोकतंत्र को मज़बूती देने वाला तमाशा खत्म हुआ नहीं कि कुछ और तमाशा शुरू.

बड़े तमाशे के दौरान हमने तमाशेबाज़ राजा के तमाशे देखे. एक-एक दिन में चार-चार जगह हेलीकॉप्टर उड़ने और चुनावी भाषण के तमाशे देखे. भाषा बिगड़ने-सुधरने के तमाशे देखे. एक एक दिन में चार-पांच कपड़े बदलने के तमाशे देखे और सोचते रहे कि कब कपड़े बदले गए और बाल-दाढ़ी संवारी गई. सबकुछ चकाचक किया गया. तमाशे में कोई कमी नहीं पाई गई. पंजों के बल खड़े होकर रिजल्ट का तमाशा देखा चुनावों का. यह भी देखा कि जीतने वाले जीत कर भी हारे हुए लग रहे थे और हारने वाले हारकर भी जीता हुआ महसूस कर रहे थे. यह भी एक अभूतपूर्व तमाशा हुआ.

एक तमाशा राम जी ने भी दिखाया कि जहां उनको लाया गया था वही लाने वाले हार गए. इससे यह भी साबित हुआ कि राम जी को ओवरकॉन्फिडेन्स वाले तमाशे पसंद नहीं. तमाशेबाज़ राजा ने जिस चार सौ पार करने के तमाशे का दावा किया था जनता जनार्दन ने उस दावे की हवा निकाल कर मैसेज दे दिया कि ज़्यादा ऊंचा उड़नेवाले तमाशे दिखाने की ज़रूरत नहीं है.

सबसे बड़ी पंचायत में भी तमाशा जारी रही. कोई भोले बाबा की तस्वीर लेकर दिखलाता रहा तो कोई बालसुलभ अदा बताकर तमाशे को फुस्स करने की कोशिश करता रहा. इस बीच एक और बड़ा तमाशा सामने आ गया जब हम विश्व विजेता बन गए. अरे सचमुच के नहीं, क्रिकेट में. बस फिर क्या था! हम ढाक ढोल पटाखे लेकर सड़कों पर आ गए. लगा जैसे देश की सारी समस्याओं पर काबू पा लिया गया. लोग खुशहाल हो गए. हमारा तमाशेबाज़ मन नाचने कूदने लगा और हमने खिलाड़ियों का जुलूस ही निकाल दिया. खुशी में बिहार में पुल नदियों में कूदने लगे. एयरपोर्ट की छतें नाच नाच कर गिरने लगी. बाज़ार ऐसे तमाशे बहुत पसंद करता है और हमलोग भी. तभी तो मायानगरी की सड़कों पर हजारों लोग खेल और बाज़ार दोनों को सेलीब्रेट करने निकल पड़े.

अभी यह सब तमाशे चल ही रहे थे कि एक तथाकथित बाबा ने तमाशा कर दिया. लाखों लोग जो बाबा का तमाशा देखने जमा हुए थे उनके बीच ही भगदड मचवा दी. दुखद था लेकिन कभी-कभी तमाशा घुसकर देखने की सज़ा भी भुगतनी पड़ती है. लेकिन अब तो आपको भी अंदाजा हो ही गया होगा कि हम तमाशबीन क़ौम हैं जो एक्सीडेंट होने पर भी घायल पर ध्यान बाद में देते हैं पहले रील बनाते हैं.

तमाशा हमारी नियति भी है नीयत भी. हमलोगों के बारे में ही चचा ग़ालिब कह गए- बाज़ीचाए अतफाल है दुनिया मिरे आगे/होता है शबोरोज़ तमाशा मिरे आगे.

कविता/गज़ल

विनोद कुमार
राज विद्रोही

कभी देखा है

क्या तुमने कभी देखा है
फूस की झोपड़ी में
जगह-जगह चूते बरसात का पानी,
घर के तमाम बर्तनों से
पानी छांदने की जद्दोजहद,
आंसू और पानी को
एक साथ मिलते हुए
एकाकार होते हुए.

क्या तुमने कभी महसूसा है
भूखे गर्भाशय का दर्द
मां की अंतड़ियां जब मरोड़ती है भूख से,
तब पेट में पल रहा अविकसित नवजात शिशु
किस तरह छटपटाता है
किस तरह पांव मारता है पेट में
मां की वेदना जब आंसू बनकर
टपकती है जहां-तहां जमीन पर
एक अमूर्त आकृति बनती है.

क्या तुमने कभी देखा है
नमक और सरसो तेल के साथ
बासी रोटी खाते किसी मजदूर को
मडुआ का 'घोटरउंवां' रोटी खाते
किसी रोपनी को
गोंदली के भात से पेट भरते किसी किसान को ?

तो आओ
तुम्हें लेकर चलता हूं मैं
उन गलियों में
उन खेतों में
दक्षिण टोलों में.

वीना श्रीवास्तव

गमलों के सोवनियर

पर्वतों के पीछे से आज फिर रिस रहा है लहू
शायद फिर हो रहा है कोई हलाल
काटा जा रहा है किसी का शीश
अभी तो रेता जा रहा होगा उसका गला
फिर, किए जाएंगे अलग उसके हाथ, धड़ और पैर
फिर उखाड़ दिया जाएगा समूल
वो नहीं बन पाएंगे इतिहास
नहीं पनपेगी उनकी वंश बेल
दुनिया के नक्शे से ग़ायब हो जाएंगे
आदिमजातियों के आदिम घर
विरासत में मिले हरियालायन को
हमने कर दिया धूसर
उन्होंने हमें दिया भोजन और सांसें
और हमने स्वाहा कर दिया उनका जीवन
शायद तभी गढ़ी गई
होम करते हाथ जलने की परिभाषा
न, न, परिभाषा तो हमने अपने लिए गढ़ी
दरअसल, केवल उनके हाथ ही नहीं जले
वो पूरे जल गए, पूरे कट गए, पूरे मिट गए
जब खंडहर ही नहीं होंगे तो कोई कैसे जानेगा
कि इमारत कितनी बुलंद थी
वो भी हो जाएँगे ऐसे ग़ायब
जैसे ग़ायब हो रहे हैं
आदिवासी और उनके ठिकाने

सभ्यताओं के इतिहास में हमारी तरह
वो भी हो जाएंगे ज़मींदोज़
आजकल ज़ोरों पर हो रहा है गिरि संहार
पुराने घरों को किया जा रहा है समूल नष्ट
बनाए जा रहे हैं कंकरीट के महल
और महलों में तैयार हो रहे हैं
गमलों के सोवनियर.

डा. राजश्री
जयंती

लौट आना

पहचान अपनी हुनर का बनाने हमें आता है
हमसफ़र बन जाओ तो अच्छा वरना
अकेले सफर काटने का हुनर हमें आता है.
तुम्हारे हाथों की लकीरों में हम ही तो हैं
अनपढ़ न समझना हमें
लकीरें पढ़ने का हुनर हमें आता है.
क्या हुआ अगर इश्क की आग बुझ सी रही
हौले-हौले हवा देने का हुनर हमें आता है.
ज़ख्मों से भरा है दिल तो क्या हुआ
ज़ख्मों पर मरहम लगाकर फूंकने का हुनर हमें आता है.
तुम्हारे बगैर भी जीने की आदत सी हो रही थी
इस तरह भी जीने का हुनर हमें आता है.
क्या कहा तुमने लौटकर नहीं आओगे,
लौटना तो था ही तुम्हें बुलाने का हुनर हमें आता है.

प्रवीण परिमल

बूढ़ा रिक्शावाला जब मुस्कुराता है

बूढ़ा रिक्शावाला जब मुस्कुराता है
आदमी, भीतर तक चनक जाता है
यदि उसकी मुस्कुराहट का अर्थ समझ ले!

उसकी मुस्कुराहट का सही अर्थ समझना
ठीक वैसा ही दुष्कर है
जैसा कि 'मोनालिसा' को समझ पाना.

हवा में तीर मारने जैसा
आसान नहीं है, यह.

चक्र पर नाचती हुई
मछली की आंख है
उसकी मुस्कुराहट,
जिसे अर्जुन जैसा कुशल धनुर्धर ही
बेध सकता है!

तवायफों या मंत्रियों की तरह
उसकी मुस्कुराहट के 'प्रकार' नहीं होते!

बस,
एक ही अंदाज में
मुस्कुराता है वह
सदा, सर्वदा.

चाहे यात्रियों की गालियां हों
या ऑटोचालकों की फटकारें,
ट्रैफिक पुलिस के डंडे हों
या बिगड़ैल विद्यार्थियों के तमाचे!

अपनी फटी - चीकटदार चादर की तरह
वह ओढ़ता नहीं किसी भी बात को!

ललाट पर चुरचुराते
पसीने की बूंदों की तरह
पोंछकर झटक देता है वह
भीतर के आक्रोश को
एक ख़ास और स्थायी अंदाज़ में!

बस, यही वह घड़ी होती है
जब वह
महज एक रिक्शाचालक भर
नहीं रह जाता, बल्कि
एक कुशल कलाकार दिखने लगता है,
जिसकी मुस्कुराहट देख
आदमी भीतर तक
चनक जाता है!

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पत्नी के साथ स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह.

वानखेड़े में विराट कोहली ने कहा था - बुमराह जैसा खिलाड़ी कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है

पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहा हूं : जसप्रीत बुमराह

- अहमदाबाद पहुंचने पर फूलों से किया गया स्वागत

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप का चैंपियन बनने के बाद स्वदेश में मिले शानदार स्वागत के लिए आभार व्यक्त करने की कड़ी में गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहे हैं. इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में खेले गए टूर्नामेंट में 15 विकेट लिए. बुमराह ने टी20 विश्व कप में भारत की 17 साल बाद खिताबी जीत में अहम भूमिका निभायी. उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया. बुमराह ने

एक्स पर पोस्ट किया, मैं पिछले कुछ दिनों से बहुत आभारी हूं. मैं सपनों में जी रहा हूं और इसने मुझे खुशी और कृतज्ञता से भर दिया है. इस तेज गेंदबाज ने इसके साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें स्वदेश लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नाश्ते और मुंबई में लाखों प्रशंसकों के

साथ विजय परेड के अंश शामिल हैं. 42 सेकंड की इस क्लिप में गुरुवार को परेड के बाद सम्मान समारोह के दौरान विराट कोहली के भाषण का ऑडियो भी शामिल है, जिसमें वह बुमराह के योगदान की प्रशंसा कर रहे हैं. बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर भारत को शानदार वापसी दिलायी थी. दक्षिण अफ्रीका को एक समय 30 गेंद पर 30 रन चाहिए थे लेकिन इन दोनों ने मिलकर उसकी बल्लेबाजी को थर्रा दिया और भारत सात रन से जीत दर्ज करने में सफल रहा. कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि बुमराह जैसा खिलाड़ी कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है. इसके बाद स्टेडियम में बुमराह के नाम की गूंज सुनाई देने लगी. विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने कहा था, मैं चाहता हूं कि सभी उस खिलाड़ी की प्रशंसा करें जिसने हमेशा हमें बार-बार वापसी दिलायी है. यह अद्भुत प्रदर्शन था. मुझे खुशी है कि वह हमारे लिए खेलता है. बुमराह का हाल में अहमदाबाद अपने घर पहुंचने पर फूलों से स्वागत किया गया था.

ब्रीफ खबरें

अश्विन ने ग्लोबल चेस लीग में टीम खरीदी

नयी दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अमेरिकन गैम्बिट्स टीम के सह मालिक बन गए हैं, जो ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली नयी टीम है. जीसीएल टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के संयुक्त स्वामित्व वाली लीग है. लंदन में तीन से 12 अक्टूबर तक होने दूसरे सत्र के लिए लीग ने सोमवार को छह फ्रेंचाइजी को पेश किया. जाने-माने व्यवसायी प्रचुर पीपी, वेंकट के नारायण और अश्विन के स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स टूर्नामेंट में चिंगारी गल्फ टाइटंस की जगह लेगी. हम अमेरिका गैम्बिट्स को शतरंज जगत के सामने पेश करके रोमांचित हैं.

रेहान दूसरे पेशेवर टूर्नामेंट में ही शीर्ष 10 में शामिल

रबात (मोरक्को)। भारत के रेहान थॉमस ने 20 लाख डालर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी दूसरी पेशेवर प्रतियोगिता में ही शीर्ष 10 में जगह बनायी. दुबई में रहने वाले इस भारतीय खिलाड़ी ने चार दौर में 69-73-69-72 का स्कोर बनाया. उनका कुल योग नौ अंडर रहा जिससे वह संयुक्त आठवें स्थान पर रहे. इस प्रतियोगिता में भारत के 16 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से केवल पांच खिलाड़ी कट में जगह बना पाए थे. भारतीय खिलाड़ियों में रेहान का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा.

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व जयसूर्या बने कोच

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है. भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी. आक्रामक सलामी बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैंड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे. सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था. टीम इस विश्व कप में टीम लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पायी थी.

यूरो कप 2024 : गत विजेता इटली चैंपियनशिप से बाहर हो गया है

स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, नीदरलैंड के बीच होगी फाइनल की जंग

एजेंसी। एलियांज एरीना

यूरोपीय चैंपियनशिप (यूरो कप 2024) के सेमीफाइनल मुकाबलों को अंतिम रूप दे दिया गया है. गत विजेता इटली बाहर हो गया है, लेकिन उपविजेता इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहा है और इस बार वह एक कदम और आगे बढ़ना चाहेगा। लेकिन उन्हें नीदरलैंड का सामना करना होगा और फिर अगर वे जीत जाते हैं, तो स्पेन और फ्रांस के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ना होगा, ताकि वे अपने ''घर वापसी'' के सपने को पूरा कर सकें. यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में टीमें हैं स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, नीदरलैंड. यूरो कप 2024 सेमीफाइनल का प्रारूप

चार सेमीफाइनल मैचों का विजेता फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा. यदि सेमीफाइनल में विजेता का फैसला नियमित 90 मिनट में नहीं होता है तो खेल अतिरिक्त समय में चला जाएगा. यदि अतिरिक्त समय में विजेता का चयन नहीं होता है, तो पेनल्टी शूटआउट का विजेता फाइनलिस्ट का खुलासा करेगा.

यूरो कप 2024 सेमीफ़ाइनल मैच

यूरो कप 2024 सेमीफाइनल की तारीखें, समय और स्थान

मैच	टीमें	दिन और तारीख	समय	स्थान
पहला सेमी-फाइनल	स्पेन बनाम फ्रांस	बुधवार 10 जुलाई	रात 12:30	एलियांज एरीना
दूसरा सेमी-फाइनल	नीदरलैंड बनाम इंग्लैंड	गुरुवार 11 जुलाई	रात 12:30	सिग्नल इडुना पार्क

कोपा अमेरिका 2024 : अर्जेंटीना, कनाडा, उरुग्वे, कोलंबिया के बीच मुकाबला

कोपा अमेरिका 2024 के लिए अंतिम चार टीमों का फैसला हो गया है, क्योंकि क्वार्टर फाइनल चरण में कुछ उलटफेर देखने को मिले और कुछ टीमें अपनी जीत की राह पर बरकरार रहीं. अर्जेंटीना का सामना कनाडा से, उरुग्वे का सामना कोलंबिया से होगा.

क्वार्टर फाइनल चरण में कुछ उलटफेर देखने को मिले और कुछ टीमें अपनी जीत की राह पर बरकरार रहीं. गत चैंपियन अर्जेंटीना, पहली बार खेल रही कनाडा, शानदार फॉर्म में चल रही कोलंबिया और 15 बार की चैंपियन उरुग्वे वे चार टीमें हैं जो फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में खेलेंगी.

सेमीफाइनल 1: अर्जेंटीना बनाम कनाडा

इक्वेडोर के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में एमिलियानो मार्टिनेज के शानदार प्रदर्शन ने अर्जेंटीना के सेमीफाइनल में स्थान सुनिश्चित कर दिया, जबकि कनाडा ने भी पेनल्टी शूटआउट में वेनेजुएला को हराकर पहली बार फाइनल चार में जगह बनायी. अर्जेंटीना बनाम कनाडा का मैच बुधवार, 10 जुलाई को भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में शुरू होगा.

सेमीफाइनल 2: उरुग्वे बनाम कोलंबिया

कोलंबिया ने क्वार्टर फाइनल में पनामा को 5-0 से हराकर अपना अजेय रिकॉर्ड 27 मैचों तक पहुंचा दिया. दूसरी ओर, उरुग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में ब्राजील को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी. उरुग्वे बनाम कोलंबिया मैच गुरुवार, 11 जुलाई को सुबह 5:30 बजे उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट में बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम में खेला जाएगा.

जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो युवराज काफी खुश थे : अभिषेक

भाषा। हरारे

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण मैच में जब वह शून्य पर आउट हो गए थे, तो उनके मेंटर (मार्गदर्शक) युवराज सिंह काफी खुश थे, क्योंकि इस पूर्व ऑलराउंडर का मानना था कि यह अच्छी शुरुआत है. अभिषेक भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए खाता नहीं खोल पाए थे. जिंबाब्वे ने यह मैच 13 रन से जीता। अभिषेक ने हालांकि शानदार वापसी करके दूसरे मैच में 47 गेंद पर 100 रन बनाए जिससे भारत यह मैच 100 रन से जीतने में सफल रहा.

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें अभिषेक ने कहा, मैंने उनसे (युवराज) बात की और मैं नहीं जानता कि जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह क्यों बहुत खुश थे. उन्होंने कहा कि यह अच्छी शुरुआत है लेकिन अब वह मेरे परिवार की तरह खुश होंगे और उन्हें मुझ पर गर्व होगा. अभिषेक ने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर उनका कौशल सुधारने बल्कि मैदान के बाहर भी उनका समर्थन करने के लिए भारत की 2011 की विश्व कप की जीत के नायक युवराज का आभार व्यक्त किया. मैं आज जो भी हूं उसमें उनकी काफी अहम भूमिका रही है. उन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाने में कड़ी मेहनत की. उन्होंने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर मेरा कौशल निखारा बल्कि मैदान के बाहर की जिंदगी में भी मेरी मदद की. रविवार को खेले गए मैच के बाद अभिषेक ने युवराज से बात की और वह इस युवा बल्लेबाज के प्रदर्शन से काफी खुश थे. युवराज ने कहा, शाबास, मुझे तुम पर गर्व है. तुम इसके हकदार थे. यह तो अभी शुरुआत है. आगे अभी इस तरह की कई पारियां खेलोगे.

अभिषेक शर्मा के लिए फिर शुभ साबित हुआ शुभमन का बल्ला

भाषा। हरारे

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में शून्य पर आउट होने के बाद भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जिंबाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिस बल्ले से शतक जड़ा, वह उन्होंने कप्तान शुभमन गिल से लिया था, जो जूनियर क्रिकेट के दिनों की तरह यहां भी उनके लिए शुभ साबित हुआ. अभिषेक ने 47 गेंद पर 100 रन की तूफानी पारी खेली जिससे भारत ने यह मैच 100 रन से जीत कर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की. अभिषेक ने मैच के बाद गिल का विशेष आभार व्यक्त किया.

शुभमन का विशेष आभार जो उन्होंने सही समय पर मुझे अपना बल्ला दिया: उन्होंने कहा, शुभमन का विशेष आभार जो उन्होंने सही समय पर मुझे अपना बल्ला दिया. मेरे लिए और टीम के लिए इस पारी की सख्त जरूरत थी. अभिषेक ने कहा, ऐसा अंडर-14 के दिनों से हो रहा है. मैं जब भी उनके बल्ले से खेला मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और आज भी ऐसा हुआ. उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं केवल उनके बल्ले से खेला जो मुझे काफी मिन्नत करने के बाद मिला. वह अपना बल्ला आसानी से नहीं देते हैं. जब मुझे लगता है कि वापसी के लिए मुझे उनके बल्ले से खेलना होगा, तब यह मेरे लिए अंतिम विकल्प की तरह होता है.

यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में, कोको गॉफ बाहर

विंबलडन 2024

एजेंसी। लंदन

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन महिला वर्ग में कोको गॉफ को बाहर का रास्ता देखना पड़ा. सिनर ने 14वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के खिलाफ 6-2, 6-4, 7-6 (9) से जीत दर्ज की. उनका अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से

होगा. एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच खेला जाएगा. गत चैंपियन अल्काराज ने 16वें वरीय उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से पराजित किया. पॉल ने रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-2, 7-6 (3), 6-2 ही हरा कर पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी. मेदवेदेव ने ग्रिगोर दिमित्रोव के पहले सेट में पांव पर चोट लग जाने के कारण बाहर हो जाने से अंतिम आठ में प्रवेश किया. महिला वर्ग में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी. पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा, जिन्होंने मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया. क्वालीफायर लुलु सन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है.

ह्यूस्टन स्क्वाश के फाइनल में हारे चोतरानी

नयी दिल्ली। भारत के वीर चोतरानी ह्यूस्टन में 9000 डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर टूर प्रतियोगिता कान्सो ओपन स्क्वाश के फाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद अशाब इरफान से पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 2-3 से हार गए. विश्व में 106वें स्थान पर काबिज और यहां चौथे वरीय चोतरानी ने दो बार वापसी करके बराबरी की, लेकिन इरफान ने रविवार को खेले गए फाइनल में निर्णायक गेम अपने नाम किया.

उमा छेत्री कड़ी मेहनत करने वाली क्रिकेटर है : मुनीश बाली

भाषा। चेन्नई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के क्षेत्ररक्षण कोच मुनीश बाली ने उमा छेत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह युवा विकेटकीपर वास्तव में कड़ी मेहनत करने वाली क्रिकेटर है. 21 वर्षीय छेत्री ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए दूसरे मैच में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया. उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद पर तेजमिन ब्रिट्स को स्टंप आउट किया.

इससे पहले वह इसी बल्लेबाज को स्टंप के आगे से गेंद पकड़ने के कारण जीवनदान दे चुकी थी. बाली ने हालांकि छेत्री का बचाव किया और कहा कि इस युवा खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में शॉर्ट लेग पर जिस तरह से क्षेत्ररक्षण किया वह सराहनीय है. बाली ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे बहुत खुशी है कि उसे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला. टेस्ट मैच के दौरान उसने 70 से 80 ओवर तक फील्डिंग की थी. वह बहादुर लड़की है. उन्होंने कहा, शॉर्ट लेग पर फील्डिंग करना आसान नहीं होता है. उसे तब चोट भी लगी थी लेकिन दर्द के बावजूद भी उसने वहां पर फील्डिंग की.

महिला क्रिकेट चेन्नई में चल रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला को 1-1 से बराबर करने की चुनौती

श्रृंखला के अंतिम टी20 मैच में भारत को करनी होगी बेहतर गेंदबाजी

भाषा। चेन्नई

भारतीय महिला टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मंगलवार को यहां आखिरी मैच में जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तक उसके सामने जीत दर्ज कर इसे 1-1 से बराबर करने की चुनौती होगी. इसके लिए हालांकि भारतीय गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा उठाना होगा, जिसके खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में नौ विकेट पर 189 रन बनाकर 12 रन से जीत दर्ज की. दूसरे मैच में बारिश के कारण भारत को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन गेंदबाजों ने इस

मुकाबले में भी छह विकेट पर 177 रन लुटाये थे. तीसरे टी20 में पर भी खराब मौसम का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि मंगलवार को भी बारिश की 30 से 40 प्रतिशत संभावना है. दोनों मैचों में दो-दो विकेट लेने वाली पूजा वस्त्राकर और स्पिनर दीप्ति शर्मा को छोड़कर, अधिकांश भारतीय गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही हैं. रेणुका सिंह के पहले मैच में असरहीन रहने के बाद दूसरे मुकाबले में सजीवन सजना को मौका मिला लेकिन इससे भी टीम को कोई फायदा नहीं हुआ. श्रेयंका पाटिल और राधा यादव ने रविवार को एक-एक विकेट लिया लेकिन यह दोनों गेंदबाज भी रन रोकने में नाकाम रहीं. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहेंगी कि श्रृंखला दांव पर होने के कारण उनके गेंदबाज कड़ी मेहनत करें. बल्लेबाजी के मोर्चे पर पहले मैच में भारतीयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है. जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 53), स्मृति मंधाना (46), हरमनप्रीत (35), शेफाली वर्मा (18) और दयालन हेमलता (14) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया. टी20 में रविवार को पदार्पण करने वाली विकेटकीपर उमा छेत्री के टीम में बने रहने की संभावना है.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव.

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ट (कप्तान), तजमिन ब्रिट्स, मीके डी रिडर (विकेट कीपर), सिनालो जाफ्ता (विकेट कीपर), एनेके बॉश, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिजान कप्प, सुने लुस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, एलिज़-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा और तुमी सेखुखुने.

मैच का समय : शाम सात बजे से.

ब्रीफ खबरें

बिहार बीएड परीक्षा का रिजल्ट जारी

पटना। बिहार बीएड परीक्षा की रिजल्ट घोषित हो गया है. परीक्षा में हाजीपुर की प्रीति अनमोल ने प्रथम स्थान प्राप्त की है. दरअसल, ललित नारायण मिथिला विवि (एलएनएमयू) ने सोमवार को दो वर्षीय बीएड व शिक्षा शास्त्री की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीईटी-बीएड 2024) का परिणाम घोषित कर दिया है. हाजीपुर की प्रीति अनमोल ने 102 अंकों के साथ परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है. वहीं बांका के कुणाल सिंह एवं बाढ़, पटना के बुल्लू कुमार 100 अंक लाकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे.

नालंदा में भीषण सड़क हादसा, दो की मौत

नालंदा। नालंदा जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग और जख्मी हो गए. घटना हिलसा और दीपनगर थाना क्षेत्र में घटी है. संबंधित थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दी है. पहली घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के महानंदपुर एनएच 20 पर घटी है. जहां सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्वर्गीय बिंदा महतो के 50 वर्षीय पुत्र इंद्रदेव प्रसाद की मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि वह सेंटरिंग का काम करते हैं काम कर घर लौट रहे थे इस दौरान यह हादसा हुआ. इसी तरह हिलसा थाना क्षेत्र के कामता फाल्ट के समीप अनियंत्रित होकर कर पेड़ से टकरा गई.

करंट की चपेट में आने से किशोरी की मौत

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के बनकटा जागीरदारी गांव में रविवार की रात दस बजे मोटर पंप में करंट आ जाने से एक किशोरी चपेट में आ गई. परिजनों ने किशोरी को तत्काल इलाज के लिए रेफरल अस्पताल भोरे लाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद किशोरी को मृत घोषित कर दिया. मृत किशोरी की पहचान जिले के भोरे थाना क्षेत्र के बनकटा जागीरदारी गांव निवासी राजेश साह की 16 वर्षीय पुत्री लक्ष्मीन कुमारी के रूप में की गई है. घटना की सूचना मिलने पर भोरे थाना अध्यक्ष अनिल कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और परिजनों से घटना की विस्तृत जानकारी ली.

जन सुराज के सूत्रधार ने राजद पर किया अबतक का सबसे बड़ा हमला

सिर्फ बकवास करते हैं तेजस्वी यादव : प्रशांत किशोर

संवाददाता। पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राजद पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है. उन्होंने राजद पार्टी के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि आज बिहार में एक दल के लोग हैं, जो बालू माफिया का काम कर रहे हैं. पूरे राज्य को इन्होंने बालू के अवैध खनन का केंद्र बना दिया है. तेजस्वी यादव कहते हैं कि मुझे क्रिमिनल और क्राइम से लगाव नहीं है. मतलब तो यही हुआ न कि बाघ ये कहे कि उसे मांस से लगाव नहीं है. आज इस देश में राजद से ज्यादा क्रिमिनल और क्राइम करने वाले लोग किसी पार्टी में है? आज इस देश में क्राइम और क्रिमिनल से इतने जुड़े लोग देश के किस पार्टी में है?

प्रशांत किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव ने जीवन में न कुछ पढ़ा न समझा, सिर्फ खड़े होकर बकवास करते हैं. तेजस्वी यादव को किसी विषय का ज्ञान नहीं है, कभी जाति पर बोलना है कभी धर्म के नाम पर बोलना है. दूसरी पार्टियों पर बस आरोप-प्रत्यारोप करना है. बिहार में जितने भी आदमी हैं क्या अनपढ़ हैं? क्या मैं बिहार का नहीं हूं, मैंने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं की है? क्या मैं अंग्रेजी नहीं बोलता हूं फ्रेंच नहीं बोलता हूं? नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव क्या मुझसे बढ़िया भोजपुरी बोलेंगे? तेजस्वी यादव को न भोजपुरी बोलना आता है न अंग्रेजी बोलना आता है. तेजस्वी को किसी भी विषय का कोई ज्ञान नहीं है.

भाजपा के नाम पर लोगों को बनाते हैं मूर्ख

पीके ने आगे कहा कि, जब जनता तेजस्वी से रोजगार के बारे में पूछती है तो वो कहते हैं कि भाजपा को रोको और यह बोलकर वह लोगों को मूर्ख बनाते हैं. आप कहते हैं कि शराब माफिया और बालू माफिया बहुत ज्यादा हो गए हैं तो तेजस्वी कहते हैं कि जातीय जनगणना करवा रहे हैं. ये काम करते नहीं है बस नए नए मुद्दों पर अपनी बात रख कर बहानेबाजी करते रहते हैं. प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर राज्य की जनता के मुद्दों की अनदेखी करने की बात कहते हुए कहा कि बिहार की जनता पूछ रही है रोजगार नहीं है तो तेजस्वी यादव बोलते हैं कि बीजेपी को रोको. बिहार की जनता पूछती है कि बालू और शराब माफिया क्यों हैं तो वो जातीय जनगणना की बात करके बिहार के लोगों को बेवकूफ बनाते हैं.

पटनासिटी में पोते ने की दादा की गोली मारकर हत्या

जमीनी विवाद को लेकर हुई घटना

संवाददाता। पटना

गाड़ी में शव.

पटनासिटी में जमीनी विवाद को लेकर एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई. वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. फिलहाल पुलिस इस मामले में छानबीन कर रही है. दरअसल, पूरा मामला पटनासिटी के फतुहा का है. जहां एक वृद्ध व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गयी है. मामला फतुहा थाना क्षेत्र के अरियाग टोला कोल्हर की है. जहां 71 वर्षीय सर्वि यादव को उसके पोते द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गयी. सर्वि यादव को सिर में दो गोली मारी गयी है. हालांकि घटना को अंजाम देकर पोता फरार हो गया है. घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके वारदात पर पहुंच मामले की जांच में लग गई है.

बताया जा रहा है कि घर में आपस में ही बंटवारे को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है. फ़िलहाल फतुहा डीएसपी निखिल सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि हत्यारे की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. फतुहा डीएसपी निखिल सिंह घटना की जानकारी दी.

शंकर सिंह ने जदयू-राजद की बढ़ाई मुश्किलें

रुपौली में थम गया चुनाव प्रचार का शोर

संवाददाता। पूर्णिया

अवधेश मंडल, शंकर सिंह और बीमा भारती के बीच मुकाबला.

कोसी नदी के किनारे बसे रुपौली में चुनावी घमासान तेज हो गया है. इस सीट पर 10 जुलाई को उप चुनाव होने वाला है. तमाम दल जोर अजमाइश में जुटे हैं. वैसे बी पूर्णिया जिला की राजनीति बाहुबलियों के लिए ख्यात है. रुपौली विधानसभा क्षेत्र की राजद प्रत्याशी बीमा भारती के पति अवधेश मंडल बाहुबली हैं. शंकर सिंह निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं, वे भी बाहुबली माने जाते हैं. शंकर सिंह और अवधेश मंडल के बीच पुरानी अदावत है. आज रुपौली में चुनाव को भोंपू शाम पंच बजे बंद हो जाएगा. रुपौली विधानसभा क्षेत्र से जदयू विधायक रहीं बीमा भारती ने जदयू से त्यागपत्र देकर राजद से लोकसभा चुनाव लड़ा था, इस कारण यह सीट खाली गई थी, अब यहां उप चुनाव हो रहे हैं.

रुपौली विधानसभा उपचुनाव के लिए 10 जुलाई को मतदान होगा. यहां से जदयू ने गंगोता जाति से आने वाले कलाधर मंडल को प्रत्याशी बनाया हैतो राष्ट्रीय जनता दल की ओर से गंगोता जाति से आने वाली बीमा भारती उम्मीदवार हैं. एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह जो राजपूत जाति से आते हैं, ताल ठोक रहे हैं. शंकर सिंह के चुनाव लड़ने से यहां लड़ाई दिलचस्प हो गयी है. शंकर सिंह की छवि बाहुबली नेता की है. रुपौली इलाके में अगड़ी जाति के बीच उनकी छवि रॉबिन हुड की है. अवधेश मंडल, कथित रूप से फैजान गिरोह का सर्वेसर्वा है. दोनों के बीच लंबे अरसे तक खूनी संघर्ष का दौर चला. दर्जनों लोगों की जान गई. नेताओं के दौरों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की पूछ व लोगों की उत्सुकता भी बढ़ने लगी है. रुपौली उपचुनाव का नाता लोकसभा चुनाव से होने के करण पूरे जिले की नजर इस पर टिकी हुई है.

बीमा भारती चुनाव जीतने के लिए पसीना बहा रही है. बीमा भारती ने पप्पू यादव से भी समर्थन मांगा था और पप्पू यादव ने भी बीमा भारती को आशीर्वाद दिया है. बता दें कि कुछ दिन पहले ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में बीमा भारती और पप्पू यादव आमने-सामने थे.

कुर्सी जाने पर लालू यादव का मन नही लगता : दिलीप

भागलपुर। लालू यादव की भविष्यवाणी पर राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि हर वक्त बिल्ली देखती रहती है कि छींका कब टूटेगा और दूध पियेंगे, लालू यादव का भी यहीं हाल है. लालू यादव का अभी मन नही लग रहा है ना... एक बार जो सत्ता की कुर्सी पर बैठा जाता है तो उसका मन नही लगता है, वो तो कब्र तक जाने तक भी इंतजार करता है कि शायद सत्ता में आ जाएं...राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने तेजस्वी यादव के द्वारा अपराधिक घटनाओं के लिस्ट जारी करने के सवाल पर कहा कि उनको अपने माता-पिता से पूछना चाहिए कि 2005 से पहले 15 साल में बिहार का क्या हाल था.

मुंगेरी लाल का सपना देख रहे हैं लालू : अश्विनी चौबे

संवाददाता। भागलपुर

अश्विनी चौबे.

अब साल 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछनी शुरू हो गई है. विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष विपक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं. इसी क्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कुछ समय पहले विधानसभा चुनाव को लेकर कहा था कि आगामी चुनाव में बिहार में भाजपा सरकार का नेतृत्व करेगी, उनके इस बयान को लेकर खूब हंगामा भी हुआ. अभी ये विवाद थमा भी नहीं था कि उन्होंने दोबारा बयान दिया है. इस बार पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भाजपा को लेकर वापस से बयान दिया है, हालांकि उन्होंने इस बयान में सीधे तौर पर जेदयू को साइड लाइन नहीं किया है, लेकिन अपने बयान में एनडीए के लिए नरम होते दिखे. पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि 2025 में फिर से भाजपा एनडीए की सरकार बनेगी. उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी कर्मठता के साथ चुनाव लड़ने जा रहा है. एनडीए में ऑल इज वेल है.

जर्जर स्कूल की छत का गिरा प्लास्टर, चार छात्राएं हुईं घायल

पटना। बिहार में कहीं पुल गिर रहा है तो कही स्कूल का छत भरभरा कर गिर रहा है तो कहीं सरकारी भवन दरक रहा है. रविवार को पूर्णिया में स्कूल की छत गिर गयी. छुट्टी का दिन होने के कारण कोई दुर्घटना नहीं घटी. लेकिन आज यानी सोमवार को राजधानी पटना के फतुहा प्रखंड के मसाढ़ी पंचायत के मसाढ़ी गांव में स्थित सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन के दौरान अचानक से छत का प्लास्टर गिर गया. इस घटना में चार बच्चे और बच्चियां घायल हो गए. स्कूल का छत गिरने से कुछ बच्चों का सिर फुट गया तो कुछ के हाथ में चोट लगी है. बच्चों का आनन फानन में इलाज किया गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़ी दुर्घटना टल गई है.

सीएम नीतीश ने नदियों के बढ़ते जलस्तर का किया हवाई सर्वेक्षण

संवाददाता। पटना

बिहार में लगातार हो रही बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है. बिहार के कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है. वहीं बाढ़ के खतरे को लेकर बिहार सरकार एक्शन में है. सीएम नीतीश सोमवार को बाढ़ से निपटारे की तैयारी के लिए हवाई सर्वेक्षण किया है. सीएम नीतीश अपने खास मंत्री विजय चौधरी के साथ पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण व गोपालगंज जिलों में नदियों के बढ़ते जलस्तर का हवाई सर्वेक्षण किया. सीएम नीतीश हवाई सर्वेक्षण करने के बाद अधिकारियों के साथ इस मामले को लेकर बैठक करेंगे. साथ ही अधिकारियों को बड़े आदेश भी दे सकते हैं. बिहार सरकार बाढ़ के खतरे को देखते हुए उसके निपटारे के लिए तैयारी में जुटी हुई है. सीएम नीतीश ने आज बाढ़ के खतरे वाले इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गंडक समेत अन्य नदियों के बढ़ते जलस्तर के साथ ही कटाव एवं अन्य हालातों का भी जायजा ले रहे हैं. मुख्यमंत्री वाल्मीकि नगर में गंडक बराज, बगहा में कैलाश नगर, शास्त्री नगर समेत कटाव क्षेत्रों का जायजा ले रहे हैं. बता दें कि जल संसाधन विभाग के अनुसार उत्तर बिहार की प्रमुख नदियां उफान पर हैं. गंडक, कोसी, बागमती, कमला बलान और महानंदा नदी कुछ जगहों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं.

गंडक बराज से 4.40 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका है, जिससे पश्चिम चंपारण जिले के दियारा क्षेत्र के गांव जलमग्न हो गए हैं. बगहा शहर के भी कुछ इलाकों में नदी का पानी पहुंचा है. यही हालात, सुपौल जिले में कोसी तटबंध पर बसे गांवों का भी है.

कारोबार

सोना वायदा कीमतों में भी देखी गयी गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया, जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोने की कीमत 186 रुपये की गिरावट के साथ 72,865 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 186 रुपये यानी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,865 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. इसमें 13,670 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के कारण सोना वायदा कीमतों में गिरावट आई.

चांदी वायदा कीमतों में 0.51% की गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से सोमवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत रुपये की गिरावट के साथ 93,075 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया. मल्टी कमोडिटी एक्स्चेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 479 रुपये यानी 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 93,075 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया. इसमें 22,772 लॉट का कारोबार हुआ. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 1.53 प्रतिशत की हानि के साथ 31.21 डॉलर प्रति औंस रह गयी.

कच्चे तेल के वायदा भाव में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमत सोमवार को 1.19% की गिरावट के साथ 6,894 रुपये प्रति बैरल रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का जुलाई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 83 रुपये या 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,894 रुपये प्रति बैरल रह गया. इसमें 5,672 लॉट के लिए कारोबार हुआ. वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.61 % की गिरावट के साथ 82.65 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 0.44% की गिरावट के साथ 86.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था.

लार्सन एंड टुब्रो की अक्षय ऊर्जा शाखा को मिले दो ठेके

भाषा। नयी दिल्ली

लार्सन एंड टुब्रो की अक्षय ऊर्जा शाखा को पश्चिम एशिया के एक बड़े डेवलपर से दो गीगावाट पैमाने के सौर पीवी संयंत्र बनाने के लिए दो ठेके मिले हैं. कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की अक्षय ऊर्जा शाखा को पश्चिम एशिया के एक अग्रणी डेवलपर से दो गीगावाट पैमाने के सौर पीवी संयंत्र बनाने के लिए बड़े ठेके मिले हैं. एलएंडटी ने अनुबंध के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया. उसके परियोजना वर्गीकरण के अनुसार एक बड़े ठेके का मूल्य 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये के बीच है. एलएंडटी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस. एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा, ये ठेके हमारे हरित खंड में स्वागत योग्य वृद्धि हैं। हम अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के साथ भविष्य के लिए कंपनी का निर्माण कर रहे हैं. लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है. यह इंजीनियरिंग, खरीद तथा निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं, उन्नत विनिर्माण व सेवाओं के कारोबार में है.

डब्ल्यूआरटीएल को 412.5 मेगावाट का मिला ठेका

भाषा। नयी दिल्ली

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) को राजस्थान में 412.5 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करने का ठेका मिला है. डब्ल्यूआरटीएल ने एक बयान में कहा कि ठेका इंजीनियरिंग, खरीद व अनुबंध (ईपीसी) से जुड़ा है. कंपनी ने हालांकि ठेके के वित्तिय विवरण का खुलासा नहीं किया. बयान में कहा गया, वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज को राजस्थान में एसीओना एनर्जी की अनुषंगी कंपनी जूना रिन्यूएबल एनर्जी की 412.5 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना के लिए ईपीसी ठेका मिला है. यह परियोजना राज्य के बीकानेर जिले के कवनी गांव में स्थापित की जाएगी. यह एक 'यूटिलिटी' स्तर का सौर संयंत्र होगा जिसके लिए वारी एनर्जीज द्वारा द्विमुखी सौर मॉड्यूल की आपूर्ति की जाएगी. वारी एनर्जीज लिमिटेड (डब्ल्यूईएल) की अनुषंगी कंपनी डब्ल्यूआरटीएल थर्मल, हाइड्रो, न्यूक्लियर, सौर, पवन ऊर्जा और गैर-परंपरागत/नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिए उत्पन्न बिजली के सभी पहलुओं से जुड़े काम करती है.

तांबा वायदा कीमतों में 0.39% की गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में तांबा की कीमत सोमवार को 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 871.95 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई. एमसीएक्स में तांबा के जुलाई माह में डिलीवरी वाले तांबा अनुबंध की कीमत 3.30 रुपये अथवा 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 871.95 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जिसमें 6,865 लॉट के लिए कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यतः वायदा कारोबार में तांबा कीमतों में गिरावट आई.

विनिवेश को आगे बढ़ाने का समयः एसबीआई

नयी दिल्ली। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विनिवेश को आगे बढ़ाना चाहिए क्योंकि वे अच्छी स्थिति में हैं. एसबीआई के आर्थिक शोध विभाग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है. रिपोर्ट में मौजूदा सरकारी बैंकों को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया गया है. 'केंद्रीय बजट 2024-25 की प्रस्तावना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है, चूंकि बैंक अच्छी स्थिति में हैं, इसलिए सरकार को सार्वजनिक बैंकों के विनिवेश को लेकर आगे बढ़ना चाहिए.

नयी दिल्ली में ताइवान के आर्थिक मामलों के मंत्रालय (एमओईए) द्वारा सोमवार को आयोजित ताइवान एक्सपो 2024 में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा और ताइवान विदेश व्यापार विकास परिषद के अध्यक्ष जेम्स सी.एफ.

मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने पहली छमाही में रिकॉर्ड 9,262 इकाइयों की बिक्री की

भाषा। नयी दिल्ली

जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की 2024 की पहली छमाही में भारत में बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 9,262 इकाई हो गयी. यह वृद्धि विभिन्न श्रेणियों में मजबूत मांग और बड़ी संख्या में मॉडलों की उपलब्धता के दम पर दर्ज की गयी.

कंपनी बयान के अनुसार, यह देश में उसकी अभी तक की सबसे अधिक बिक्री वाली छमाही रही. मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने एक बयान में कहा कि उसकी योजना 2024 की दूसरी छमाही में छह नए उत्पाद पेश करने की है. मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी संतोष अय्यर ने कहा, हमने नए तथा अद्यतन उत्पाद, खुदरा क्षेत्र में बेहतर ग्राहक अनुभव के साथ ही सकारात्मक ग्राहक भावनाओं के दम पर अभी तक की सर्वश्रेष्ठ छमाही (पहली) बिक्री दर्ज की.

कंपनी की घोषणा 2,275 करोड़ के अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र के पूरा होने की घोषणा की

वेलस्पन वन कंपनी ने जुटाए 2,275 करोड़ रुपये

भाषा। नयी दिल्ली

वेलस्पन वन ने अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र में निवेशकों से 2,275 करोड़ रुपये जुटाए हैं. एकीकृत फंड एवं विकास प्रबंधन मंच वेलस्पन वन ने सोमवार को सह-निवेश प्रतिबद्धताओं सहित 2,275 करोड़ रुपये के अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र के सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा की. इस पूंजी का इस्तेमाल गोदाम के निर्माण के लिए किया जाएगा. यह पूंजी करीब 800 सीमित साझेदारों (एलपी) या निवेशकों के विविध समूह से हासिल की गई. कंपनी के अनुसार, इससे वेलस्पन वन के मौजूदा एक करोड़ वर्ग फुट खंड में 80 लाख वर्ग फुट का इजाफा होगा, जिससे उनका कुल खंड लगभग 1.8 करोड़ वर्ग फुट हो जाएगा.

कुल परियोजना व्यय करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर होगा. वेलस्पन वर्ल्ड के चेयरमैन बालकृष्ण गोयनका ने कहा, महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता भारत के लॉजिस्टिक्स लागत को 14 प्रतिशत से घटाकर आठ प्रतिशत करने के रणनीतिक उद्देश्य के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जिससे हमारे उद्योगों की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी.

मैन इंडस्ट्रीज को मिला 1,850 करोड़ रुपये का ठेका

नयी दिल्ली। मैन इंडस्ट्रीज को एक अंतरराष्ट्रीय तेल एवं गैस कंपनी से 1,850 करोड़ रुपये की पाइप आपूर्ति का ठेका मिला है. मैन इंडस्ट्रीज ने एक बयान में कहा कि इस ठेके के तहत एक विदेशी एलएनजी परियोजना के लिए एपीआई 5एल ग्रेड लाइन पाइप की आपूर्ति की जाएगी. लाइन पाइप की आपूर्ति अगले 12 से 18 महीने में की जाएगी. मैन इंडस्ट्रीज इस परियोजना के लिए एसएडब्ल्यू पाइप की आपूर्ति भी करेगी. इसके साथ ही कंपनी की ऑर्डर बुक 4,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगी. मैन इंडस्ट्रीज (इंडिया), मैन समूह की प्रमुख कंपनी है.

MAN Industries (India) Ltd

मुनाफा वसूली से सेंसेक्स में मामूली 36 अंक की गिरावट

भाषा। मुंबई

हाल की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स सोमवार को मामूली 36.22 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ. एनएसई निफ्टी भी लगभग स्थिर बंद हुआ. एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से भी घरेलू शेयर बाजार की धारणा प्रभावित हुई. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स की शुरूआत कमजोर रही. अंत में यह 36.22 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 79,960.38 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 264.77 अंक तक नीचे चला गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 3.30 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की नाममात्र गिरावट के साथ 24,320.55 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, अडाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से नुकसान में रहे. दूसरी तरफ आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे.

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे. यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार सकारात्मक दायरे में रहा. अमेरिकी बाजार शुक्रवार को लाभ में रहे थे.

प्रधानमंत्री की रूस यात्रा शुरू, मॉस्को हवाई अड्डे पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

राष्ट्रपति पुतिन संग शिखर वार्ता करेंगे मोदी

एजेंसी। मॉस्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार से अपनी दो दिवसीय रूस यात्रा शुरू की जिसमें वह द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करने तथा व्यापार, ऊर्जा एवं रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर तलाशने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता करेंगे.

रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की. मांतुरोव मोदी को हवाई अड्डे से उनके होटल तक छोड़ने उनके साथ गए. मांतुरोव ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस यात्रा के दौरान उनका भी स्वागत किया था. यह पिछले पांच साल में मोदी की रूस की पहली यात्रा है. यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद उनकी पहली मॉस्को यात्रा है. यह मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है. इससे पहले वह 2019 में रूस गए थे जहां उन्होंने सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था. मोदी और पुतिन विदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मॉस्को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया.

मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर लिखा, 'प्रधानमंत्री दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे. वह रूस में भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे.' मॉस्को पहुंचने पर भारतीय प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया. मोदी ने रूस के लिए प्रस्थान करने से पहले एक बयान में कहा, 'भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पिछले 10 वर्षों में और बढ़ी है, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और लोगों से लोगों का संपर्क आदि क्षेत्र शामिल हैं.' उन्होंने कहा, 'मैं, मेरे मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मामलों पर दृष्टिकोण साझा करने को लेकर आशान्वित हूं.'

क्या पीएम युद्ध के दलदल में फंसे भारतीयों की वापसी सुनिश्चित करेंगे : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बीच सोमवार को सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री उन भारतीय युवाओं की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करेंगे जो वहां युद्ध के दलदल में फंस गए हैं. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'दशकों से कांग्रेस सरकारों की समझदारी से भरी कूटनीतिक और रणनीतिक पहल के कारण भारत के रूस के साथ अच्छे संबंध विरासत में मिले हैं. प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने 10 वर्षों में (भारत या रूस में) व्लादिमीर पुतिन और दिमित्री मेदवेदेव (रूस के दो राष्ट्रपति जो मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान थे) से 16 बार मुलाक़ात की थी. तुलनात्मक रूप से देखें तो, 10 वर्षों के कार्यकाल के बाद राष्ट्रपति पुतिन के साथ नरेंद्र मोदी की यह केवल 11वीं मुलाक़ात है.'

नेता प्रतिपक्ष ने चुराचांदपुर में जातीय हिंसा से प्रभावितों से बात कर सुनीं समस्याएं

राहुल गांधी ने राहत शिविरों का किया दौरा

एजेंसी। इंफाल/नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर के जिरीबाम और चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और वहां रह रहे लोगों से बातचीत की. राज्य में पिछले साल मई में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी. इसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ पहुंचे गांधी ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बात की और उनकी समस्याएं सुनीं. कांग्रेस द्वारा राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतने के बाद राहुल गांधी पहली बार यहां आए हैं.

हम शांति बहाली के लिए सबकुछ करेंगे : बाद में मीडिया से बात करते राहुल गांधी ने कहा कि हिंसा प्रभावित लोगों को सांत्वना देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर आना चाहिए. हम यहां शांति बहाल करने के लिए सब कुछ करेंगे. कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'हिंसा के बाद मणिपुर की उनकी (राहुल गांधी की) तीसरी यात्रा

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी चुराचांदपुर राहत शिविर के दौरे के दौरान. प्रेट्र

लोगों के मुद्दों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है.' पिछले साल तीन मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के कुछ हफ़्ते बाद गांधी ने पहली बार मणिपुर का दौरा किया था. उन्होंने जनवरी में राज्य से अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' भी शुरू की थी. गांधी ने सबसे पहले जिरीबाम उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने संवाददाताओं को बताया कि जिरीबाम के लोगों ने गांधी को अपने अनुभवों के बारे में बताया. मेघचंद्र ने कहा, 'उन्होंने यह भी पूछा कि उन्हें किस चीज की जरूरत है. एक लड़की ने राहुल गांधी से कहा कि न तो प्रधानमंत्री और न ही मुख्यमंत्री उनसे मिलने आए हैं. उसने गांधी से यह मामला संसद में उठाने का भी आग्रह किया.' प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिरीबाम में हजारों की संख्या में लोग गांधी का स्वागत करने आए और उनमें से कई लोग उनसे बात करते हुए रो पड़े.

राहुल गांधी 'राजनीतिक पर्यटक', मणिपुर की शांति उन्हें नहीं पच रही : भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को मणिपुर की यात्रा पर गए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'राजनीतिक पर्यटक' करार दिया और आरोप लगाया कि उनसे इस पूर्वोत्तर के राज्य की 'शांति' पच नहीं रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के पास तमिलनाडु में जहरीली शराब से और पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों से मिलने का समय नहीं है. उन्होंने कहा, 'मणिपुर की शांति राहुल गांधी जैसे 'पॉलिटिकल टूरिस्ट' से पच नहीं रही है. प्रधानमंत्री ने सदन में मणिपुर की स्थिति और किस कुशलता से केंद्र व राज्य सरकार ने मिलकर राज्य को संभाला है, उसका विवरण सदन में खुद दिया है.' उन्होंने कहा कि गांधी के पास हाथरस और मणिपुर जाने का तो समय है पर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जाने का समय नहीं है

ब्रीफ खबरें

फ्रांस के प्रधानमंत्री एटल देंगे इस्तीफा

पेरिस। फ्रांस में रविवार को हुए संसदीय चुनाव में अधिकतर सीट पर वाम झुकाव वाले गठबंधन की जीत के बाद प्रधानमंत्री गैब्रियल एटल ने घोषणा की है कि वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे. वामपंथी झुकाव वाला नया गठबंधन 'न्यू पॉपुलर फ्रंट' सबसे अधिक सीट जीतने के बावजूद बहुमत से चूक गया है लेकिन वह दक्षिणपंथी 'नेशनल रैली' से बहुत आगे है. दक्षिणपंथी नेशनल रैली राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मध्यमार्गी के बाद तीसरे स्थान पर है. संसदीय चुनाव के इन नतीजों के कारण फ्रांस में त्रिशंकु संसद की स्थिति पैदा हो गई है.

ईरान की नौसेना का विध्वंसक जहाज डूबा

तेहरान। ईरानी नौसेना का एक जहाज मरम्मत किए जाने के दौरान होर्मुज की खाड़ी के पास एक बंदरगाह में डूब गया. सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी. समाचार एजेंसी 'आईआरएएन' की खबर के अनुसार, मरम्मत के दौरान विध्वंसक पोत 'सहंद' के टैंकों में पानी घुस गया जिसके कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह डूब गया. एजेंसी ने बताया कि जिस जगह जहाज डूबा है, वहां पानी की गहराई कम है. अतः संभावना है कि जहाज संतुलन हासिल कर ले. घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

कीव : बच्चों के अस्पताल पर रूस ने किया हमला

कीव। कीव में बच्चों के एक अस्पताल पर रूस ने सोमवार को मिसाइलों से हमला किया और यूक्रेन की राजधानी के अन्य स्थानों पर भी रूसी हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. वहीं मध्य यूक्रेन के एक अन्य शहर कीर्वी रीह में हुए एक और हमले में कम के कम 10 लोगों की मौत हो गई. यह कई महीनों में कीव पर सबसे बड़ी बमबारी थी. यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि दिन के उजाले में किए गए हमलों में किंजल हाइपरसोनिक प्रक्षेपास्त्र शामिल थे, जो सबसे उन्नत रूसी हथियारों में से एक है. यह ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक रफ्तार से उड़ता है.

उपनगरीय रेल, विमान सेवाएं प्रभावित, स्कूल-कॉलेज बंद, विस की कार्यवाही भी स्थगित

मुंबई में भारी बारिश से जनजीवन ठप

एजेंसी। मुंबई

मुंबई में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन ठप हो गया तथा सोमवार को मध्य रेलवे के मार्गों पर उपनगरीय रेल सेवाएं और विमान संचालन प्रभावित हुआ. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. बृहन्मुंबई महानगर पालिक (बीएमसी) ने विद्यार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए शहर के सभी निकाय स्कूल, सरकारी और निजी स्कूलों तथा कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी. महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भारी बारिश के कारण दक्षिण मुंबई में विधानमंडल परिसर में कई विधायकों और मंत्रियों के नहीं पहुंच पाने के कारण आज सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी. सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने भारी बारिश के कारण मुंबई में लोगों को हो रही परेशानियों का जिक्र किया. इस पर नार्वेकर ने कहा कि मुंबई में 300 मिमी बारिश दर्ज की गई है और कई विधायक और मंत्री अभी भी विधानमंडल परिसर में नहीं पहुंचे हैं. उन्होंने कोरम (सदन की बैठक के लिए विधायकों की आवश्यक संख्या) पूरा नहीं होने का हवाला देते हुए सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दी. वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को मंत्रालय में एक बैठक कर मुंबई में भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया.

रेल सेवाओं को रोक दिया गया : बीएमसी ने एक प्रवक्ता ने कहा, 'भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई में भारी से बेहद भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है.' मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और पड़ोसी ठाणे के बीच मुख्य रेल मार्ग की 'फास्ट' लाइन पर विभिन्न स्थानों पर जलभराव के कारण रेल सेवाओं को कुछ समय के लिए रोक दिया गया. चूनाभट्टी में जलभराव के कारण हार्बर लाइन पर भी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं.

मुंबई में बारिश से कई इलाके डूब गए. रेल व सड़क मार्ग पर जलजमाव हो गया.

मुंबई हवाई अड्डे पर 50 उड़ानें रद्द, यात्री हुए परेशान

मुंबई हवाई अड्डे पर सोमवार को सेवाएं शहर में भारी बारिश के कारण बुरी तरह प्रभावित हुईं और कम दृश्यता के कारण रनवे पर परिचालन गतिविधियां एक घंटे से अधिक समय तक बंद रहीं एवं 50 उड़ानें रद्द की गईं. सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि रद्द की गई 50 उड़ानों (आगमन और प्रस्थान दोनों) में से 42 सेवाएं 'इंडिगो' की और छह 'एअर इंडिया' की थीं. एक सूत्र ने कहा, 'कम दृश्यता और भारी बारिश के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक 50 उड़ानें रद्द की गईं. इनमें से 42 उड़ानें इंडिगो की थीं, उनमें से 20 प्रस्थान उड़ानें थीं. एअर इंडिया की छह उड़ानें रद्द हुईं, उनमें से तीन यहां उतरने वाली उड़ानें थीं.' 'एलायंस एयर' को भी सोमवार को अपनी दो उड़ानें रद्द करनी पड़ीं. इससे पहले हवाई अड्डे पर रनवे परिचालन को रविवार देर रात दो बजकर 22 मिनट से तड़के तीन बजकर 40 मिनट तक निलंबित करना पड़ा.

यूके से छोड़े गये लाखों क्यूसेक पानी से आई बाढ़, यूपी के कई जिले प्रभावित

लखनऊ। उत्तराखंड के बांधों से छोड़े गये लाखों क्यूसेक पानी और राज्य में भारी बारिश के कारण उत्तर प्रदेश के तराई और मैदानी इलाकों में आई बाढ़ से छह जिलों के अनेक गांव प्रभावित हुए हैं. राहत आयुक्त कार्यालय से सोमवार को प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तराखंड के बनबसा बांध से रविवार रात करीब तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से पीलीभीत जिले में शारदा नदी उफान पर है और बाढ़ का पानी 20 गांवों में घुस गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिये राष्ट्रीय आपका मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम 32 नौकाओं की मदद से राहत कार्यों में जुटी है. रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को सुबह सात बजे से 10 बजे के बीच बनबसा बांध से शारदा नदी में लगभग 10 लाख क्यूसेक तथा दियूनी और नानक सागर बांध से देवहा नदी में एक लाख 81 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया. रिपोर्ट में बताया गया कि पीलीभीत मैलानी रेलवे रूट पर शाहगढ स्टेशन व संडई हाल्ट के बीच सकरिया नाले पर बनी पुलिया रविवार देर रात बह गई. इस वजह से मैलानी और टनकपुर की ओर रेल का संचालन रोक दिया गया. पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल रेल प्रबंधक रेखा यादव ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया के निर्माण में अभी समय लगेगा. मरम्मत होने के बाद ही इस रूट पर ट्रेनों का संचालन शुरू किया जा सकेगा. वहीं, खटीमा पुल पर पानी खतरे के निशान से अधिक बढ़ने पर टनकपुर-पीलीभीत मार्ग पर ट्रेन सेवा को भी फिलहाल बंद किया गया है. आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, पानी के तेज बहाव के कारण गजरौला-बरखेड़ा सड़क मार्ग पर एक पुलिया बह गई. ग्रामीणों ने प्रशासन को बताया कि इस मार्ग पर पानी पुलिया के ऊपर बह रहा था. पुलिया पुरानी होने की वजह से तेज बहाव सहन नहीं कर सकी और क्षतिग्रस्त हो गई.

पीलीभीत रेलवे ट्रैक की नीचे की जमीन बारिश के पानी में बह गई. प्रेट्र

मैं असम के लोगों के साथ हूं, संसद में उनका सिपाही हूं : राहुल गांधी

सिलचर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि वह बाढ़ से प्रभावित असम के लोगों के साथ हैं और 'संसद में उनके सिपाही' हैं. उन्होंने केंद्र से राज्य को तुरंत हरसंभव सहायता मुहैया कराने का अनुरोध किया. राहुल ने असम में कछार जिले के फुलेर्तल में एक बाढ़ राहत शिविर का दौरा करने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं संसद में उनका सिपाही हूं और मैं केंद्र सरकार से राज्य को तुरंत हरसंभव मदद मुहैया कराने का अनुरोध करता हूं.' उन्होंने कहा कि असम को 'अल्पावधि में व्यापक और दयालु दृष्टि वाली राहत, पुनर्वास और मुआवजे की आवश्यकता है तथा दीर्घावधि में बाढ़ पर नियंत्रण पाने के लिए पूरे पूर्वोत्तर का एक जल प्रबंधन प्राधिकरण चाहिए.' उन्होंने कहा, 'असम में बाढ़ से मची अत्यधिक तबाही हृदयविदारक है जिसने आठ वर्षीय अविनाश जैसे मासूम बच्चे को हमसे छीन लिया है. पूरे राज्य में सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं.' राहुल ने कहा कि असम कांग्रेस के नेताओं ने उन्हें जमीनी स्थिति से अवगत कराया है कि 24 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, 53,000 तथा उससे अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं और 60 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है. यह संख्या भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार के घोर और गंभीर कुप्रबंधन को दर्शाती है जो बाढ़ मुक्त असम के वादे के साथ सत्ता में आयी थी'

असम में बाढ़ प्रभावित से मिलते राहुल गांधी.

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 131 वन्य जीव मारे गए

गुवाहाटी। असम स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की वजह से अब तक कम से कम 131 वन्य जीव मारे गए हैं जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया है. मृत जानवरों में छह गैंडे और 117 पाढ़ा (हिरण की प्रजाति का जानवर) शामिल हैं. इनमें 98 डूबने से, दो वाहन की चपेट में आने से और 17 इलाज के दौरान मारे गए. दो सांभर, एक रीसस मकाक (बंदर की प्रजाति) और एक ऊदबिलाव की मौत डूबने के कारण हुई. इलाज के दौरान कुल 25 जानवरों की मौत हुई जिनमें 17 पाढ़ा, एक बारासिंगा, एक रीसस मकाक और एक ऊदबिलाव शामिल हैं.

दिल्ली में 5 हजार स्कूल शिक्षकों के तबादले का आदेश स्थगित

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना के आदेशों पर कार्रवाई करते हुए पांच हजार स्कूल शिक्षकों के तबादले का आदेश सोमवार को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया. ये शिक्षक 10 से अधिक वर्ष से एक ही स्कूल में तैनात हैं. सक्सेना ने रविवार को मुख्य सचिव नरेश कुमार को तबादले के आदेश को कुछ वक्त के लिए स्थगित करने का निर्देश दिया.

यह तबादला आदेश पिछले सप्ताह जारी किया गया था. उपराज्यपाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं और शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद एक अंतरिम उपाय के रूप में तबादले के आदेश को कुछ वक्त के लिए स्थगित रखने का निर्देश दिया. दिल्ली की शिक्षा मंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए तबादले के आदेश के पीछे भाजपा की साजिश का आरोप लगाया. उन्होंने आरोप लगाया, "दिल्ली में हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्ष में सरकारी विद्यालयों को बदलकर रख दिया है. यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों के नतीजे कीर्तिमान बना रहे हैं. भाजपा को यह बदलाव हजम नहीं हो रहा इसलिए शिक्षा के इस क्रांतिकारी बदलाव को दबाने के लिए उसने शिक्षकों के तबादले की साजिश रची." उन्होंने आदेश वापस लिये जाने के लिए दिल्ली के लोगों को शुभकामनाएं भी दीं.

हंगरी के पीएम से मुलाकात के दौरान की पहल

चिनफिंग का रूस-यूक्रेन संवाद शुरू कराने में मदद का आह्वान

एजेंसी। बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान से मुलाकात के दौरान वैश्विक महाशक्तियों से सीधा संवाद बहाल करने में रूस और यूक्रेन की मदद करने का आह्वान किया.

सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने यह जानकारी दी. ओरबान पिछले सप्ताह रूस और यूक्रेन की यात्रा करने के बाद अचानक चीन पहुंचे. वह यूक्रेन में शांति समझौते की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए ये यात्राएं कर रहे हैं. सीसीटीवी के अनुसार, ओरबान ने शांति के लिए चीन की पहल की तारीफ करते हुए उसे सकारात्मक और महत्वपूर्ण बताया तथा उसे वैश्विक उथल-पुथल के बीच स्थिरता लाने वाली ताकत करार दिया. ओरबान ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि रूस और यूक्रेन के अलावा 'युद्ध खत्म होना तीन वैश्विक महाशक्तियों... अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन के निर्णय पर निर्भर करता है.' उन्होंने शी चिनफिंग से हाथ मिलाते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की. शी से ओरबान की दो महीने पहले भी मुलाकात हुई थी जब चीन के राष्ट्रपति यूरोप के तीन देशों की अपनी यात्रा के दौरान हंगरी पहुंचे थे. उन्होंने फ्रांस और सर्बिया की यात्रा भी की थी. ओरबान के शासनकाल में हंगरी ने चीन के साथ महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक संबंध बनाए हैं. हंगरी में चीन की इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी विनिर्माण की अनेक इकाइयां हैं. ओरबान की यह यात्रा पिछले सप्ताह यूक्रेन और रूस की इसी तरह की अघोषित यात्रा के कुछ ही दिन बाद हो रही है, जहां उन्होंने प्रस्ताव दिया था कि यूक्रेन, रूस के साथ तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत होने पर विचार करे. यूक्रेन और यूरोपीय संघ ने रूस की यात्रा को लेकर ओरबान की आलोचना की है.

नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के प्रति समर्थन प्रदर्शित करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन की मेजबानी में इस सप्ताह आयोजित होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा यूक्रेन के प्रति मजबूत समर्थन प्रदर्शित करने की संभावना है. बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सम्मेलन में यूक्रेन को सैन्य, राजनीतिक और वित्तीय सहायता देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की जा सकती हैं.

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले साल जून से लेकर अब तक हर महीना सबसे गर्म दर्ज

जून अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज : यूरोपीय संघ

एजेंसी। नयी दिल्ली

पांच महाद्वीपों में पिछले महीने करोड़ों लोगों के कड़ी तपिश महसूस करने के बाद यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी ने सोमवार को पुष्टि की कि जून अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया. 'कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस' (सी3एस) ने बताया कि यह लगातार 12वां महीना है जब वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक काल के औसत तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंच गया है. सी3एस के वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले साल जून से लेकर अब तक हर महीना सबसे गर्म दर्ज किया गया है. पेरिस में 2015 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में विश्व नेताओं ने जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए वैश्विक औसत ताप वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक काल से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की प्रतिबद्धता जतायी थी. वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों - मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन - की तेजी से बढ़ती सांद्रता के कारण पृथ्वी की वैश्विक सतह का तापमान 1850-1900 के औसत की तुलना में पहले ही लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है. इस ताप वृद्धि को दुनियाभर में सूखा पड़ने, वनों में आग लगने और बाढ़ की रिकॉर्ड घटनाओं की वजह माना जाता है. नए आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 रिकॉर्ड गर्म माह दर्ज किया गया. सी3एस ने एक बयान में कहा, 'यह महीना 1850-1900 (पूर्व औद्योगिक काल) के लिए अनुमानित जून के औसत तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था.

उत्तर पश्चिमी भारत में 1901 के बाद सबसे गर्म जून

जून में कई देशों को रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और विनाशकारी बाढ़ तथा तूफान का सामना करना पड़ा. अमेरिका स्थित वैज्ञानिकों के एक स्वतंत्र समूह 'क्लाइमेट सेंट्रल' के एक विश्लेषण के अनुसार, दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ने अत्यधिक गर्मी का सामना किया. क्लाइमेट सेंट्रल ने बताया कि भारत में 61.9 करोड़, चीन में 57.9 करोड़, इंडोनेशिया में 23.1 करोड़, नाइजीरिया में 20.6 करोड़, ब्राजील में 17.6 करोड़, बांग्लादेश में 17.1 करोड़, अमेरिका में 16.5 करोड़, यूरोप में 15.2 करोड़, मेक्सिको में 12.3 करोड़, इथियोपिया में 12.1 करोड़ और मिस्र में 10.3 करोड़ लोगों ने जून में भीषण गर्मी का प्रकोप झेला. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर पश्चिमी भारत में 1901 के बाद सबसे गर्म जून दर्ज किया गया. देश में लू लगने के कारण 40,000 से अधिक लोगों की मौत होने और गर्मी के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है. भीषण गर्मी से जल आपूर्ति प्रणाली और बिजली ग्रिड पर भी प्रभाव पड़ और दिल्ली में भीषण जल संकट पैदा हो गया. आईएमडी के अनुसार, अप्रैल से जून की अवधि के दौरान 11 राज्यों में 20 से 38 दिन लू वाले दर्ज किए गए.

महिलाओं के लिए मासिक धर्म अवकाश पर मॉडल नीति तैयार करे केंद्र सरकार

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह मुद्दा नीति से संबंधित है और अदालतों के विचार करने के लिए नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से संबंधित है और अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है. पीठ ने कहा कि इसके अलावा, महिलाओं को ऐसी छुट्टी देने के संबंध में अदालत का निर्णय प्रतिकूल और 'हानिकारक' साबित हो सकता है, क्योंकि नियोक्ता उन्हें काम पर रखने से परहेज कर सकते हैं. पीठ ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि इस तरह की छुट्टी अधिक महिलाओं को कार्यबल का हिस्सा बनने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेगी. उसने कहा कि इस तरह की छुट्टी अनिवार्य करने से महिलाएं "कार्यबल से दूर हो जाएंगी...हम ऐसा नहीं चाहते. पीठ ने कहा, "यह वास्तव में एक सरकारी नीतिगत मुद्दा है अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है."

सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद निर्णय लें

हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ता और वकील शैलेंद्र त्रिपाठी की तरफ से पेश वकील राकेश खन्ना को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव तथा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के पास जाने की अनुमति दे दी. पीठ ने निर्देश दिया, "हम सचिव से अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले पर नीतिगत स्तर पर विचार करें और सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद निर्णय लें तथा देखें कि क्या एक मॉडल नीति बनाई जा सकती है." शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर राज्य इस संबंध में कोई कदम उठाते हैं, तो केंद्र की परामर्श प्रक्रिया उनके रास्ते में नहीं आएगी. न्यायालय ने इससे पहले देशभर में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश देने का अनुरोध करने वाली याचिका का निपटारा कर दिया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)